जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 31 संख्याः 204 प्रभात उदयपुर, मंगलवार 28 मई, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'गुरू गोविन्द सिंह के पंज प्यारों में एक द्वारका (गुजरात) के थे तथा मेरी तरह ओ.बी.सी. भी थे'

पटियाला में आयोजित रैली में प्र.मंत्री मोदी ने पंज प्यारे मोखम सिंह की याद दिलायी। मोखम सिंह को गुरू गोविन्द सिंह ने भाई मोखम सिंह का नाम दिया था

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 मई। प्रधानमंत्री मोदी का शनिवार के पंजाब में किए गए इस दावे कि गुरू गोबिन्द सिंह के पंज प्यारों में से एक मेरी तरह पिछड़े थे, की देशभर में और खासतौर पंजाब मे मिलीजुली प्रतिक्रिया रही। पंजाब की 13 लोकसभा सीटों के लिए मतदान के सातवें चरण में 1 जून को वोटिंग है।

मोदी इससे पहले मुसलमानों और ईसाईयों के बीच दीर्घ एवं मजबूत संबंधों का जिक्र कर चुके है। इस बार उन्होंने शनिवार को पटियाला में आयोजित एक चुनावी रैली में गुरू गोबिन्द सिंह के "पंज प्यारों" का जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि "आप ये प्रधानमंत्री की बात छोड़ दीजिए। मेरा तो आप से खून का रिश्ता है। गुरू गोबिन्द जी के पंज प्यारों में से एक द्वारिका के रहने वाले थे। मोदी मोखम चंद का जिक्र कर रहे थे जिनका जन्म द्वारिका में तीरथ चंद और देवी बाई के यहाँ हुआ था। गुरू गोबिन्द सिंह ने उनका नाम भाई मोखम सिंह रखा था।

- प्र.मंत्री मोदी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि, "आप ये प्रधानमंत्री की बात छोड़ दीजिये, मेरा तो आप से खून का रिश्ता है, गुरू गोविंद जी के पंज प्यारो में से एक मेरे इतवारी काका थे।"
- इतिहासकारों व पंजाब के इतिहास के ज्ञाताओं के अनुसार कई नीची जातियों के लोग, जो सवर्णों के सताये थे, "सिखिज़्म" की ओर आकर्षित हुए तथा इसी कारण से मोखम सिंह, जो नीची जाति के थे, गुरू गोविंद सिंह के उद्गारों से प्रेरित हो कर 1685 में द्वारका से पंजाब आनंदपुर साहिब आये थे।
- वे अस्त्र शस्त्र का प्रशिक्षण पाकर, गुरू गोविंद सिंह की सेना में शामिल हुए।
- मोखम सिंह के समर्पण, अनुशासन व वफादारी को देखकर, गुरू गोविंद सिंह ने उन्हें पंज प्यारों में शामिल किया।

डॉ. बृज मोहन कौशिक ने कहा कि "वोट के लिए मोदी कुछ भी करेगा।" उन्होंने ध्यान दिलाया कि पंज प्यारे भाई मोखम सिंह की जन्मस्थली से अपना संबंध जोड़ने की कोशिश में मोदी इस बात को ज्यादा ही खींच रहे हैं।

इतिहासकारों और पंजाब के इतिहास के जाने-माने विशेषज्ञों के अनुसार देश में ऊंची जातियों से उत्पीड़ित नीची जातियों के कई लोग सिख धर्म की ओर आकर्षित हुए।

मोखम सिंह नीची मानी जाने वाली एक जाति के थे। वे गुरु गोबिन्द सिंह की शिक्षाओं से प्रेरित होकर पंजाब आए। विशेषज्ञों ने बताया कि "संयोग से, उनके पंजाब आगमन के वक्त नीची जातियों के लोग जातिगत प्रथा से खुश नहीं थे और उनका पंजाब आना इस प्रथा के खिलाफ विरोध का भी एक हिस्सा था।"

वे आनंदपुर साहिब में गुरू गोबिन्द सिंह की शरण में तब आए जब गुरू गोबिन्द सिंह वहाँ मुगलों से संघर्ष कर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तृणमूल के खिलाफ विज्ञापन, भाजपा को सुप्रीम कोर्ट से फटकार

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 मई। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कलकत्ता हाई कोर्ट के द्वारा पारित 22 मई के उस आदेश में हस्तक्षेप करने से मना कर दिया जिसमें वर्तमान लोकसभा चुनाव की गतिविधि के दौरान भाजपा के ऐसा विज्ञापन प्रकाशित करने पर रोक लगाई थी जो अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) का अपमान करने वाला

- कलकत्ता हाई कोर्ट के बाद इस विज्ञापन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भी भाजपा को झटका दिया और याचिका खारिज कर दी तथा कहा कि, कटुता बढ़ाने की अनुमति नहीं दे सकते।

हो, कोर्ट ने माना कि प्रथम दृष्टया टी.एम.सी. के खिलाफ भाजपा का विज्ञापन "अपमानित" करने वाले हैं।

ग्रीष्मावकाशकालीन बैंच के न्यायाधीश जे.के. महेश्वरी व न्यायाधीश के.वी. विश्वनाथन ने कहा, वर्तमान आम चुनावों के बीच टी.एम.सी. को लक्षित करके भाजपा ने जो विज्ञापन जारी किए हैं वो "लज्जित"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इण्डिया गठबंधन ने एक जून को अपने नेताओं की बैठक बुलायी

गठबंधन का आकलन है कि, भाजपा सबसे बड़ी पार्टी होगी, पर बहुमत नहीं पा सकेगी चुनाव के बाद, पर, इण्डिया गठबंधन सबसे बड़ा "समूह" होगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 मई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक जून को दोपहर बाद इंडिया ब्लॉक के नेताओं की बैठक बुलाई है इसी दिन 2024 के लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण का मतदान है। खड़गे के इस कदम को मनोवैज्ञानिक जंग का एक महत्वपूर्ण कदम बताया जा रहा है।

अंतिम दिनों में दो कथानक चल रहे हैं एक तो यह कि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रुप में उभरेगी पर लोकसभा में बहुमत के लिए आवश्यक 272 का आकड़ा नहीं छू पाएगी। दूसरा यह कि इंडिया ब्लॉक सबसे बड़े गठबंधन के रुप में उभरेगा।

चार जून को चुनाव नतीजे आने से पहले एक जून को मीटिंग कर इंडिया ब्लॉक के गठबंधन के नेता यह बताना चाहते हैं कि वे पूरी तरह से चौकस हैं। जिस तरह से महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और गोवा में सरकार गिरी है उसे देखते हुए विपक्षी नेता इस बार सरकार बनने का अवसर लपक लेना चाहते हैं। इसी के साथ विपक्षी नेता यह संदेश भी देना चाहते हैं। कि उन्हें यकीन है कि सरकार बनाने की सर्वश्रेष्ठ स्थिति में वे ही होंगे।

- इण्डिया गठबंधन सबसे बड़े ग्रुप के रूप में अपना दावा पेश करेगा।
- एक जून को बैठक बुलाने का एक कारण यह भी है कि, दो जून को केजरीवाल को पुनः तिहाड़ जेल में रिपोर्ट करना है।
- अतः इण्डिया गठबंधन की चुनाव बाद की रणनीति पर, केजरीवाल के सोच को भी जान लेना चाहते हैं।
- एक जून को इण्डिया गठबंधन का नेतृत्व, सभी क्षेत्रीय पार्टियों से पूरा व सच्चा आकलन चाहता है कि, वे कितनी सीट जीतेंगे अपने क्षेत्र में।
- इसके बाद बैठक में तटस्थ पार्टियों, जैसे बी.जे.डी. व वाय.एस.आर. से कैसे और क्या बातचीत हो यह निश्चित किया जायेगा।

एक जून का चयन इसलिए भी किया गया है क्योंकि 2 जून को आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल के पुनः जेल जाने की संभावना है। इंडिया ब्लॉक के नता विपक्षी गठबंधन की भावी कार्यवाही के संदर्भ में उनका रुख भी जानना चाहते हैं।

सरकार में वापसी की उम्मीद में इंडिया गठबंधन के नेता कॉमन मिनिमम प्रोग्राम पर चर्चा करने वाले हैं। मीटिंग में क्षेत्रीय नेताओं द्वारा अपनी सीटों के बारे में ईमानदार फीडबैक देने की उम्मीद है। एकता का संकल्प भी जोर शोर से दोहराए जाने की उम्मीद है साथ ही तटस्थ दलों को साथ लाने पर भी चर्चा होगी। इनमें बीजू जनता दल और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बंगाल में "रेमल" तूफान से सात लोगों की मौत

हालांकि, रेमल का फोकस व टारगैट बंगलादेश था, पर, प. बंगाल के दक्षिण व तटीय क्षेत्र में भी काफी प्रकोप दिखा तूफान से

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 मई। पश्चिम बंगाल खतरनाक चक्रवाती तूफान के प्रकोप की चपेट में है जो सुन्दरबन और उसके आस-पास के इलाकों में आया था हालांकि उसका मुख्य केन्द्र बांग्लादेश में था।

राज्य में तूफान के कारण कम से कम सात लोगों की मौत हो गयी है। ये मौतें, घरों के गिरने, पानी से भरे गड्ढों में बिजली के टूटे हुए जिंदा तारों के संपर्क में करंट लगने से हुई हैं।

जहाँ तक आम चुनावों की बात है, इस तूफान ने सरकार के राहत कार्यों पर सवाल उठाये हैं। राज्य के मुख्यमंत्री ने यद्यपि, दावा किया है कि, राज्य सरकार ने समुचित राहत कार्य किए हैं।

राज्य में इस तरह के खतरनाक तूफान अक्सर आते रहते हैं। गत कुछ वर्षों में राज्य ने अंफान, आलिया और अब रेमल जैसे तूफानों का सामना किया है। साल-दर-साल, बंगाल के दक्षिणी जिले और तटीय इलाके, उन तूफानों के प्रकोपों के लिए ज्यादा संवेदनशील रहे हैं।

- तटीय क्षेत्र में बसे गांवों की तूफान से सुरक्षा के लिये, मिट्टी के बांध बनाये गये हैं चारों तरफ तथा तट, जो कि, निरन्तर पानी के भार से काफी जीर्ण-क्षीण अवस्था में है, को भी सुदृढ़ बनाने के लिये काफी पैसा खर्च होना दिखाया गया है किताबों में, पर, वास्तविक स्थिति में इस तैयारी के लक्षण नज़र नहीं आते।

वर्तमान चक्रवाती तूफान, रेमल ने सामान्य जीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है, बिजली के कनैक्शन टूट गये हैं, पेड़ जड़ से उखड़ गये हैं और बहुत से घर टूटकर गिर गये हैं। जगह-जगह पानी भरने और पानी भरे गड्ढों में बिजली का करंट आ जाने से लोगों की करंट लगने से मौत हो गयी है।

तटीय क्षेत्रों का बहुत बड़ा इलाका जलमग्न है। कुछ तटीय इलाकों में सुरक्षा की दृष्टि से बनाये गये कुछ कामचलाऊ बांध बहुत चिंता का विषय हैं। इन क्षेत्रों में प्रभावित गांव वालों का भविष्य अनिश्चित है।

ये बांध मिट्टी से बने हैं। नदी की तेज धाराओं ने बांधों का जगह-जगह से तोड़ दिया है, इसलिए सभी गांव वाले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

31 मई को एस.आई.टी. के सामने उपस्थित होंगे प्रज्वल रैवन्ना

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 मई। जनता दल (सैकुलर) के सांसद प्रज्वल रैवन्ना 31मई को स्पेशल इन्वैस्टिगेशन टीम

- बताया जाता है कि, ऐसा करने के लिए प्रज्वल पर उनके परिवार, खासकर दादा एच.डी. देवेगौड़ा एवं सहयोगी पार्टी भाजपा का भारी दबाव है।

(एस.आई.टी.) के समक्ष उपस्थित होने की बात कही है, समझा जा रहा है यह पारिवारिक खासकर पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौडा जो प्रज्वल के दादा है, और एन.डी.ए. में सहयोगी दल भाजपा के भारी दबाव के कारण है।

जर्मनी से जारी किए एक वीडियो में, रैवन्ना ने कहा कि, वह उनके खिलाफ होने वाली जांच में पूर्ण सहयोग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आशंकित व अचंभित क्यों हैं हाईकोर्ट के वकील, जॉर्ज चौधरी की नियुक्ति से?

वकीलों को कांग्रेस या भाजपा की विचारधारा के आधार पर दो खेमों में बांटना उचित नहीं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 27 मई। नई भाजपा सरकार ने भारी स्फूर्ति से अपना कार्यभार तो संभाला पर हाईकोर्ट के महाधिवक्ता व अतिरिक्त महाधिवक्ताओं की नियुक्ति क्यों नहीं की थी, उससे कई लोग अचंभित थे। सरकार के गठन के तीन माह बाद तक भी जयपुर व जोधपुर स्थित हाईकोर्टों में पिछली सरकारों के मुकाबले काफी कम संख्या में अतिरिक्त महाधिवक्ता नियुक्त किये गये। पर्याप्त अतिरिक्त महाधिवक्ता नियुक्त नहीं किये जाने की वजह से पैरवी सही तरीके से नहीं हो पा रही थी और जयपुर स्थित हाईकोर्ट ने राज्य सरकार पर एक ही माह में तीन बार जुर्माना लगाया। ऐसा प्रतीत होने लगा था कि भाजपा सरकार को अतिरिक्त महाधिवक्ता नियुक्ति करने के लिये सुदृढ़ उम्मीदवार नहीं मिल रहे थे। अब इस धारणा को और हवा इसलिये भी मिल रही है क्योंकि राज्य सरकार अब उन वकीलों को कई चुनिंदा मामलों में पैरवी के लिये नियुक्त कर रही है जिन्हें सैद्धांतिक रुप से कांग्रेस पार्टी के समीप माना जाता है और उन्होंने कांग्रेस पार्टी व उनके नेताओं के पक्ष में पैरवी भी की है।

- भूतकाल में ऐसे उदाहरण देखे जा सकते हैं जहां राज्य सरकारों के बदलने के बाद भी महाधिवक्ता को नहीं बदला गया, क्योंकि सरकार उन वकीलों की सत्यनिष्ठा पर सवाल नहीं उठा सकती थी।
- परंतु इस तथ्य को भी नकारा नहीं जा सकता कि, वरिष्ठ अधिवक्ता अनूप जॉर्ज चौधरी ए.आई.सी.सी. में "ह्यूमन राइट सैल" के अध्यक्ष थे और ए.आई.सी.सी. सचिव भी। इससे यह भी पता चलता है कि, अनूप जॉर्ज चौधरी कांग्रेस के वरिष्ठ नेतागणों के करीब थे।
- कांग्रेस और भाजपा राष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं बल्कि राज्य स्तर पर भी सबसे बड़ी और सबसे प्रबल विपक्षी पार्टियां हैं, परंतु कांग्रेस संगठन में सचिव रहे अधिवक्ता का भाजपा सरकार के लिये अदालत में पैरवी के लिये पेश होना शायद पहला उदाहरण है। अनूप जॉर्ज का राज्य सरकार की ओर से पैरवी करना और भी विचित्र इसलिये लगता है क्योंकि वह उच्च शिक्षा विभाग के एक अत्यंत ही विवादित मामले की पैरवी के लिये ही आ रहे हैं।

हालांकि अधिवक्ताओं की व्यक्तिगत विचारधारा उसकी योग्यता का माप नहीं है, और शायद इस सरकार के लिये भी व्यक्ति विशेष की विचारधारा उसे सरकार की पैरवी करने के लिये अयोग्य साबित नहीं करती है। परंतु हाईकोर्ट के गलियारों में यह चर्चा का विषय तो जरूर है कि वे वकील जो भाजपा कार्यकर्ताओं व पार्टी के लिये केस लड़ते रहे है, और पार्टी की विचारधारा के भी समीप हैं, उन्हें वर्तमान सरकार अतिरिक्त महाधिवक्ता घोषित करने के लिये प्रथम विकल्प के तौर पर क्यों नहीं देख रही है?

एक नाम जो चर्चाओं में बार-बार उभर कर सामने आता है, वह वरिष्ठ अधिवक्ता अनूप जॉर्ज चौधरी का है, जो राज्य सरकार की ओर से एक अत्यंत विवादित मामले में 'उच्च शिक्षा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दो गर्दन वाले हंस की कहानी.....(2)

व्यक्ति प्रधान राजनीति लोकतंत्र के लिए खतरनाक है, पर राजस्थान कांग्रेस शासन में व्यक्तिवादी राजनीति के कटु अनुभव को भुगत चुका है

-विशेष प्रतिनिधि द्वारा-

जयपुर, 27 मई। व्यक्ति प्रधान राजनीति या प्रशासन की बात करते ही मुंह में कुछ कड़वाहट सी आ जाती है, क्योंकि, इस तरह की राजनीति व प्रशासनिक व्यवस्था के उदाहरण जो सबसे पहले मानस पटल पर उभरते हैं, वो हैं, जिनके बारे में यह भी बताया जाता है कि, वे कभी भी लोकप्रिय नहीं रहे, जैसे हिटलर, औरंगज़ेब, डॉनल्ड ट्रम्प, स्टालिन, माओ, वगैरह। चाहे उन्होंने कितने भी प्रयास किये हों, प्रशासनिक तंत्र व खजाने का उपयोग किया हो, जनता के बीच अपनी छवि को उज्जवल बनाने का।

राजस्थान में इस तरह का प्रयोग हाल ही में देखा गया था, कांग्रेस के प्रशासन में। मुख्यमंत्री गहलोत की सरकार पूर्णतया व्यक्तिवादी थी। मु.मंत्री ने सत्ता के पूरे सूत्र अपने हाथ में रखे और इस तरह प्रशासन पर पूरा नियंत्रण उनका था। और पद्धति के दूसरे अध्याय का मूल मंत्र था, मंत्रियों को, विधायकों को खुश रखो, इसके लिये इन प्रतिनिधियों में कुछ सत्ता बांटो, जिससे उनमें सामर्थ्य बने, सरकार का उपयोग कर, कुछ खाने-कमाने का। इसके अलावा प्रशासनिक मशीनरी को खुल्लम-खुल्ला "मैसेज" दिया कि, विधायक ही अपने क्षेत्र का मु.मंत्री है। अतः प्रशासन को वो ही करना है, जो विधायक चाहता है।

इस नयी तरह की व्यवस्था के भयावह परिणाम हुए। पहली बात तो यह हुई कि, जनता, जन भावना गौण हो गयी। उदाहरण के लिये, छोटी-मोटी मछलियों से लेकर बड़े-बड़े मगरमच्छों ने भी परिस्थिति को समझते हुए, येन-केन-प्रकारेण विधायकों का संरक्षण प्राप्त कर लिया और मंत्री के इशारे पर पुलिस भी "पालतू" हो गयी तथा इन "क्रिमिनल्स" के अपराधों की अनदेखी ही नहीं करने लगी, बल्कि, इस अपराधों में "मूक" सहयोग प्रदान करने लगी। यह व्यवस्था, पांच साल में इतनी घर कर गयी कि, अब नयी सरकार को सामान्य रूप से ईमानदार, अपनी "ड्यूटी" के प्रति वफादार पुलिस अफसर ढूंढना मुश्किल हो रहा है और अगर कुछ ऐसे अफसर मिल भी जायें

- इतिहास गवाह है, व्यक्तिवादी नेता किसी भी युग में रहे हों, कभी भी लोकप्रिय नहीं रहे, औरगज़ेब, हिटलर, स्टालिन, माओ, डॉनल्ड ट्रम्प ऐसे तमाम उदाहरण हैं, जिन्होंने जनता में लोकप्रियता पाने के लिए प्रशासनिक तंत्र और सरकारी खजाने का खुलकर "मिस यूज़" तक किया।
- कांग्रेस के काल में राजस्थान की जनता ने गहलोत की व्यक्तिवादी राजनीति का कष्ट भोगा है। सत्ता का नियंत्रण अपने हाथ में रखने के लिए उन्होंने मंत्रियों, विधायकों को खुश करने का मंत्र अपनाया।
- उनके इसी मंत्र ने मंत्रियों व विधायकों को अपने-अपने क्षेत्र का सर्वे सर्वा बना दिया, यहां तक कि, समूचा प्रशासनिक तंत्र इनके कदमों में जा बैठा।
- अब जब सरकार बदल गई तब स्थिति यह है कि, नई सरकार ऐसे अधिकारी व कर्मचारी तक नहीं ढूंढ पा रही है, जो ईमानदारी से अपने काम को करें, खासकर पुलिस विभाग में।
- यही कारण है कि, पेपरलीक, अवैध किडनी ट्रांसप्लान्ट जैसे मामलों में आधी-अधूरी जांच की जा रही है, जो कदापि कोर्ट में नहीं टिकेगी।

तो, इन अफसरों की अपनी टीम नहीं बन पा रही, जो जमीन पर सच्ची तफ्तीश कर सके, साक्ष्य इकट्ठे कर सके और ऐसा वॉटरटाइट केस तैयार कर सके, जो न्यायालय की "कानूनी" स्क्रूटनी सहकर, "क्रिमिनल" को सजा दिलवा सके। यही कारण है कि, पेपरलीक प्रकरण, किडनी ट्रांसप्लान्ट जैसे संगीन अपराधों में भी, लग रहा है कि, ठोस काम नहीं हो रहा, बल्कि, "नीजर्क" निर्णय हो रहे हैं, जिनका आधार कोई ठोस साक्ष्य नहीं, जो कि गहरायी से की गयी तफ्तीश से प्राप्त किये गये हों। ऐसे मामले व चार्जशीट न्यायालय तुरंत ही बिना बहस के उठाकर कोर्ट के बाहर फैंक देगा।

सामान्य तौर पर ठीक-ठाक से पुलिस विभाग को विधायक व उन पर आश्रित "क्रिमिनल्स" की मर्जी पर छोड़ कर पुलिस का मनोबल तो टूटा ही, उसके पुनः स्वस्थ होने में कई दशक लगेंगे। जब विभाग को खोखला करने की प्रक्रिया चल रही थी, अशोक गहलोत के शासन में, उस समय जनता से कुछ कराहने की आवाजें जरूर उठीं, पर, गहलोत उनकी अनदेखी इसलिये कर पाये क्योंकि, प्रशासन व सरकार व्यक्ति प्रधान, गहलोत प्रधान हो गया था, बाकी विधायक अपने हिस्से की लूट लेकर संतुष्ट थे।

यह हाल अगर पुलिस जैसे मजबूत, अनुशासित, युनिफॉर्म्ड संगठन का हुआ तो, छोटे-मोटे जिला स्तर के अन्य विभाग, जैसे एक्साइज़, फूड एण्ड सिविल सप्लायी, स्वास्थ्य, लोकल सैल्फ गवर्नमेंट (निगर निगम आदि) का क्या हुआ, इसकी कल्पना ही दुखदायी है। टेलीफोन टैपिंग आम बात हो गयी और इस प्रक्रिया को, भारी सोच लगाकर इतना "परफेक्ट" बना लिया गया कि, उसे उजागर करने के लिये, जो कड़ी मेहनत करनी पड़े, वैसी मेहनत करने के लिये सरकारी कर्मचारी में मनोबल ही नहीं रह गया।

क्या यह मनोबल टूटना और जांच एजेंसियों का निरीह हालत में आ जाना, मु.मंत्री गहलोत की सोची-समझी दूरगामी नीति के तहत किया गया, जिससे नयी सरकार अपने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केजरीवाल ने मैडिकल टैस्ट के लिए जमानत अवधि बढ़ाने की मांग की

नई दिल्ली, 27 मई (वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक याचिका दायर कर अपने स्वास्थ्य की जांच के लिए अपनी अंतरिम जमानत अवधि एक जून से सात दिन आगे बढ़ाने

- दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत दी थी, जो 2 जून को खत्म हो रही है, वे इसमें 7 दिन का विस्तार मांग रहे हैं।

की गुहार लगाई है।

दिल्ली अबकारी नीति से संबंधित धनशोधन के एक मामले के आरोपी केजरीवाल ने अपनी याचिका में दावा किया है कि गिरफ्तारी के बाद उनका वजन सात किलोग्राम कम हो गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

मुझे कोई पछतावा नहीं क्योंकि मैंने किसी का बुरा नहीं किया। –महात्मा गाँधी

चुनाव आयोग का रवैया आश्चर्यजनक है

प्रत्येक खेल में अंपायर या रेफरी होता है। इसका मुख्य कार्य यह सुनिश्चित करना होता है कि खेल, नियमानुसार खेला जा रहा है एवं कोई भी दल या खिलाड़ी फाउल नहीं कर रहा है। फाउल होने पर चेतावनी दी जाती है एवं उसके बाद भी दोबारा ऐसा होने पर उसे खेल से बाहर तक कर दिया जाता है। लोकतंत्र का उत्सव, चुनाव भी एक प्रकार से खेल ही है, जिसके लिए नियम का उल्लेख आदर्श आचार संहिता में किया गया है। यहां पर रेफरी की भूमिका, चुनाव आयोग के द्वारा निभाई जाती है। उससे यह अपेक्षा रहती है कि वह पूर्ण निष्पक्षता के साथ, खेल के नियम के अनुसार चुनाव को संपन्न कराए और जो दल अथवा उम्मीदवार अधिक मत प्राप्त करे, उसे विजेता घोषित किया जाए। हाल ही में लोकसभा के जो चुनाव हो रहे हैं, उनमें ऐसा लगता है कि चुनाव आयोग रेफरी की भूमिका छोड़कर स्वयं एक टीम के खिलाड़ी के रूप में खेलने लग गया है। इसका अर्थ यह हुआ कि किसी एक दल के द्वारा नियम तोड़ने पर नज़रअंदाज किया जाए एवं दूसरे के प्रति अलग दृष्टि से कड़ी कार्रवाई की जाए। नियमों की पालना करने में चुनाव आयोग असक्षम सिद्ध हुआ है। उसकी यह निष्क्रियता और अक्षमता, चुनाव के स्वतंत्र और निष्पक्ष होने पर संदेह उत्पन्न करते हैं। जब चुनाव का आधार ही दोषपूर्ण होगा तो उसमें विजेता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

लोकसभा चुनाव के दौरान चुनाव आयोग के पक्षपात पूर्ण रवैये और निष्क्रियता को ध्यान में रखते हुए ही स्वैच्छिक संगठन ए डी आर और कॉमन कॉज द्वारा सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी। इसके द्वारा यह मांग की गई थी कि चुनाव आयोग को निर्देश दिए जाएं कि वह मतदान होने के बाद बूथ वार आंकड़े जारी करे, जिससे यह पता लग सके कि किस मतदान केंद्र पर कितने मतदाता पंजीकृत थे एवं उनमें से कितनों ने मतदान किया? इस याचिका पर दिनांक 24 मई, 2024 को उच्चतम न्यायालय की दो सदस्य खंडपीठ ने कोई निर्णय नहीं दिया और इसकी अगली तारीख जुलाई में दे दी।

माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा कोई निर्णय नहीं दिए जाने के बावजूद चुनाव आयोग की निष्क्रियता एवं पक्षपातपूर्ण रवैये पर चर्चा और विश्लेषण करने की आवश्यकता है ।

भारतीय निर्वाचन आयोग, जिसे अधिकतर चुनाव आयोग के रूप में संबोधित किया जाता है, एक प्रमुख संवैधानिक संस्था है, जिसके ऊपर यह जिम्मेदारी है कि लोकसभा/ विधानसभा के चुनाव निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराए। 1952 से लेकर अब तक कमोबेश चुनाव आयोग पर बहुत अधिक पक्षपात के आरोप नहीं लगे हैं, किंतु वर्तमान चुनाव आयोग, इस लोकसभा चुनाव में जिस प्रकार का कार्य और व्यवहार कर रहा है, उसने अपनी स्थिति को हास्यास्पद बना दिया है। चुनाव आयोग को एक प्रकार से भारत सरकार के अधीनस्थ विभाग की हैसियत का बना कर रख दिया है। ऐसा कहने का आधार निम्न विवरण से स्पष्ट हो जाएगा।

भारत के चुनाव में शुचिता और गरिमा बनाए रखने की दृष्टि से सभी राजनीतिक दलों की सहमति से आदर्श आचार संहिता या मॉडल कोड आफ कंडक्ट चुनाव आयोग द्वारा बनाया गया था । इसमें चुनाव संबंधी विभिन्न पहलुओं का जिक्र किया गया है। इसमें विशेषकर इस बात का उल्लेख है कि कोई भी दल या उसका प्रतिनिधि ऐसी कोई बात नहीं करेगा जिससे जाति, धर्म या समुदायों के मध्य किसी प्रकार का वैमनस्य या कटुता उत्पन्न हो। सरल भाषा में कहें तो यह कि धर्म के नाम पर कोई वोट नहीं मांगेगा एवं न किसी धर्म के प्रति घृणा का भाव उत्पन्न किया जाएगा।

चुनाव से पूर्व, मुख्य चुनाव आयुक्त ने प्रेस वार्ता में देशवासियों को आश्वस्त किया था कि जो कोई भी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करेगा उसके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी, चाहे वह कितने ही ऊंचे पद पर क्यों न हो। खेद की बात है कि चुनाव आयोग ने अपना वादा नहीं निभाया।

चुनाव में प्रथम चरण के प्रारंभ से ही सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने आदर्श चुनाव संहिता में उल्लिखित सभी मर्यादाओं का उल्लंघन करते हुए धार्मिक भावनाओं के आधार पर मत प्राप्त करने का प्रयास किया। प्रधानमंत्री मोदी भी इससे नहीं चूके। उन्होंने खुलेआम सार्वजनिक मंच से यह कहा कि यदि इंडिया एलाइंस सत्ता में आता है तो वे हिंदू महिलाओं के मंगलसूत्र छीन लेंगे और उनकी संपत्ति लेकर उन व्यक्तियों को दे दी जाएगी जो घुसपैठिए हैं एवं जिनके बहुत अधिक बच्चे हैं। उनका संकेत स्पष्ट रूप से मुसलमानों के बारे में था। इसका उद्देश्य ध्रुवीकरण करके अधिकाधिक वोट प्राप्त करना था। यह स्पष्ट रूप से मॉडल कोड आफ कंडक्ट की अवहेलना थी। इसकी शिकायत भी विस्तार से काँग्रेस और इंडिया गठबंधन के नेताओं ने चुनाव आयोग में की, किंतु इस बारे में प्रधानमंत्री को किसी प्रकार का कोई नोटिस तक जारी नहीं किया गया। परिणामस्वरूप, उनके द्वारा इसके बाद भी अनेक बार ऐसे वक्तव्य, साक्षात्कार और सार्वजनिक मंचों पर प्रचार के दौरान दिए जाते रहे, जो धार्मिक संप्रदायों के बीच में उन्माद फैलाने का काम करें। चुनाव आयोग ने केवल भाजपा एवं कांग्रेस के अध्यक्षों को यह लिखकर अपने कत्तर्व्य की इतिश्री कर ली कि वे अपने स्टार प्रचारकों को मॉडल कोड आफ कंडक्ट का पालन करने के लिए कहें । चुनाव आयोग से यह अपेक्षा थी कि वह नफरत फैलाने वाले भाषणों के लिए नामजद नोटिस जारी करता एवं कड़ी कार्रवाई करते हुए कम से कम कुछ समय के लिए उन पर प्रचार करने पर प्रतिबंध लगाता। चुनाव आयोग द्वारा ऐसा कुछ नहीं किया गया। इससे उसकी साख कम हुई है।

यदि चुनाव आयोग बूथ वार आंकड़े नहीं भी फिलहाल जारी करना चाहे तो उसे एक संसदीय क्षेत्र में आने वाले विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं एवं मताधिकार का प्रयोग करने वाले व्यक्तियों की संख्या के आंकड़े तो तत्काल ही जारी कर देना चाहिए ताकि मतगणना के बाद इन आंकड़ों में किसी प्रकार की हेरा फेरी की संभावना पर रोक लगाई जा सके।

उच्चतम न्यायालय ने सुझाव दिया था कि चुनाव आयुक्तों के चयन के लिए एक समिति बनाई जाए जिसमें प्रधानमंत्री, मुख्य न्यायाधीश एवं विपक्षी दल के नेता सम्मिलित हों। ऐसा नहीं किया गया। सरकार ने संसद के माध्यम से कानून पारित करा के एक समिति गठित कर दी जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री की थी और सदस्यों के रूप में कानून मंत्री और विपक्ष के नेता को शामिल किया गया। यह अलग बात है कि अब तक सभी चुनाव आयुक्त सरकार द्वारा ही नियुक्त किए जाते रहे किंतु एक बार संवैधानिक पद पर बैठ जाने के बाद उन्होंने सत्ताधारी दल की परवाह नहीं की। सामान्यतया, चुनाव आयोग पर इस प्रकार के गंभीर आरोप पहले कभी नहीं लगे। चुनाव आयोग की साख टी एन शेषन के समय चरम पर थी। सभी दल उनके नाम से ही डरने लगे थे। उनके बाद आने वाले चुनाव आयुक्तों ने भी चुनाव आयोग की साख को कमोबेश बनाए रखा है। कभी कभार, शिथिलता के मामले सामने आए किंतु वर्तमान चुनाव आयोग ने जिस प्रकार का समर्पण सरकार के समक्ष किया है, वह आश्चर्यजनक है। यह उल्लेखनीय है कि चुनाव आयुक्त बनने के बाद सरकार हटा नहीं सकती है और हटाने की प्रक्रिया वही है जो सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को हटाने के लिए है अर्थात महाभियोग के द्वारा ही उन्हें हटाया जा सकता है। यह प्रावधान उनकी स्वतंत्रता और निष्पक्षता को सुनिश्चित करने के लिए ही था।

दूसरा मामला चुनाव आयोग के समर्पण का तब सामने आया जब प्रथम चरण के चुनाव जो कि 19 अप्रैल को हुए, उसके मतदान के आंकड़ों का प्रतिशत 11 दिन बाद 30 अप्रैल को जारी किया गया। आश्चर्य यह है कि चुनाव आयोग ने केवल संसदीय क्षेत्र के मतदान का प्रतिशत ही जारी किया और मतदान करने वालों की संख्या नहीं बताई। चुनाव आयोग को चाहिए था कि वह बूथ वार मतदाताओं की कुल संख्या और मत देने वालों की वास्तविक संख्या सार्वजनिक करता। बार-बार विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव आयोग को इस संबंध में ज्ञापन भी दिए गए। ऐसा न करके, चुनाव आयोग एक प्रकार से सरकार की इच्छानुकूल कार्य कर रहा है। चुनाव आयोग का इस बात पर अड़े रहने से कि वह आंकड़े जारी नहीं करेगा, इन आशंकाओं को बल मिल रहा है कि मतगणना के समय मतदाताओं की संख्या में बहुत बड़ा बदलाव तो नहीं हो जाएगा? पाठकों को यह जानना चाहिए कि एक बार परिणाम घोषित होने पर, उसमें कोई भी परिवर्तन चुनाव याचिका के माध्यम से ही उच्चतम न्यायालय द्वारा किया जा सकता है। इस प्रक्रिया में इतना समय लगता है कि कई बार तो निर्वाचित प्रतिनिधि का कार्यकाल ही पूरा हो जाता है। यह आश्चर्य की बात है कि जब चुनाव आयोग प्रतिशत बता सकता है तो संख्या क्यों नहीं बता सकता? प्रतिशत भी तो तभी ज्ञात किया जा सकता है जब कुल मतदाताओं की संख्या एवं मताधिकार का प्रयोग करने वाले व्यक्तियों की संख्या की जानकारी उपलब्ध हो। बूथ वार आंकड़े निर्वाचन अधिकारी के पास मतदान के दिन ही रात्रि तक पहुंच जाते हैं (या दूरस्थ, दुर्गम क्षेत्रों से अगले दिन), तो फिर इन्हें चुनाव आयोग को अपनी वेबसाइट पर डाल देने में क्या आपत्ति है? उच्चतम न्यायालय में चुनाव आयोग द्वारा शपथ पत्र दाखिल कर, बूथ वार आंकड़े जारी न करने हेतु जो तर्क दिए गए, वे बिल्कुल बेतुके और हास्यास्पद हैं। ये आंकड़े जारी करने से कैसे किसी प्रकार के छेड़छाड़ की संभावना है, यह समझ में नहीं आता। जो सूचना, हस्ताक्षर करके पीठासीन अधिकारी द्वारा सभी राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों को दे दी गई, उसे वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से प्रकाशित करने में भला चुनाव आयोग को क्या आपत्ति हो सकती है? चुनाव आयोग की यह हठधर्मिता केवल आयोग की अपारदर्शी प्रवृत्ति को ही दर्शाता है और इससे चुनाव की पवित्रता पर भी प्रश्नचिन्ह लगता है।

यदि चुनाव आयोग बूथ वार आंकड़े नहीं भी फिलहाल जारी करना चाहे तो उसे एक संसदीय क्षेत्र में आने वाले विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं एवं मताधिकार का प्रयोग करने वाले व्यक्तियों की संख्या के आंकड़े तो तत्काल ही जारी कर देना चाहिए ताकि मतगणना के बाद इन आंकड़ों में किसी प्रकार की हेरा फेरी की संभावना पर रोक लगाई जा सके। यह केवल कुतर्क ही है कि चुनाव आयोग ऐसा करने के लिए कानून के अनुसार बाध्य नहीं है।

सामान्यतया प्रत्येक चरण के बाद चुनाव आयोग के अधिकारियों द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस की जाती है जिसमें चुनाव संबंधी आंकड़े जारी किए जाते हैं एवं उनसे संबंधित विभिन्न प्रश्नों के उत्तर देकर देशवासियों को संतुष्ट करने का प्रयास किया जाता है। इस चुनाव आयोग ने मतदान प्रारंभ होने के पश्चात एक भी बार प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की । संभव है उन्हें अपनी कमजोरी का आभास हो गया है कि वे किसी भी प्रकार के प्रश्नों का सामना करने में सक्षम और समर्थ नहीं हैं। शायद ऐसा करके उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी का ही अनुसरण किया है जिन्होंने प्रधानमंत्री बनने के बाद एक भी प्रेस वार्ता आयोजित नहीं की। क्या चुनाव आयोग भी प्रधानमंत्री की इसी परंपरा को आगे बढ़ाने का काम कर रहा है? इस बारे में पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी ने बहुत स्पष्ट रूप से यह कहा है कि वर्तमान चुनाव आयोग रीढ़ विहीन हो चुका है। उन्होंने निष्पक्ष और पारदर्शी होने का कोई सबूत नहीं दिया है। उनके अनुसार भी बूथ वार आंकड़े प्रकाशित न करना एकदम गलत है। यह जानने का अधिकार देशवासियों को है। चुनाव आयोग में थोड़ी बहुत भी नैतिकता और निष्पक्षता बची है तो उसे अब भी कानून की आड़ लेने के बजाय आंकड़े जारी कर देने चाहिए।

कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि चुनाव आयोग का रवैया इस लोक सभा चुनाव के दौरान प्रत्येक दृष्टि से आश्चर्यजनक रहा है। अभी तक चुनाव आयोग द्वारा इस का कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है कि पहले चरण के मतदान प्रतिशत की सूचना सार्वजनिक करने में 11 दिन क्यों लगे, जबकि बाद के चरणों में ऐसा 3-4 दिन में ही कर दिया गया?

नागरिक संगठनों के दबाव और अधिक बदनामी से बचने के लिए अंततः चुनाव आयोग को संसदीय क्षेत्र वार मतदाताओं की संख्या के आंकड़े 25 मई को जारी करने हेतु बाध्य होना हो पड़ा ।

सत्यमेव जयते !

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

कौन बालिग और कौन नाबालिग, शरीर विज्ञान (दैहिक क्रिया) के क्षेत्र को क्या कानून परिभाषित करेगा?

प्रो. वीर बहादुर सिंह

स्वतंत्रता के पूर्व देश रोता था अशिक्षित, मूढ़, अविवेकी बाहुल्य जनता के लिए। परन्तु उसके बाद तो शिक्षा में और विभिन्न क्षेत्रों में विकसित अनुसन्धान और नवीनतम उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशालाओं के फलस्वरूप बहुत कुछ जानकारी लगभग प्रत्येक क्षेत्र में अब सुलभ है। जीव विज्ञान व् दैहिक क्रिया विज्ञान में तो देश का सम्पूर्ण मेडिकल शास्त्र विकसित हो चुका है। ऐसे में देश का न्याय तंत्र यदि इस जानकारी को नज़रअंदाज कर किन्ही राजनैतिक अथवा अन्य कारणों से व्यस्क और अवयस्क की परिभाषा न्याय देने के समय ठीक से करने में अशक्षम हो तो फिर हमारी कानून की पढ़ाई ही दोषपूर्ण कही जाएगी।

बात और संधर्व है दो तथाकतिथ नौजवानों ने अपनी कार द्वारा टक्कर से पूना के पास दो लोगों की हत्या कर देना और फिर देश के लचर क़ानून और बिकाऊ जजों की दो हत्याओं को दरकिनार करते हुए अभियुक्तों को जमानत पर रिहा कर देना, इस आधार पर कि अभियुक्त अभी नाबालिग हैं क्योंकि उनकी आयु अपराध के समय 18 वर्ष से कुछ महीने कम है इसलिए कानूनन वे सजा के तौर पर जेल की जगह बाल सुधार ग्रह में रहकर वाहन/सड़क दुर्घटनाओं पर निबंध लिख कर न्यायलय को पेश करें। वाह! मेरे देश के कर्णधारों मैं आपके ऊपर और आपको दिए गए संस्कारों पर बलिहारी जाऊं।

बालिग अथवा नाबालिग की परिभाषा का आयु से कोई सम्बन्ध नहीं, यह पूर्ण रूप से दैहिकी अथवा फिजियोलॉजी का विषय है। अमूमन जब व्यक्ति जनन करने योग्य हो जाता है तो उसे व्यस्क मान लिया जाता है। इसका आशय बालिग व नाबालिग होना व्यक्ति की उस आयु पर निर्भर करता है जब वह अपनी प्रतिकृति उत्पन्न करने में सक्षम हो अर्थात वह आयु जब लैंगिक दृष्टि से नर प्राणी शुक्राणु पैदा करने लगे जिनसे समागम के बाद मादा में बच्चा बनता है।

पुरुष के वृद्धि काल में एक समय ऐसा आता है जब व्यस्क होने की तरफ अग्रसर होने का प्रथम संकेत होता है। लेकिन इस समय उसे व्यस्क नहीं मान सकते। शनैः शनैः अंडकोष में मौजूद दो टेस्टिस (वृषण) सक्रिय होकर टेस्टोस्ट्रोन हॉर्मोन के प्रभाव से स्पर्म (शुक्राणु) का निर्माण आरम्भ करते हैं, यह हॉर्मोन मष्तिष्क में मौजूद पिट्यूटरी ग्रंथि के एक स्त्राव से उत्तेजित होकर स्त्रावित होता है। इस अवस्था में बालक को व्यस्क माना जा सकता है लेकिन निश्चित रूप से नही।

इस बेसिक जानकारी के पश्चात् फिर लौटते हैं मूल विषय यानि, वयस्क और अवयस्क पर। आजकल की प्रयोशालाओं में वीर्य का विश्लेषण करना दस मिनट का कार्य है। मैंने अपने छात्र जीवन में वर्ष 1960-64 के दौरान वीर्य परिक्षण स्वतः अनेक बार किया। माइक्रोस्कोप से मोटिलिटी (शुक्राणुओं की सक्रियता) का पता एक मिनट का जॉब है। इसलिए अब न्यायालयों में भी विज्ञान का सहारा लेकर निर्णय करना उचित होगा। खाद्य विश्लेषण प्रयोगशालाएं भी इस कार्य के लिए उपयोग में लाई जा सकती हैं। वहां उपस्तिथ उपकरण से ही वीर्य जांच भी कर सकते हैं। अतः मेरी क़ानूनविदों, सरकार, न्याय अधिकारिओं और जनता से अपेक्षा है कि सेक्स अथवा लिंग सम्बन्धी विषयों पर बालिग और नाबालिग का पक्ष निश्चित करते समय किसी अनुमोदित प्रयोगशाला में वीर्य जांच पर अधिक महत्व दें, न कि अशिक्षित अविवेकी क़ानून बनाने वालों पर। पूना प्रकरण में मेरा निश्चित मत है कि सत्रह साल का युवा पूर्ण व्यस्क हो चुका है। शासन सदैव शक्ति से चलता है। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार का बुलडोज़र तरीका अपराधिओं में खौफ पैदा कर चुका है। यह बात सब जानते हैं कि क़ानून की किसी किताब में यह तरीकवर्णित नहीं है। इसलिए सजा भीषण अपराधों में उदाहरणीय होनी ही चाहिए भले ही संसद इसके लिए क़ानून बनाने को विबश हो। जनप्रतिनिधि सदन में करते क्या हैं अपने मुखिया की हाँ में हाँ मिलाने के सिवाय। क्यों नहीं पुराने कानूनों को नियमावली से डिलीट किया जाय? और आवश्यक संशोधन अथवा नए क़ानून का समावेश सुनिश्चित हो। जाग्रत सदन सदैव सक्रिय रहकर कानूनों में आवश्यक संसोधन करता रहता है, दुर्भाग्य से हमारे देश में ऐसा नहीं किया जाता? पूना एक्सीडेंट केस में दो व्यक्तिओं की जान चली गयी लेकिन अपराध घटित करने वालों पर कोई शिकन नहीं।

इस केस में अपराधी सभी दृष्टिओं से परिपक्व और वालिग हैं। क़ानून में भले ही आप कुछ भी लिख लें परन्तु वैज्ञानिक दृष्टि से वे बालिग हो चुके हैं। अच्छे खाते-पीते संपन्न परिवार में वयस्कता अपेक्षकृत जल्दी आती है। 14 से 15 वर्ष में बालक बालिग हो जाता है। इस केस में अपराधिओं की वयस्कता उनके बाप की उंची पहुँच, राजनैतिक रशूक़, सीमा से अधिक सम्पन्नता का अहंकार अपराधिओं के व्यस्क होने की गवाही स्वतः दे रहा है और इनसे उपजे अहंकार ही उनके व्यस्क होने का पुख्ता प्रमाण भी है। इसलिए न्याय अधिकारिओं का यह सामाजिक दायुत्व है कि पीड़ित को न्याय अवश्य मिले और खासतौर से अपराधिओं के लिए वैज्ञानिक पद्धति से साक्ष्य जुटा कर उदाहरणीय सजा अवश्य मिले। इसी प्रकार योनि अपराधिओं को भी वैज्ञानिक आधार पर साक्ष्य जुटा कर बधियाकरण (वृषण निकाल कर) की सजा का प्रावधान कानूनन कर अपराधी को दण्डित किया जावे। ऐसी सजा से अपराधी के शरीर को कोई अन्यथा नुक्सान नहीं होता वह अपना शेष जीवन काम करते हुए जी सकता है। केवल संतान पैदा करने योग्य नहीं रहता। सजा देकर उसे घर भेजा जा सकता है। पूना एक्सीडेंट मामले में सजा में कोई शिथिलता नहीं बक्शी जानी चाहिए बल्कि सजा ऐसी कि दृष्टांत बने और अन्य समान अपराधों के लिए एक उदाहरण और निवारक साबित हो।

याद रहे यदि इसमें किसी भी प्रकार के अवांछनीय अवरोध या हस्तक्षेप की परणिति आपके किसी सगे-सम्बन्धी पर भविष्य में गुजर सकती है और उस समय आप केवल प्रायश्चित ही करेंगे कुछ और करने के काबिल नहीं रहेंगे।

–प्रो. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति एवं खाद्य विज्ञ,
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,
उदयपुर, राजस्थान।

डमी स्कूल: शिक्षा का विकृत रूप?

अशोक कुमार

डमी स्कूल, एक ऐसी अवधारणा जो शिक्षा प्रणाली में एक विकृत रूप के रूप में उभरी है। जहाँ छात्र ना तो नियमित रूप से स्कूल जाते हैं और ना ही उन्हें शिक्षाविषयक ज्ञान प्राप्त होता है। इन स्कूलों का मुख्य उद्देश्य छात्रों को प्रवेश परीक्षाओं, जैसे कि ठ, ऊ, ळइएए, आदि, की तैयारी कराना होता है।

डमी स्कूलों का उदय:

प्रवेश परीक्षाओं का दबाव: प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश के लिए कठिन प्रवेश परीक्षाओं ने छात्रों और अभिभावकों पर दबाव डाला है।

नियमित स्कूलों की कमी: गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने वाले नियमित स्कूलों की कमी ने डमी स्कूलों की ओर रुझान बढ़ाया है।

प्रतिस्पर्धात्मक माहौल: अत्यधिक प्रतिस्पर्धात्मक माहौल ने छात्रों को अपनी सफलता सुनिश्चित करने के लिए डमी स्कूलों का सहारा लेने के लिए प्रेरित किया है।

डमी स्कूलों के प्रभाव:

सकारात्मक प्रभाव:– प्रवेश परीक्षाओं में सफलता: डमी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए छात्रों को केंद्रित प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

समय प्रबंधन: प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए एक संरचित वातावरण और समय सारणी छात्रों को समय का कुशलतापूर्वक प्रबंधन करने में मदद करती है।

अनुशासन और एकाग्रता: डमी स्कूलों का सख्त माहौल छात्रों में अनुशासन और एकाग्रता विकसित करने में सहायक होता है।

नकारात्मक प्रभाव:– शैक्षिक मूल्यों का क्षरण: डमी स्कूलों का एकमात्र ध्यान प्रवेश परीक्षाओं पर केंद्रित होता है, जिसके परिणामस्वरूप छात्रों में समग्र शैक्षिक विकास बाधित होता है।

मानसिक तनाव: प्रवेश परीक्षाओं के अत्यधिक दबाव और प्रतिस्पर्धा के कारण छात्रों में मानसिक तनाव और चिंता की समस्याएं बढ़ सकती हैं।

सामाजिक बहिष्कार: डमी स्कूलों में छात्रों के पास सामाजिककरण और व्यक्तित्व विकास के लिए कम अवसर होते हैं, जिससे वे सामाजिक रूप से बहिष्कृत महसूस कर सकते हैं।

अनैतिक गतिविधियां: कुछ डमी स्कूल अनुचित साधनों और गैरकानूनी गतिविधियों का सहारा लेकर छात्रों को प्रवेश परीक्षाओं में सफलता दिलाने का दावा करते हैं।

निष्कर्ष:– डमी स्कूल शिक्षा प्रणाली में एक जटिल मुद्दा हैं। यद्यपि वे प्रवेश परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने में सहायक हो सकते हैं, लेकिन उनके नकारात्मक प्रभावों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। छात्रों और अभिभावकों को डमी स्कूलों में प्रवेश लेने से पहले उनके सभी पहलुओं पर सावधानीपूर्वक विचार करना चाहिए। शिक्षा प्रणाली में सुधार लाने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सभी के लिए सुलभ बनाने पर ध्यान केंद्रित करना ज़रूरी है ताकि डमी स्कूलों की आवश्यकता कम हो सके।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष, राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

चूरू में खाली मटके लेकर कलेक्ट्रेट पहुंची महिलायें

चूरू, (कासं)। शहर के वार्ड 60 के लोगों ने सोमवार को वार्ड में बिजली-पानी की समस्या को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान महिलायें खाली मटका लेकर कलेक्ट्रेट पहुंच गई।

ज्ञापन के माध्यम से वार्ड पार्षद

- **बिजली-पानी की समस्या को लेकर वार्ड 60 के लोगों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा**
- **ज्ञापन में बताया कि वार्ड में दो ट्यूबवेल बने हुए हैं, दोनों ही कई दिनों से खराब पड़े है**

चंद्रप्रकाश सैनी ने बताया कि वार्ड में दो ट्यूबवेल बने हुए हैं। दोनों ही कई दिनों से खराब पड़े हैं, जिसके कारण वार्ड के घरों में पानी की सप्लाई नहीं मिल रही है। इस संबंध में जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता के नाम अधिशाषी अभियंता को पत्र दिया गया था।

पानी की समस्या को लेकर महिलाये खाली मटके लेकर चूरू कलेक्ट्रेट पहुंची।

अधिशाषी अभियंता द्वारा जल्द उनके स्थान पर दो नए ट्यूबवेल सैंक्शन करवाने का आश्वासन दिया था, लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं की गई। वहीं बिजली की समस्या को लेकर भी जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया है। ज्ञापन में बताया कि वार्ड में वोल्टेज कम आते हैं, जिसके कारण कूलर पंखे नहीं चल पाते हैं। जिसके कारण वार्डवासियों को इस भीषण गर्मी में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

ज्ञापन देने वालों में प्रभु सैनी, सुमन, माया देवी, सुमित्रा, मीरा, मंजू, उमेश कुमार सैनी, राहुल, श्रवण कुमार शर्मा, नागरमल सेन, पवन कुमार, मंजू, रुक्मणी, विक्रम, गणेश, सुभाष प्रजापत, भवानी सिंह, रामचंद्र, कुशवाहा, राजूराम सांसी, अजय कुमार, भगवानदास स्वामी, संतोष, छोटी, सिया, सावित्री, परमेश्वरी सहित अनेक महिला-पुरुष उपस्थित थे।

बीकानेर में पारा 48 डिग्री पर पहुंचा

बीकानेर, (निसं)। गर्मी अपने प्रचंड स्वरूप में है। पारा 48 डिग्री पर पहुंच गया है। हर दिन इसकी तल्खी बढ़ती जा रही है। हवा लू के थपेड़ों में तबदील हो चुकी है। थपेड़े भी ऐसे, जो त्वचा झुलसाने में भी पीछे नहीं रह रहे। आंखों में जलन और पूरा चेहरा भभकता हुआ रहता है। घरों अथवा अपने नियत स्थान पर पहुंच रहा हर शख्स काफी देर तक प्रचंड गर्मी के प्रभाव से दूर नहीं हो पा रहा।

सुस्ती, मिचली आना और पानी की कमी होना जैसे लक्षण देखे जा रहे हैं। अभी जबकि नौतपा का तीसरा ही दिन निकला है। सूर्य देव के प्रचंड वार से बेहाल जनमानस और पशुपक्षी भी अंदाजा नहीं लगा पा रहे हैं कि इस बार अधिकतम पारा कहां जाकर टिकेगा। दोपहर में तो हालात विकट ही रहे। लू के अंगारों के सामने स्थिति बदहाल हो गई। साथ ही अधिकतम तापमान हर एक घंटे में एक साथ दो डिग्री बढ़ता गया। न्यूनतम तापमान भी अधिकतम के पदचिन्हों पर चलते-चलते अब तक का सबसे अधिक दर्ज किया गया। सुबह सूर्य निकलने के साथ ही गर्मी तथा लू ने असर दिखाना शुरू किया, तो रात तक भी राहत नहीं मिली।

राशिफल मंगलवार 28 मई, 2024

पंडित अनिल शर्मा

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र प्रातः 9:33 तक, ब्रह्म योग रात्रि 2:06 तक, तैतिल करण दिन 3:24 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मीन, बुध-मेष, गुरू-वृष, शुक्र-वृष, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज कुमार योग दिन 9:33 से आरम्भ होगा। महापात योग सांय 7:52 से रात्रि 1:20 तक रहेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:01 से 10:42 तक, लाभ-अमृत 10:42 से 2:05 तक, शुभ 3:47 से 5:28 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:38, सूर्यास्त 7:10

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

कन्या
व्यावसायिक अड़चनें अभी यथावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

तुला
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

धनु
आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। विवादित मामलों से राहत मिलेगी।

मकर
परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
घर-परिवार के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मीन
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

सार-समाचार

सत्यापन के लिए नया विकल्प

उदयपुर, 27 मई। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के लाभार्थी अब संबंधित पेंशन स्वीकृतकर्ता अधिकारी द्वारा ओटीपी के माध्यम से भी सत्यापन करवा सकंगे। वार्षिक सत्यापन करवाने के लिये वर्तमान में ई-मित्र केन्द्र अथवा ई-मित्र कियोस्क बायोमेट्रिक के माध्यम से, एंड्रॉयड मोबाइल एप फेस रिकॉग्निशन अथवा बायोमेट्रिक के माध्यम के साथ यह नया विकल्प उपलब्ध करा गया है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक गिरीश भटनागर ने बताया कि कुछ पेंशनर्स के अंगुलियों के निशान नहीं आने या उनका चेहरा आधार पोर्टल से सत्यापित नहीं हो रहा या उनके आधार के साथ मोबाइल नंबर नहीं जुड़ा होने से ओटीपी प्राप्त नहीं होने से वार्षिक सत्यापन का कार्य नहीं हो पा रहा था। इन समस्याओं के समाधान हेतु एक नया प्रावधान पेंशन स्वीकृतकर्ता अधिकारी को उपलब्ध कराया गया है जिसके अनुसार ऐसे पेंशन संबंधित पेंशन स्वीकृतकर्ता अधिकारी के कार्यालय में स्वयं के दस्तावेजों-पीपीओ, जनाधार, आधार आदि के साथ व्यक्तिश उपस्थित होकर अपना सत्यापन करवा सकते है। पेंशन स्वीकृतकर्ता अधिकारी के मोबाइल पर ओटीपी द्वारा एवं दस्तावेजों के आधार पर सत्यापन कर सकेंगे। समस्त सामाजिक सुरक्षा पेशनर्स जिन्होंने सत्यापन नहीं करवाया है वो पेंशन स्वीकृतकर्ता अधिकारी (ग्रामीण क्षेत्र में विकास अधिकारी एवं शहरी क्षेत्र में उपखंड अधिकारी) के कार्यालय में दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर अपना वार्षिक सत्यापन पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। सत्यापन के अभाव में आगामी माह से पेंशन भुगतान रुक सकता है।

मसाला मेला का किया अवलोकन

उदयपुर, 27 मई । मुख्य सचिव सुधांश पंत ने जयपुर स्थित जवाहर कला केंद्र में आयोजित राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला का अवलोकन किया। उन्होंने मेले में राजस्थान सहित अन्य राज्यों की ओर से लगाई स्टॉल्स पर पहुंचकर प्रदर्शित उत्पादों का जायजा लिया और सहकारिता विभाग और राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ के अधिकारियों की हौसला अफजाई की। मेले में उदयपुर सहकारी थोक भंडार की स्टॉल्स पर काफी देर रूककर उन्होंने गरम मसाले ड्राईफ्रूट, ओग्रेनिक उत्पाद, झाड़ोल की तुअर दाल, आंवला के विभिन्न उत्पाद, कोटाफार्मी गेहू, तानसेन चावल आदि उत्पादों की जानकारी ली और सराहना की। उदयपुर भंडार के एडिशनल रजिस्ट्रार आशुतोष भट्ट ने मेले में प्रदर्शित उत्पादों की गुणवत्ता के बारे में बताया और भण्डार की गतिविधियों एवं कार्यकलापों से अवगत करायमुख्य सचिव ने मेले में कॉनफेड, केरल, तमिलनाडु, पंजाब, तिलम संघ, जयपुर डेयरी, कोटा भंडार सहित विभिन्न स्टॉल्स का निरीक्षण किया और सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से बातचीत कर उत्पादों की जानकारी और मेले का फीडबैक लिया। श्री पंत ने विजिट के दौरान सहकार मसाला मेले की सराहना करते हुये आयोजन पर संतोष व्यक्त किया। सहकारिता विभाग और उपभोक्ता संघ के संयुक्त तत्वावधान में मेले का आयोजन 19 से 28 मई 2024 तक जवाहर कला केंद्र में किया जा रहा है।

चंगेडी तथा फतहनगर का किया दौरा

उदयपुर, 27 मई। भीषण गर्मी के दृष्टिगत मावली के उपखण्ड अधिकारी मनसुख राम डामोर ने उपखण्ड क्षेत्र के चंगेडी तथा फतहनगर का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उपखण्ड अधिकारी ने घरों में जाकर व्यक्तियों से पेयजल आपूर्ति के संबंध में जानकारी ली तथा पेयजल विभाग के अधिकारियों को फील्ड में रहकर पेयजल का प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करने तथा अवैध रूप से बूस्टर लगाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके बाद उपखण्ड अधिकारी ने सनवाड़ रीको एरीया के पेयजल विभाग के कुएं पर पहुंचे तथा ट्रेक्टर से पेयजल परिवहन किये जाने के रिकॉर्ड की जांच की तथा अधिकारियों को मॉनिटिरिंग के निर्देश प्रदान किये। साथ ही उपखण्ड क्षेत्र मावली में आगामी दिनों में पेयजल पर प्रभावी मॉनिटिरिंग को ध्यान में रखते हुए जल जीवन मिशन के समस्त कार्मिक की बैठक ली। बैठक में पेयजल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा आमजन की शिकायत आने पर तत्काल प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कनिष्ठ अभियंता फतहनगर एस.के. तांवर तथा जल जीवन मिशन के मानदेय कार्मिक उपस्थित रहे।

आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, 27 मई। गोगुन्दा थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान बाइक सवार को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक पिस्टमल मय दो जिंदा कारतूस जब्त किए। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निद्रेश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान गोगुंदा थानाधिकारी शैतानसिंह मय टीम ने मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर मोकेला से जसवंतगढ रोड़ पर संदिग्ध व्यक्ति होने की सूचना पर9 मौके पर पहुंच कर एक व्यक्ति को पकडा जिसने अपना नाम रूस्तम उर्फ लाला पुत्र मो. हुसैन उर्फ पप्पु निवासी बासलीया ईसवाल बडगांव होना बताया। जिसकी तलाशी ली तो उसके पास एक देशी पिस्टल मय दो जिंदा कारतुस मिले। पूछताछ में संतोषप्रद जवाब नहीं देने पर हथियार जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। आरोपी रूस्तम खान उर्फ लाला पूर्व में भुताला निवासी शंकर सिंह राजपूत हत्याकाण्ड का मुख्य आरोपी है ।

बंद पड़े फव्वारे देख उखड़े उपमहापौर

उदयपुर, 27 मई।नगर निगम उप महापौर पारस सिंघवी सोमवार को प्रात: गुलाब के दौरे पर रहे जहां पर उन्होंने कई समय से बंद पड़े फव्वारे को देख गहरी नाराजगी व्यक्त की, साथ ही संबंधित ठेकेदार के भूलतान से 15 हजार रुपए काटने के निर्देश दिए।नगर निगम उप महापौर एवं स्वास्थ्य समिति अध्यक्ष पारस सिंघवी सोमवार प्रात: गुलाबबाग का आकस्मिक निरीक्षण पर पहुंचे, जहां उन्हें संज्ञान में आया कि गुलाबबाग के फव्वारे कई दिनों से बंद पड़े हुए हैं। इस पर उन्होंने रोष जताते हुए संबंधित अधिकारी से चर्चा कर जानकारी प्राप्त की। जानकारी में आया कि ठेकेदार द्वारा लंबे समय से लापरवाई बरती जा रही है इस पर सिंघवी ने लहरवाही पूर्वक कार्य करने पर ठेकेदार की बिल राशि से 15 रुपए काट तुरंत फव्वारे ठीक करवाने के निर्देश दिए।

डॉ सक्का ने तैयार की सोने की तीन टी-20 वर्ल्ड कप ट्राफी

उदयपुर, 27 मई। भारत के हर क्रिकेट प्रेमी की दिली ख्वाहिश है कि वेस्टइंडीज व अमेरिका की मेजबानी में होने जा रहे 1 जून 2024 से आईसीसी टी 20 क्रिकेट वर्ल्डकप के आयोजित में सुपर टीम के रूप में भारत जीत दर्ज कर टी-20 ट्रॉफी हासिल हो जिसे पुरा विश्व देखे और डॉ. सक्का द्वारा निर्मित विश्व के सबसे हल्की वह छोटी सोने की तीनों ट्राफियां भारत में ही रहे। इसी सपने और जोश जुनून जज्बे के साथ उदयपुर के अंतराष्ट्रीय स्वर्ण शिल्पी विश्व रिकॉर्ड होल्डर डॉ. इकबाल सक्का ने सोने की चार मिलीमीटर साइज की तीन विश्व कप टी-20 प्रतिरूप तैयार के हैं जिनका वजन 0.500 मिलीग्राम सोने के हैं। कलाकृतियों को बनाने में 7 दिन का समय लगा, जिसमें विकेट बाल स्टैंड स्पष्ट लेंस की मदद से देखे जा सकते हैं। क्रिकेट मैदान में सजी मीना युक्त वर्ल्डकप विजेता टीम के देश को और दूसरी ट्रॉफी सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाडी व तीसरी ट्रॉफी सबसे अधिक विकेट लेने वाले खिलाडी को विश्व की सबसे छोटी ट्रॉफी भारत सरकार की तरफ से भेंट करना चाहते हैं इसके लिए सक्का ने देश के प्रधानमंत्री व खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं भारतीय क्रिकेट बोर्ड को पत्र लिखकर अवगत किया है।

Rajasthan Government
Office of Superintendent
Lt.Shri Khemraj Katara Govt. Satellite Hospital Hiran Magri Associated with RNT Medical College Udaipur.

Email ID-supt.sec6.udp@RAJASTHAN.GOV.IN
Ph. 02943500391/92
No/Accounts/tender/2024-25/798 Date:-27-05-2024

Notice Inviting Bid No.01/2024-24(Emergency Tender)

Bids for Equipments are invited from interested bidders upto Date 30-05-2024 Time:-10:30 Am other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan, gov. in /http://sppp.raj.nic. in) of the state.

UBN-MCU2425GSRL00001

Medical Superintendent
Lt.Shri Khemraj Katara Govt. Satelite Hospital Hiran Magri Udaipur.

संभागीय आयुक्त और कलेक्टर ने किया एमबी अस्पताल का निरीक्षण

भीषण गर्मी के मद्देनजर अस्पतालों में मरीजों के लिए बेहतर व्यवस्थाओं को लेकर सरकार और प्रशासन कटिबद्ध

- हॉस्पीटल में पेयजल, कुलिंग और सफाई व्यवस्था का लिया जायजा
- लू-तापाघात के संभावित मरीजों की चिकित्सा व्यवस्था की भी ली टोह
- हीटवेव के संभावित मरीजों के लिए मेडिकल इमरजेंसी में 10 तथा पीडियाट्रिक में 5 बेड आरक्षित कर रखे हैं

उदयपुर, 27 मई। भीषण गर्मी के मद्देनजर अस्पतालों में मरीजों के लिए बेहतर व्यवस्थाओं को लेकर सरकार और प्रशासन कटिबद्ध है। राज्य सरकार के निर्देश पर प्रशासन की ओर से अस्पतालों में आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की टोह ली जा रही है। इसी कड़ी में सोमवार को संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट और जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल ने महाराणा भूपाल अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण किया। साथ ही राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी के तहत प्रबंधन की बैठक लेते हुए मरीजों को हरसंभव राहत पहुंचाने के लिए पाबंद किया।

संभागीय आयुक्त भट्ट और जिला कलक्टर पोसवाल सोमवार सुबह करीब 11 बजे एमबी अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने एमबी अस्पताल मुख्य परिसर व आपातकालीन इकाई सहित जनाना अस्पताल व बाल चिकित्सालय का दौरा किया। उन्होंने प्रत्येक वार्ड में घूम कर निरीक्षण किया। वार्डों में पंखे-कूलर और एससी की व्यवस्थाएं देखी। मरीजों और परिजनों से संवाद किया। उन्होंने वार्डों में पेयजल व्यवस्था का भी जायजा लिया। अस्पताल प्रबंधन को मरीजों के लिए बेहतर से बेहतर व्यवस्थाएं रखने के निर्देश दिए। साथ ही हीटवेव के संभावित मरीजों को लेकर किए गए प्रबंधों की भी जानकारी ली।

संभागीय आयुक्त भट्ट ने अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा शुभ्रासिंह के निर्देश पर आरएमआरएस के तहत अस्पताल प्रबंधन की बैठक ली। इसमें अस्पतालों में पेयजल, बिजली, दवाओं आदि की व्यवस्था पर चर्चा की। एमबी अस्पताल के अधीक्षक डॉ आर एल सुमन ने बताया कि मरीजों की सुविधा के लिए अस्पताल परिसर में 180 एयरकंडीशनर और 203 कूलर लगा रखें हैं तथा सभी चालू कंडीशन में हैं। पेयजल की भी पर्याप्त व्यवस्था है, बिजली भी फिलहाल सुचारू है। हीटवेव के संभावित मरीजों के लिए मेडिकल इमरजेंसी में 10 तथा पीडियाट्रिक में 5 बेड आरक्षित कर रखे हैं तथा आवश्यकतानुसार तत्काल बढ़ा दिए जाएंगे। उपचार के लिए दवाइयों के जरूरी किट भी तैयार हैं। इसके अलावा परिजनों के बैठने के लिए पार्क में 30'30 का टेण्ट मय कारपेट लगवाया है तथा वहां पेयजल और कूलर की भी व्यवस्था की गई है। संभागीय आयुक्त ने अवगत कराया कि आचार संहिता के चलते नए प्रस्ताव नहीं लिए जा सकते, लेकिन उच्चाधिकारियों ने भीषण गर्मी के चलते चुनाव आयोग से विशेष अनुमति प्राप्त की है। आरएमआरएस के तहत मरीजों के लिए आवश्यक संसाधन क्रय करने की प्रक्रिया की जा सकती है। बैठक में अतिरिक्त प्राचार्य आरएनटी डॉ विजय मुखर्जी सहित सुपरस्पेशलिटी अस्पताल, जनाना अस्पताल, बाल चिकित्सालय, बड़ी चिकित्सालय, सेटेलाइट हॉस्पीटल अंबामाला व हिरण मगरी के प्रभारी अधिकारी उपस्थित रहे।

पंडित जवाहरलाल नेहरु जी की पुण्यतिथि मनाई

उदयपुर। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्नपंडित जवाहरलाल नेहरु की पुण्यतिथि सोमवार को उदयपुर देहात जिला कांग्रेस कार्यालय में मनाई गई उदयपुर देहात जिला कांग्रेस प्रवक्ता डॉ संजीव राजपुरोहित ने बताया कि विचार गोष्ठी में उदयपुर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी ताराचंद मीणा ने उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से कहा कि आज विश्व में हमारे देश का लोकतंत्र सबसे मजबूत है और वो पंडित जवाहरलाल नेहरु जी की ही देन है। 1947 मैं जब पंडित नेहरू जी के नेतृत्व में कांग्रेस की पहली सरकार बनी थी उस समय देश के हालात किसी से छुपे हुए नही थे।

उस समय आजाद भारत में एक सुई भी नहीं बनती थी। विकास की कोई योजना नही थी। ऐसे समय मे देश का विकास करना और लोकतंत्र को जिंदा रखने का काम पंडित नेहरू जी ने किया। देहात जिला कांग्रेस अध्यक्ष कचरू लाल चौधरी ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू नेएक दूरदर्शी राजनेता के रूप में देश में राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक भवन की नींव रखी। गोष्ठी में उदयपुर शहर के पूर्व विधायक त्रिलोक पूर्बिया, प्रदेश कांग्रेस सदस्य राम लाल गायरी, उदयपुर देहात जिला कांग्रेस महासचिव डॉ महेश त्रिपाठी, लक्ष्मीनारायण मेघवाल, भूपेंद्र चौहान, उदयपुर शहर जिला कांग्रेस महासचिव दिनेश दवे,दिनेश औदिच्य, उदयपुर देहात जिला कांग्रेस अन्य पिछडा वर्ग अध्यक्ष कमलेश पटेल, लोकेश मीणा भी उपस्थित रहे।

लेकसिटी 45 डिग्री पार, कई सालों बाद गर्मी का ऐसा 'टेरेर'

- उदयपुर में अप्रेल में जो तापमान दिन का रहता है वह इन दिनों रात का
- रिकॉर्ड तोड़ गर्मी तापमान पहुंचा 45.4 डिग्री पर, चौराहों पर लगे टेंट
- चार से पांच दिन रहेगी अभी गर्मी, नौ तपा पूरी तरह से तपा रहा
- मौसम में बदलाव के संकेत आगामी पांच दिनों बाद 2 जून तक संभव होगा।

उदयपुर, 27 मई। लेकसिटी के मौसम में इतनी गर्माहट कई सालों बाद दिखाई दी है। अमूमन गर्मी में तापमान 44 डिग्री तक जाता है लेकिन इस बार हीट वेव ने गर्मी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए है। कई सालों बाद शहर का तापमान 45 डिग्री से ऊपर रिकॉर्ड किया गया। गर्मी की गर्माहट का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अमूमन उदयपुर शहर अप्रेल माह में जो तापमान दिन में रहता है उतना तापमान तो रात में दर्ज किया जा रहा है। फिलहाल, नौ तपा का यह तीसरा दिन है ऐसे में गर्मी का रोद्र रूप अभी जारी रहेगा।

लेकसिटी में सोमवार का शहर का अधिकतम तापमान 45.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है। इस गर्मी के सीजन का सबसे गर्म दिन होने के साथ ही गर्मी नए रिकॉर्ड बना रही है। शहर का अधिकतम तापमान अममून पूरे समर सीजन में 44 डिग्री से अधिक नहीं जाता है लेकिन इस बार आठ से दस साल बाद यह तापमान 45 डिग्री को पार कर गया। न्यूनतम तापमान की बात करें तो रातों में भी गर्माहट इतनी दिखाई दे रही है कि अमूमन अप्रेल में शहर का दिन का तापमान 30 से 32 डिग्रीं रहता है वहीं इन दिनों रात का पारा है। हीट वेव से बढ़ी गर्मी के साथ ही पूरा सप्ताह भीषण गर्मी की चपेट में रहा है। बीते छह दिनों से तापमान 43 डिग्री से ऊपर रिकॉर्ड किया जा रहा है।

गत मंगलवार 21 मई को तापमान 43 डिग्री को छू गया था। 23 मई को और गर्माहट के साथ यह 44.2 डिग्री पर चला गया और आंशिक कमी के साथ ही यह 44 डिग्री के इर्द-गिर्द ही घूमता रहा। आज अधिकतम तापमान में डेढ डिग्री की बढोतरी हुई है वहीं रात के तापमान में भी इतनी ही वृद्धि के साथ यह 28.6 डिग्री से 30 डिग्री पर जा पहुंचा।

इधर, भीषण गर्मी को देखते हुए शहर के चौराहों पर वाहनधारियों के लिए टेंट लगाए गए है ताकि रेड लाइट के समय रूकने वाले वाहनधारियों को गर्मी में हल्की राहत महसूस हो सके। नौ तपा इस बार प्रदेश व शहर का पूरी तरह से तपा रहा है। ऐसे में मौसम में बदलाव के संकेत आगामी पांच दिनों बाद 2 जून तक संभव होगा।

मैग्नस अस्पताल के विरुद्ध सर्वसमाज का प्रदर्शन

उदयपुर,27 मई । मैग्नस अस्पताल की लापरवाही से एक बच्चे की आंखों की रौशनी चले जाने और प्रशासन द्वारा अब तक कोई कार्यवाही नहीं करने से आक्रोशित सर्व समाज ने सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर कलक्टर को ज्ञापन देते हुए अस्पताल के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की पीड़ित बच्चे के पिता एडवोकेट योगेश जोशी ने बताया कि दो माह पहले इस संबंध में पहले पुलिस अधीक्षक को रिपोर्ट दी, एसपी ने कमेटी बना कार्रवाई का आश्वासन दिया था लेकिन सुखेर थानाधिकारी हिमांशुसिंह राजावत के पास कई बार जाने के बाद भी अभी तक कार्रवाई नहीं की गई। इसी से क्षुब्ध होकर सोमवार को योगेश जोशी के समर्थन में सर्वसमाज जनों ने कलेक्ट्री पर प्रदर्शन करते हुए मैग्नेस हॉस्पीटल के विरूद्ध कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन देने वालों में बार जनरल सेकेट्री योगेश शर्मा, मयूरध्वज सिंह, पंकज तंबोली, भरत जोशी, धीरज माली, अजय आचार्य, अभिषेक कोठारी, अविनाश चंदेला, भावेश जैन, अनिल धाभाई मौजूद रहे। ज्ञापन देने के बाद आक्रोशित वकील मैग्नेस हॉस्पीटल भी पहुंचे और दोषी चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई व हॉस्पीटल पर लापरवाही का आरोप लगाते हंगामा किया। हॉस्पीटल परिसर में हंगामा को देख मौके पर संबंधित थाना पुलिस भी पहुंची।

चुंडावत ने प्राप्त किए 100 में से सौ अंक

उदयपुर,27 मई। उदयपुर के चंद्रपाल सिंह चुंडावत अपने बीसीसीआई के नेशनल क्रिकेट एकेडमी द्वारा आयोजित ओ लेवल क्रिकेट कोचिंग परीक्षा में से 100 में से 100० अंक प्राप्त कर उदयपुर शहर का नाम रोशन किया है। उदयपुर जिला क्रिकेट संघ के प्रवक्ता आर. चंद्र ने बताया कि झीलों की नगरी उदयपुर के रणजी ट्रॉफी खिलाडी चंद्रपाल सिंह चुंडावत ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के नेशनल क्रिकेट एकेडमी द्वारा आयोजित क्रिकेट कोचिंग परीक्षा में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों में से श्रेष्ठ प्रदर्शन कर 10०प्रतिशत अंक प्राप्त कर ओ लेवल एग्जाम में प्रथम स्थान प्राप्त कर लेवल वन के लिए योग्यता हासिल की है। जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष मनोज भटनागर,सचिव महेंद्र शर्मा सहित सभी पदाधिकारी एवं खिलाडियों ने चंद्रपाल को बधाई देते हुए उनके शुभकामनाएं प्रेषित की । उल्लेखनीय है कि चंद्रपाल का पूर्व नेशनल क्रिकेट अकादमी बैटिंग में भी चयन हुआ है, वह राजस्थान के लिए अंडर-15,अंडर-17,अंडर-19 रणजी ट्रॉफी तथा मुश्ताक अली ट्रॉफी आदि प्रतियोगिताओं में राजस्थान का प्रतिनिधित्व भी किया है।

वृद्धा के गले से मंगलसूत्र चोरी

उदयपुर, 27 मई। सिटी बस में सवार वृद्धा के गले से अज्ञात चोर मंगल सूत्र चुरा ले गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित सुखलाल पुत्र पन्नालाल लोढा निवासी गायत्री नगर हिरणमगरी सेक्टर 13 ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि मेरी पत्नी सुशीला (75) गत 5 जनवरी 2024 को चेतक सर्कल से सिटी बस में बैठ घर आने के लिए रवाना हुई। जहां घर पहुंचने पर गले में मंगल सूत्र नहीं होने पर तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं लगा।

यदि आप

उप पंजीयक हैं	म्युच्वल फंड के ट्रस्टी या म्युच्वल फंड के मामलों के प्रबंधक हैं
सहकारी बैंक हैं	विदेशी मुद्रा डीलर हैं
पोस्ट मास्टर जनरल हैं	कंपनी जो लाभांश दे रही है
बांड, डिबेंचर या शेयर जारीकर्ता हैं	कंपनी जो अपने शेयर वापस खरीद रही है
बैंकिंग कंपनी हैं	वस्तु या सेवा आपूर्तिकर्ता हैं (जिनके खातों की आयकर अधिनियम 1961 की धारा 44AB के अंतर्गत लेखापरीक्षा अपेक्षित है)
एनबीएफसी हैं	
निधि है	

तो आपको

आयकर अधिनियम 1962 के नियम 114E के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान किसी तृतीय पक्ष (थर्ड पार्टी) के साथ किए गए लेन देन के लिए फॉर्म संख्या 61A में विनिर्दिष्ट वित्तीय संव्यवहार (एस.एफ.टी.) का विवरण जमा करना आवश्यक है।

पंजीकरण तथा जमा करने के लिए

https://report.insight.gov.in पर जाएं।

पोस्ट ऑफिस और उप पंजीयक अपने विवरण को TIN सुविधा केन्द्र पर जमा कर सकते हैं।

www.tin-nsdl.com पर विवरण उपलब्ध है।

CBC 15401/13/0001/2425

कृपया ध्यान दें

* एस.एफ.टी. दाखिल करने में देरी के लिए आप डिफॉल्ट अवधि में रू. 1000/- प्रतिदिन तक की शास्ति के लिए उत्तरदायी होंगे।
* दाखिल न करने या गलत विवरण दाखिल करने पर जुर्माना लगाया जा सकता है।

सहायता के लिए कृपया अपने राज्य/क्षेत्र के डीआईटी (आई एंड सीआई) से संपर्क करें। संपर्क विवरण https://incometaxindia.gov.in/Documents/departmental-directory.pdf पर उपलब्ध है

ई-ब्रोशर के लिए, क्यू आर कोड स्कैन करें

INCOME TAX DEPARTMENT

आयकर विभाग
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

अधिक जानकारी के लिए, कृपया https://report.insight.gov.in पर विजिट करें

@IncomeTaxIndia @IncomeTaxIndiaOfficial @IncomeTaxIndiaOfficial @Income Tax India @ Income Tax India Official

ट्रक में घुसी स्कॉर्पियो, परिवार के तीन जनों सहित चार की मौत

स्कॉर्पियो गाड़ी से खाटूश्यामजी व सालासर में धोक लगाकर वापस जा रहा था परिवार

सूरतगढ़, (निसं)। नेशनल हाइवे संख्या 62 पर श्री सीमेंट फैक्ट्री फांटे (उदयपुर) के पास आगे चल रहे ट्रक के पीछे से स्कॉर्पियो गाड़ी टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि स्कॉर्पियो गाड़ी चकनाचूर हो गई। हादसे में पांच वर्षीय बच्ची सहित चार जनों की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, गंभीर रूप से घायल एक महिला को आपातकालीन सेवा 108 की मदद से सूरतगढ़ के ट्रोमा सेंटर पर लाया गया। जहां चिकित्सक व नर्सिंग कर्मियों ने उसका प्राथमिक उपचार किया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने घायल महिला को श्रीगंगानगर रेफर कर दिया।

जानकारी के अनुसार घायल महिला छह माह की गर्भवती भी बताई जा रही है। वहीं, मृतकों के शवों को सूरतगढ़ सीएचसी की मोर्चरी में रखवाया गया है। हादसे की सूचना मिलने पर डीएसपी प्रतीक मील भी सीएचसी पहुंचे। वहीं, सभी मृतक

- **हादसा इतना भीषण था कि गाड़ी के आगे का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया**

श्रीगंगानगर के बताए जा रहे हैं तथा घटना की सूचना मिलने पर परिजन श्रीगंगानगर से रवाना हो गए। पुलिस के अनुसार श्रीगंगानगर के पुरानी आबादी निवासी लोकेश उर्फ लक्की (35) पुत्र बंशीलाल, उसकी पांच वर्षीय पुत्री व पत्नी तथा सेतिया कॉलोनी श्रीगंगानगर निवासी गगनदीप (36) पुत्र मदनलाल व उसकी पत्नी प्रोमिला (35) श्रीगंगानगर से स्कॉर्पियो गाड़ी में खाटूश्याम व सालासर में धोक लगाने के लिए रवाना हुए।

रविवार सुबह खाटूश्याम में धोक लगाने के बाद सभी लोग श्रीगंगानगर के लिए आ रहे थे। शाम करीब साढ़े छह बजे राजियासर निकलने के बाद उदयपुर गांव के फांटे के पास श्रीसीमेंट फैक्ट्री से सीमेंट से भरा ट्रक नेशनल हाइवे संख्या 62 पर तो पहुंचा तो उसके पीछे स्कॉपियो गाड़ी घुस गई। हादसा इतना भीषण था कि गाड़ी के आगे का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। मौके पर लोकेश (37), उसकी पत्नी अन्नू(35), सात वर्षीय पुत्री और गगनदीप की मौत हो गई।

बाइक को बचाने के चक्कर में कार पलटी, दो की मौत, पांच जने घायल

मध्यप्रदेश निवासी सात लोग कार से कोटा में बच्चे का एडमिशन कराने आ रहे थे

कोटा, (निसं)। नेशनल हाईवे-27 पर बारां से अंता के बीच में एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई है। एक कार रॉन्ग साईड जा रही बाइक को बचाने के चक्कर में दूसरी लेन में जाकर पलट गई। घटना में दो की मौत हो गई है, जबकि 5 लोग घायल हुए हैं। इनमें एक की हालत गंभीर बनी हुई है। सूचना मिलने पर बारां सदर थाना पुलिस पहले मौके पर पहुंची और घायलों को बारां अस्पताल में भर्ती कराया है।

बारां सदर थाना अधिकारी छुट्टन लाल मीणा ने बताया कि मध्यप्रदेश के गुना जिले के फतेहगढ़ थाना इलाके के कलोरा गांव निवासी सात लोग एक कार में सवार होकर कोटा जा रहे थे। यहां बच्चे का कोचिंग में एडमिशन

- **सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को बारां अस्पताल में भर्ती कराया**

करवाना था। नेशनल हाईवे पर बटावदा के बाद बिजोरा मोड़ के नजदीक एक रॉन्ग साईड आ रही बाईक को बचाने के चक्कर में कार अनियंत्रित हो गई और दो से तीन पलटी खाकर दूसरी लेन की तरफ जाकर पलट गई। सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंची और सभी घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां 55 वर्षीय केसरीलाल और 45 वर्षीय जगदीश ने बारां के निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया। उनके शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। वहीं, धर्मेंद्र, रामकुमार, खेरू सहित 5 लोग घायल हुए हैं जिसमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना की जानकारी मिलने पर मृतकों के परिजन भी बारां पहुंच गए। पुलिस ने मौके पर से दुर्घटनाग्रस्त कार को हटवाकर यातायात सुचारू करवाया है।

चूरू। शेखावाटी में सोमवार को भी झुलसा देने वाली लू चली। यहां सवेरे से ही सूर्य देवता ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए। दोपहर बारह बजे तक तो ऐसा लगने लगा था, मानो आसमान से आग बरस रही हो। चूरू के विभिन्न बाजारों में दोपहर को कोई चीड़ी भी दिखाई नहीं दी। अधिकांश दुकानदार तो कूलर आदि लगाकर सो गए। मौसम विभाग के अनुसार चूरू में सोमवार को अधिकतम तापमान 48.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 30.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। पिछले दिवस की तुलना में आज यहां अधिकतम तापमान 0.4 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। साथ ही न्यूनतम तापमान में भी 0.3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है।

चिकित्सा विभाग टीम ने तारानगर में सैंपल लिए

तारानगर, (निसं)। "शुद्ध आहार-मिलावट पर वार" अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा व चिकित्सा विभाग की टीम ने तारानगर में बस स्टैण्ड व मुख्य बाजार में गोलगप्पे, मिठाई की दुकान व मसालों की दुकान से नमूने लिए।

खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. सत्यनारायण प्रजापत ने बताया कि काफी दिनों से शिकायत आ रही थी कि गोलगप्पे के पानी में स्वाद बढ़ाने के लिए सेहत के लिए हानिकारक केमिकल मिलाये जा रहे हैं। इसके सत्यापन के लिए सोमवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी फूलसिंह बाजिया ने मय टीम के बस स्टेण्ड पर स्थित गोलगप्पे के ठेलों से, मिठाई की व मसाले की दुकानों से सैम्पल लिए। सभी सैम्पलों को जांच के लिए जयपुर खाद्य प्रयोगशाला में भेजा जाएगा। रिपोर्ट आने पर कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान व्यापारियों को खाद्य वस्तुओं को ढककर, स्वच्छ रखने

- **गोलगप्पे, मिठाई की दुकान व मसालों की दुकान से नमूने लिए**
- **डीएसपी मिनाक्षी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा टीम ने चलाया अभियान**

के लिए पाबंद किया गया तथा खाद्य लाइसेंस को प्रतिष्ठान में प्रदर्शित करने की हिदायत दी गई।

टीम के साथ डीएसपी मिनाक्षी स्वयं भी मय जाब्ता साथ रही। वहीं कार्रवाई की खबर मिलते ही बाजार मे हड़कंप मच गया व कुछ व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद कर दिये तथा कार्यवाही को रुकवाने के लिये कुछ रसुखदार व्यापारियों ने राजनितिक दवाब डलवाने की भी कोशिश की

ट्रेन से लापता कोचिंग छात्र मध्यप्रदेश के सीहोर में मिला

जेईई एडवांस्ड परीक्षा का छात्र 24 मई को लापता हो गया था

कोटा, (निसं)। नंदा देवी एक्सप्रेस ट्रेन में अपनी मां के साथ कोटा से नई दिल्ली का सफर कर रहा एक जेईई एडवांस्ड एक्जाम का कैंडिडेट 24 मई को लापता हो गया था। इस बीच रविवार को उसका पता चल गया। वह मध्यप्रदेश के अंबेडकर नगर से श्री माता वैष्णो देवी के बीच चलने वाली मालवा एक्सप्रेस ट्रेन में मिल गया। फिलहाल छात्र कुछ भी बताने को राजी नहीं है।

गंगापुर सिटी जीआरपी थाने के सहायक उप निरीक्षक जगदीश मीणा ने बताया कि ट्रेन में अपनी मां उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले की नगीना निवासी पारुल जैन के साथ 19 वर्षीय शशांक जैन सफर कर रहा था। इस बीच सवाई माधोपुर से मथुरा के बीच वह अचानक चलती ट्रेन से लापता हो गया। गुमशुदगी दर्ज होने के बाद गंगापुर सिटी की जीआरपी थाना पुलिस उसकी तलाश में लगी हुई थी। इसके अलावा उसके नगीना निवासी परिजन भी उसकी

- **फिलहाल छात्र कुछ भी बताने को राजी नहीं है**

तलाश में जुटे हुए थे। लापता कैंडिडेट शशांक अपने सभी गैजेट्स, मोबाइल फोन, और स्मार्ट वॉच को भी अपनी ट्रेन की बर्थ पर ही छोड़कर गया था। ऐसे में उसकी तलाश मुश्किल हो रही थी लेकिन रविवार को शशांक ने अपने पिता को अन्य यात्री का फोन लेकर कॉल किया और बताया कि वह मालवा एक्सप्रेस ट्रेन में बैठा हुआ है। इस समय शशांक के पिता कोटा में जीआरपी पुलिस के साथ ही थे। जीआरपी पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान के जरिए मोबाईल की लोकेशन और अन्य जानकारियां जुटाई जिसके बाद सीहोर स्टेशन पर मालवा एक्सप्रेस के आने के बाद सीहोर में ट्रेन को चेक कर युवक को नीचे उतार लिया।

एएसआई जगदीश मीणा ने बताया कि सूचना पर उसके मामा और पुलिस सीहोर पहुंच गए थे जहां शशांक को उसके पिता सुयश की कस्टडी में सौंप दिया गया है। प्रारंभिक तौर पर शशांक पढ़ाई के तनाव में नजर आ रहा है। गंगापुर सिटी जीआरपी थाने के एएसआई जगदीश मीणा का कहना है कि शशांक कुछ भी नहीं बता पा रहा है लेकिन उज्जैन के लिए वह संभवत: मथुरा स्टेशन से ही ट्रेन पर चढ़ा है।

धुलाई सेंटर पर फायरिंग, संचालक को लगी गोली

धौलपुर। धौलपुर शहर के निहालगंज थाना इलाके में आगरा मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर पुरानी रंजिश को लेकर वाहन धुलाई सेंटर पर करीब एक दर्जन बाइक सवार लोगों ने धावा बोल दिया। आरोपियों ने लाठी डंडों से हमला कर फायरिंग कर दी। फायरिंग से अफरा तफरी का माहौल बन गया। गोली चलने की आवाज से लोगों में दहशत फैल गई। हमलावर धुलाई सेंटर संचालक के साथ मारपीट एवं फायरिंग कर दहशत फैलाते हुए मौके से फरार हो गए। धुलाई सेंटर संचालक के हाथ में गोली लगने से घायल हुआ है।

धुलाई सेंटर के संचालक सलमान खान ने बताया सोमवार दोपहर के समय वह अपने प्रतिष्ठान पर बैठा हुआ था। वर्कर लोग वाहनों की धुलाई का काम कर रहे थे। इसी दौरान करीब आधा दर्जन बाइकों पर सवार होकर एक दर्जन से अधिक लोग पहुंच गए। आरोपियों ने लाठी डंडों से मारपीट कर फायरिंग शुरू कर दी। आरोपियों द्वारा की गई फायरिंग की गोली सलमान के हाथ में लग गई। करीब 20 मिनट तक उपद्रव कर आरोपी हवाई फायरिंग कर दहशत फैलाते हुए मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना निहालगंज थाना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का जायजा लिया।

नवलगढ़ में राणी सती बालिका विद्यालय भवन तोड़े जाने का विरोध

भू-माफियाओं द्वारा नवलगढ़ में शिक्षा मंदिरों पर भी चलने लगा पीला पंजा

नवलगढ़, (निसं)। शहर के चूणा चौक स्थित राणी सती बालिका विद्यालय भवन में कुछ लोगों ने शनिवार को तोड़फोड़ करने का काम शुरू कर दिया था।

शनिवार दोपहर नगरपालिका में भवन तोड़ने की शिकायत पहुंची तो तुरंत सफाई निरीक्षक ललित शर्मा के नेतृत्व में पालिका टीम मौके पर आई और तोड़फोड़ करने की इजाजत के लिए पूछा तो कोई कागजात नहीं मिले। इसके बाद पालिका टीम ने काम रूकवा कर परिसर के मुख्य दरवाजे पर ताला जड़ दिया व नगरपालिका से नियमानुसार इजाजत लेने के बाद ही दुबारा काम शुरू करने के लिए पाबंद किया, लेकिन रात को फिर जेसीबी मशीन द्वारा नगरपालिका द्वारा लगाए गए ताले सहित मुख्य दरवाजा तोड़ दिया गया और मशीन विद्यालय में घुसा कर भवन को तोड़ना शुरू कर दिया। जिस पर लोगों ने फिर से प्रशासन को सूचना की तो पुलिस टीम ने आकर तोड़फोड़ का काम बंद करवा दिया।

तोड़फोड़ की घटना से आक्रोशित लोगों ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

तोड़फोड़ की घटना से आक्रोशित लोगों ने उपखंड अधिकारी को सौंपा ज्ञापन :- चूणा चौक राणी सती बालिका विद्यालय भवन में की गई तोड़फोड़ के विरोध में आक्रोशित लोगों ने सोमवार को एसडीएम जयसिंह को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के अनुसार पिछले 60-70 वर्षों से मदनलाल बृजलाल पाटोदिया व पाटोदिया वेलफेयर सोसायटी द्वारा कस्बे के चूणा चौक में श्री राणीसती बालिका विद्यालय का संचालन किया जा रहा था। स्कूल भवन व जमीन ट्रस्ट की संपत्ति हैं। जिसका बेचान पाटोदिया वेलफेयर सोसायटी द्वारा किया गया। जबकि मदनलाल बृजलाल चेरिटेबल ट्रस्ट का जिक्र नहीं है। जनहित में बनाए गए ट्रस्ट द्वारा संपत्ति का बेचान गैर कानूनी है। देवस्थान विभाग की इजाजत के बिना इस संपत्ति की रजिस्ट्री करवाई गई तो जांच करवाकर तहसीलदार के खिलाफ कार्यवाही की जावे। क्रेता योगेश कुमार पुत्र राजेंद्रप्रसाद जाति जाट निवासी बिरोल को जांच प्रक्रिया पूर्ण होने तक भवन में तोड़फोड़ नहीं करने के लिए नगरपालिका द्वारा पाबंद किया जाए।

ज्ञापन देने वालों में भाजपा नेता शंकरलाल शर्मा के नेतृत्व में महेश चौधरी, रमेश दीक्षित, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष ललित कुमावत, चंद्रशेखर रावल, धर्मेंद्र गढ़वाल, जयराम दीक्षित, नंदलाल दायमा, अंकित सुरेका, मोहित सिंगड़ोदिया, संदीप सैनी, प्रशांत शर्मा, लोकेश शर्मा सहित दर्जनों लोग शामिल रहे। ज्ञापन की प्रति मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, जिला कलेक्टर व नवलगढ़ विधायक को भी भेजी गई है।

संविदाकर्मी लिपिक 17 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

एसडीएम कार्यालय में संचालित एनएचएआई भूमि अवाप्ति शाखा में कार्यरत है संविदाकर्मी लिपिक

कोटपूतली में एसीबी टीम ने आरोपी संविदाकर्मी लिपिक को गिरफ्तार किया।

कोटपूतली, (निसं)। प्रदेश भर में निरन्तर जारी भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की कार्यवाही व छापेमारी के क्रम में सोमवार को एसीबी ने कोटपूतली में भी छापेमारी की। एसीबी की टीम ने कस्बे के आजाद चौक स्थित उपखण्ड मुख्यालय पहुंचकर एसडीएम कार्यालय में संचालित एनएचएआई की भूमि अवाप्ति शाखा में कार्यरत संविदाकर्मी लिपिक को 17 हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों ट्रैप करते हुये गिरफ्तार कर लिया।

सोमवार दोपहर उपखण्ड कार्यालय पर एसीबी की छापेमारी से जहां क्षेत्र में सनसनी फैल गई, वहीं एसडीएम कार्यालय सहित नजदीक स्थित तहसीलदार, उप पंजीयक समेत अन्य कार्यालयों में हड़कम्प मच गया। एसीबी महानिदेशक डॉ. रविप्रकाश मेहरड़ा ने जानकारी देते हुये बताया कि विगत 17 मार्च को परिवादी ने एसीबी जयपुर की एसआईडब्ल्यू ईकाई को शिकायत देते हुये बताया था कि उसकी

- **भूमि अवाप्ति के मामले में मुआवजा राशि दिलवाने के बदले रिश्वत मांगी थी**

भूमि अवाप्ति के मामले में मुआवजा राशि दिलवाने की ऐवज में एसडीएम कोटपूतली कार्यालय में स्थित एनएचएआई कार्यालय भूमि शाखा जिला कोटपूतली बहरोड के संविदाकर्मी लेखाकार ओमप्रकाश मीणा द्वारा 17 हजार रूपयों की रिश्वत राशि मांगकर उसे परेशान किया जा रहा है। इस पर एसीबी जयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस रणधीर सिंह के सुपरविजन में एसीबी जयपुर की एसआईडब्ल्यू ईकाई के एएसपी ललित किशोर शर्मा के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन कर सोमवार को डीएसपी सुरेन्द्र पंचोली के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक कविता यादव व टीम के सदस्यों ने ट्रैप कार्यवाही करते हुये संविदाकर्मी लेखाकार ओमप्रकाश मीणा को परिवादी से 17 हजार रूपयों की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

इस सम्बंध में एसीबी जयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस रणधीर सिंह के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा। बताया जा रहा है कि उक्त लेखाकार मीणा सेवानिवृत बैंककर्मी है जो एनएचएआई की भूमि अवाप्ति शाखा में फरवरी 2019 से संविदा पर कार्यरत था। जिसके द्वारा 17 हजार रूपयों की रिश्वत राशि की मांग 17 लाख रूपयों की अवाप्ति राशि जारी करने की ऐवज में एक प्रतिशत के हिसाब से रिश्वत के रूप में मांगी गई थी। मामले में कौन-कौन अधिकारी सम्मिलित है, इसकी भी जाँच की जा रही है।

दुष्कर्म के आरोपी को जमानत मिली

करौली, (नि.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर बैंच में मासूम से दुष्कर्म के आरोपित सिंगारसिंह ने अपने अधिवक्ता हरिराम गुर्जर के जरिए जमानत आवेदन प्रस्तुत किया। करौली जिले के मामचारी थाने में मासूम से सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज हुआ जिसमें एक बाल अपचारी सहित याची को भी आरोपी बनाया गया था। अनुसंधान में पुलिस ने मुकदमा पोस्को का जुर्म प्रमाणित मानकर याची को गिरफ्तार व विधि से संघर्षरत बालक को जरिए फर्द निरुद्ध किया। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता हरिराम गुर्जर ने कोर्ट को तर्क दिया कि अभियुक्त निर्दोष है उसे इस प्रकरण में झूठा फंसाया गया है। कथित घटना 4 मार्च 2024 की बताई है गई है तथा उसके सात दिन बाद परिजनों से चर्चा उपरान्त 11 मार्च 2024 को एफआईआर दर्ज करवाई है। एफआईआर और धारा 161 सीआरपीसी में प्राथी के विरुद्ध कोई आरोप नहीं लगाया है। बाद में 164 सीआरपीसी के बयानों में मुख्य अभियुक्त के साथ शामिल होने का आरोप लगाया है। याची को जमानत लाभ दिया जाने का निवेदन किया। लोक अभियोजक व परिवादी के अधिवक्ता ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए जमानत खारिज करने की प्रार्थना की। याची के अधिवक्ता के तर्क से सहमत होकर राज हाईकोर्ट के नयायधिपति उमाशंकर व्यास ने जमानत आवेदन स्वीकार करने का आदेश प्रदान किया।

कैदी ने कोर्ट में मजिस्ट्रेट की ओर चप्पल फैंकी

घटना के बाद बड़ी संख्या में वकील व अन्य लोग जमा हो गये

कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को अपने साथ ले गई।

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला सेशन कोर्ट परिसर में सोमवार को उस समय हड़कम्प मच गया, जब चोरी के मामले में जेल में बन्द एक विचाराधीन कैदी ने सुनवाई के दौरान एसीजेएम कोर्ट में मजिस्ट्रेट की ओर चप्पल फैंकी दी, जिससे वहां बड़ी संख्या में वकील व अन्य लोग जमा हो गये। इस संबंध में एक मामला कोर्ट पेशगार की और से कोतवाली में दर्ज कर जांच शुरू की है।

कोतवाली राजपाल सिंह ने बताया कि चोरी के मामलों में जेल में बन्द इलियास नामक विचाराधीन कैदी को पेशी पर एसीजेएम कोर्ट लाया गया था। सुनवाई के दौरान अचानक विचाराधीन कैदी ने अपनी चप्पल निकाली और मजिस्ट्रेट पर फैंकी, जिससे कोर्ट में हड़कम्प मच गया। चालानी गार्डों ने तत्काल ही इलियास को काबू में किया और हवालात में ले जाकर बन्द कर दिया। इस दौरान वहां बड़ी संख्या में अधिवक्ता जमा हो गये। घटना की जानकारी मिलने पर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची। आरोपी को पुलिस पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई है। इस संबंध में एक मामला भी कोर्ट पेशगार की और से कोतवाली में दर्ज करवाया गया है।

गीली लकड़ी से भरा एक ट्रक और ट्रैक्टर जब्त

परबतसर, (निसं)। वन विभाग परबतसर ने देर रात कार्रवाई करते हुए गीली लकड़ी से भरे एक ट्रक और ट्रैक्टर को जब्त कर वन विभाग कार्यालय में खड़ा कर दिया। यह कार्रवाई रात्रि को करीब 10 बजे बाद वन विभाग कार्मिक बनारसी देवी द्वारा की गई है। वन विभाग ने एक सप्ताह बाद इस कार्रवाई को अंजाम दिया है।

ट्रक में गीली लकड़ी भरकर पनेर से पंजाब ले जाया जा रही थी। जिसकी सूचना वन विभाग को मिली। वन विभाग कार्मिक ने बिना देरी किए मंगलाना पुलिस चौकी के ठीक सामने ट्रक को

- **ट्रक में गीली लकड़ी भरकर पनेर से पंजाब ले जाई जा रही थी**

जब्त कर लिया। ट्रक में भरी गीली लकड़ी को तिरपाल से ढका हुआ था। जिसको देखकर लकड़ी भरे होने का अनुमान लगाना भी असंभव था। रास्ते में एक ट्रैक्टर में टोटलीस लकड़ी भरकर ले जाया जा रहा था, उसको भी परिसर में खड़ा करा दिया गया। ट्रक चालक से पूछताछ में यह बात सामने आई की पनेर ग्राम से लकड़ी भरी है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता
सार्वजनिक निर्माण विभाग विद्युत खण्ड भरतपुर
निविदा सूचना सं. 01/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से मय दोष निवारण एवं उनके सुधार (डिफेक्ट लाईबिलिटी पीरियड) शर्त सहित सा.नि.वि. विद्युत राजस्थान जयपुर में उपयुक्त विद्युत श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया में ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है।

निविदा से संबंधित विवरण इन्टरनेट साईट www.pwd.rajasthan.gov.in, www.dipr.rajasthan.gov.in पर एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध है।

S.No.	NIB No.	UBN No.
1	PWD2425A0066	PWD2425WSOB00129
2	PWD2425A0066	PWD2425WSOB00130
3	PWD2425A0066	PWD2425WSOB00131
4	PWD2425A0066	PWD2425WSOB00132

DIPR/C/3738/2024

अधिशाषी अभियन्ता
सानिवि विद्युत खण्ड भरतपुर

'आलाकमान की पीठ में छुरा घोपने वाले अशोक गहलोत'

भाजपा नेताओं ने अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार किया

जयपुर, (का.सं.)। भाजपा नेता रिछपाल मिर्धा ने गहलोत के बयान का पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस राज में कांग्रेसी नेताओं तक के काम नहीं होते थे। कांग्रेसी नेताओं ने अपना मान सम्मान बचाने के लिए कांग्रेस पार्टी छोड़ी और भाजपा का दामन थामा, इसके जिम्मेदार गहलोत ही हैं। कांग्रेस राज में जिसने सत्ता का सुख भोगा है, वह आपके पॉलिटिकल पापा हैं। उनका ही काम आप ने किया और नागौर में इनकों ही आगे बढ़ाया। हमने और कांग्रेस के कई नेताओं ने खून पसीने से कांग्रेस को सींचा था। भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने में हमारा कोई स्वार्थ नहीं है। आपको 4 जून से पहले ही जितनी बयानबाजी करनी है कर लो, उसके बाद कोई मौका नहीं मिलेगा। आपकी परफॉरमेंस का पता जालौर में चलने वाला है। निकम्मा, नकारा और गद्दार शब्द तो आप पहले भी कांग्रेस के

■ **अंत में आलाकमान और गहलोत ही कांग्रेस में बचेंगे : रिछपाल मिर्धा**

लोकप्रिय नेताओं के लिए भी बोल चुके हैं। आपने जमीर बेच कर 5 साल एक टांग पर सरकार चलाई, उसका लोगों ने आपको जवाब दिया और सत्ता से बाहर कर दिया। जिस कौम की आबादी राजस्थान में 23-24 प्रतिशत है, उसको खत्म करने का काम आप ने ही किया। राजस्थान में कांग्रेस की दुर्गति के जिम्मेदार आप ही है। आपके इन जुमलों से अंत में कांग्रेस पार्टी में आप और आलाकमान ही बचेंगे। जनता जानती है, कि आलाकमान को नीचे झुकाने का काम भी आपने ही किया।

बांसवाडा-डूंगरपुर लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी महेन्द्र जीत मालवीय ने अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी के निर्देशों के विरोध में 25 सितंबर 2022 को चेताने वाले और उनके दूत को बैरंग लौटाने वाले गहलोत जी आप ही थे। दिग्गज नेताओं की राजनीतिक हत्या करने वाले कौन थे, वो जनता जानती है। सभी कांग्रेसी कांग्रेस पार्टी की नीतियों से दुखी होकर छोड़कर गए। कांग्रेस पार्टी ने एमपी, गुजरात और राजस्थान के अन्य जिलों में बाप पार्टी से समझौता नहीं किया, सिर्फ अशोक गहलोत जी ने बांसवाड़ा में ही बाप पार्टी से समझौता कर कांग्रेस को खत्म करने का काम किया।

पूर्व सांसद गोपालसिंह ईडवा ने गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि अशोक गहलोत बौखलाए हुए हैं। प्रदेश की जनता इनको और इनके घोटालों को जान गई है। अब ये पूरी तरह एक्सपोज़ हो गये है। जब से भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री का पद सम्भाला है तब से प्रदेश में विकास की गंगा बह रही है इससे अशोक गहलोत बौखला गये है। इनके राज में जितने घोटाले हुए वो प्रदेश की जनता जानती है।

भाजपा नेता पं. सुरेश मिश्रा ने कहा कि विगत 5 वर्षों में आपके नेतृत्व में चली सरकार ने भ्रष्टाचार के सारे रिकार्ड तोड दिए जिसके बारे में आपकी पार्टी के अनेक विधायकों ने टीवी पर आरोप लगाए। सोनिया गांधी को खुश करने के लिये आपने 25 लाख रीट परीक्षार्थियों का जीवन बर्बाद कर दिया। आरपीएससी को भ्रष्टाचार का अड्डा बनाकर राजस्थान की शासन व्यवस्था में अक्षम और भ्रष्ट लोगों की भर्ती का रास्ता खोलकर महापाप किया। राजस्थान और कांग्रेस के एकमात्र नॉन परफॉर्मिंग एसेट स्वयं अशोक गहलोत हैं जो अपनी पार्टी को 25 साल से कमजोर करते आ रहे हैं।

सहकार मेले में 180 प्रकार के मसाले उपलब्ध

जयपुर, (का.सं.)। उपभोक्ता संघ की प्रबंध निदेशक शिल्पी पाण्डे ने बताया कि राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला, 2024 का आयोजन सहकारिता विभाग एवं उपभोक्ता संघ का एक अनूठा प्रयास है जिसके माध्यम से हम शुद्ध मसालों एवं खाद्य पदार्थों को आमजन की रसोई तक पहुंचा कर वर्तमान एवं आगे की पीढ़ी के स्वास्थ्य को समृद्ध बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस मेले के माध्यम से हम एक ही छत के नीचे प्रदेश के सभी क्षेत्रों के साथ-साथ केरल, तमिलनाडु, पंजाब, गुजरात तथा बिहार जैसे राज्यों के विशिष्ट मसालों एवं उत्पादों को पूर्ण शुद्धता के साथ उचित मूल्य पर उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सहकार मसाला मेले के आयोजन का मूल उद्देश्य आमजन को गुणवत्तापूर्ण एवं विश्वसनीय सेवाओं के माध्यम से सहकारिता की भावना को साकार करना है। उन्होंने कहा कि जयपुरवासियों को गुणवत्ता वाले मसाले उपलब्ध हो सके, इसके लिए सहकारिता विभाग देश एवं प्रदेश की सहकारी समितियों को एक प्लेटफार्म उपलब्ध करवाता है।

कांग्रेस की दुकान में झूठ का सामान है : नायब सैनी

लोकसभा चुनावी नतीजों से पहले ही अपनी जीत से आश्वस्त भाजपा ने सोमवार को पंचकूला में समीक्षा बैठक की। पार्टी कार्यालय पंचकमल में हुई इस बैठक में हरियाणा लोकसभा चुनाव प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया का फूलमालाओं से स्वागत किया गया।

पंचकूला, (का.सं.)। लोकसभा चुनावी नतीजों से पहले ही अपनी जीत से आश्वस्त भाजपा ने सोमवार को पंचकूला में समीक्षा बैठक की। पार्टी कार्यालय पंचकमल में हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पूर्व सीएम मनोहर लाल, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, हरियाणा लोकसभा चुनाव प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया, लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक सुभाष बराला, सह प्रभारी सुरेंद्र नागर, तीनों महामंत्री के अलावा कलस्टर इंचार्ज, लोकसभा संयोजक तथा लोकसभा के उम्मीदवार सहित अन्य पदाधिकारी व नेता मौजूद रहे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी सीटों पर चुनाव का फीडबैक लिया। नेताओं और पदाधिकारियों ने चुनाव से संबंधित सभी बातें और आंकडे विस्तारपूर्वक बैठक में रखे। पार्टी के आला नेताओं ने आंकडों और मिले फीडबैक पर लगभग तीन घंटे मंथन किया। बैठक शुरू होने से पहले सभी नेताओं ने बादशाहपुर विधानसभा से विधायक रहे राकेश दौलताबाद के निधन पर दुख जताया और उन्हें श्रद्धांजलि दी।

बैठक के बाद सीएम नायब सैनी ने मीडिया को बताया कि लोकसभा चुनाव में हुए मतदान की समीक्षा से उत्साहजनक संकेत उभरकर सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि आज की बैठक में चुनाव की समीक्षा के साथ-साथ आगामी कार्ययोजनाओं पर भी चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि 4 जून को हरियाणा में 11 कमल खिलने जा रहे हैं और नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। सीएम सैनी ने 25 मई को भयानक गर्मी होने के बावजूद मतदान करने पर प्रदेशवासियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि प्रदेश की जनता ने पीएम मोदी को एकतरफा वोट दिया जिसके लिए वे जनता के आभारी हैं।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि कार्यकर्ताओं ने चुनाव में मजबूती से काम किया है। कार्यकताओं की मेहनत और जनता जनार्दन के आशीर्वाद से 10 की 10 लोकसभाओं और करनाल विधानसभा में कमल खिलने जा रहा है। सीएम ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीन जनसभाएं हुई और लोगों ने पीएम मोदी का जोरदार स्वागत किया है।

एक अन्य सवाल पर बोलते हुए नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस की दुकान में झूठ का सामान है। कांग्रेस की सरकार में सिर्फ भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है। 2004 से 2014 तक देश और प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर रहा। 2014 में भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार पर रोक लगाई और कई ऐतिहासिक काम किए और पारदर्शी शासन व्यवस्था लागू की।

कांग्रेस ने केवल भ्रष्टाचार, परिवारवाद, तुष्टीकरण को दिया बढ़ावा : भजनलाल शर्मा

फिरोजपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार में डूबी हुई पार्टी है। इस पार्टी ने पूर्व में अन्ना हजारे के साथ रामलीला मैदान में भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन किया था। लेकिन अब ये पार्टी खुद भ्रष्टाचार के मामलों में लिप्त पाई जा रही है। उन्होंने कहा कि देश में पिछले 70 सालों में सबसे ज्यादा राज करने वाली कांग्रेस ने भी भ्रष्टाचार, जातिवाद, परिवारवाद तथा तुष्टीकरण के अलावा कुछ नहीं किया है। अब दिल्ली में ये भ्रष्टाचारी मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। पंजाब की जनता भाजपा के पक्ष में वोट डालकर इन सबको जवाब देगी। शर्मा लोकसभा चुनाव प्रचार के तहत सोमवार को फिरोजपुर लोकसभा प्रत्याशी राणा गुरमीत सिंह सोढी के समर्थन में पंजाब के बलुआना में

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान सोमवार को फिरोजपुर लोकसभा प्रत्याशी राणा गुरमीत सिंह सोढी के समर्थन में पंजाब के बलुआना में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उनका भव्य स्वागत किया गया।

जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश को भ्रष्टाचार, आतंकवादी घटनाएं, नक्सलवाद तथा घोटालों का आए दिन सामना करना पड़ता था। जनता का राजनैतिक लोगों से विश्वास उठ गया था। लेकिन मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में परिस्थितियां बदली तथा देश विकास के पथ पर अग्रसर होता चला गया। उन्होंने कहा कि मोदी ने गरीब कल्याण, सीमा सुरक्षा, देश का विकास करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, वे विश्व में देश का गौरव बढ़ाने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं।

पंजाब में 'मोदी मैजिक' का फैक्टर नजर आया। जनता ने भाजपा तथा मोदी के पक्ष में '4 जून 400 पार' के जमकर नारे लगाए। राजस्थान के मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर लोग बेहद उत्साहित नजर आए। शर्मा का माला पहनाकर एवं फूल बरसाकर अभिनन्दन किया गया। जनता से मिले भरपूर स्नेह तथा अभिवादन को मुख्यमंत्री ने हाथ जोड़कर स्वीकार किया।

दुष्कर्म के केस में फंसाने की धमकी देकर 10 लाख रु. मांगने वाला गिरोह पकड़ा

जयपुर। हरमाड़ा पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में फंसाने और जान से मारने की धमकी देकर 10 लाख रुपये की फिरौती मांगने वाले गिरोह का खुलासा कार्रवाई करते एक महिला सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है और साथ ही वारदात में प्रयुक्त दुपहिया वाहन भी जब्त किया गया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) अमित कुमार बुढानिया ने बताया कि हरमाड़ा थाना पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में फंसाने और जान से मारने की धमकी देकर दस लाख रुपये की फिरौती मांगने के मामले में पृथ्वीराज निवासी जमवारामगढ़ जिला जयपुर, रूप सिंह मीणा निवासी हरमाड़ा जयपुर, प्रधान मीणा निवासी बूंदी हाल मुरलीपुरा जयपुर, विनोद बावरिया निवासी हरमाड़ा, नन्छु बावरिया निवासी हरमाड़ा और एक महिला शर्मिला उर्फ बबली निवासी झुन्झुनू को गिरफ्तार किया है।

'राजस्थान में मतगणना की सभी तैयारियां पूरी'

जयपुर, (का.सं.)। भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मतगणना की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने राज्य के सभी 25 लोकसभा क्षेत्रों और बागीदौरा विधान क्षेत्र में हुए उपचुनाव के लिए 4 जून को होने वाली मतगणना के संबंध में मतगणना स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था और मतगणना कार्य के लिए आवश्यक संसाधनों की समुचित आपूर्ति पर संतोष व्यक्त किया। बैठक में निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार एवं डॉ. सुखबीर सिंह संधू ने कहा कि मतदान की तरह मतगणना के दौरान भी भारत निर्वाचन आयोग के सभी दिशा निर्देशों की पालना करनी है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बैठक में बताया कि भारत निर्वाचन आयोग से प्राप्त निर्देशों के अनुसार राजस्थान में मतगणना की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पर्याप्त संख्या में मतगणना कार्मिकों की उपलब्धता सुनिश्चित कर उनको प्रशिक्षित किया जा चुका है।

गुप्ता ने बताया कि मतों की गिनती की प्रक्रिया और मतगणना केंद्र की व्यवस्था के बारे में शनिवार को राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ भी बैठक की गई है। राजनैतिक दलों से अपने-अपने काउंटिंग एजेंट्स की सूचियां 31 मई तक संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर कार्यालय में आवश्यक रूप से देने को कहा गया है।

गुप्ता ने बताया कि मतगणना स्थल पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किया गया है। सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों, पुलिस आयुक्त एवं पुलिस अधीक्षकों को मतगणना केंद्र में सुरक्षा मापदंडों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। सभी मतगणना स्थलों पर त्रि-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था होगी। सुरक्षा घेरे का पहला स्तर मतगणना परिसर और परिसर के चारों ओर 100 मीटर की परिधि से शुरू होगी।

आर.ए.एस.भर्ती में अभ्यर्थी की बहु दिव्यांगता नहीं मानने पर मांगा जवाब

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आरएएस भर्ती-2021 में अभ्यर्थी की बहु दिव्यांगता को नहीं मानकर उसे नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर करने पर आरपीएससी सचिव और कार्मिक सचिव से जवाब तलब किया है। अदालत ने इन अधिकारियों से पूछा है कि बहु दिव्यांग होने के बावजूद भी अभ्यर्थी को इसका लाभ क्यों नहीं दिया जा रहा है। इसके साथ ही अदालत ने कहा है कि याचिकाकर्ता अभ्यर्थी की दिव्यांगता की जांच एसएमएस अस्पताल से कराई जाए। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश शुभम सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि आरपीएससी ने 20 जुलाई, 2021 को आरएएस व अधीनस्थ सेवा के कुल 988 पदों के लिए भर्ती निकाली थी। दिव्यांग याचिकाकर्ता ने प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा पास कर ली। वहीं आयोग ने उसे बहु दिव्यांग श्रेणी में नहीं मानकर साक्षात्कार में शामिल नहीं किया। जबकि उससे कम अंक लाने वाले दूसरे बहु दिव्यांग अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में शामिल किया गया है। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि याचिकाकर्ता तीस फीसदी आंख और तीस फीसदी कान से दिव्यांग है और उसके पास मेडिकल बोर्ड की ओर से जारी बहु दिव्यांगता का प्रमाण पत्र भी है। इसके बावजूद भी बहु दिव्यांग नहीं माना जा रहा है। जबकि वह दिव्यांग अधिनियम के तहत चार फीसदी दिव्यांग कोटे का हकदार है। ऐसे में उसे बहु दिव्यांग वर्ग में मानते हुए आरएएस भर्ती के साक्षात्कार में शामिल करने के निर्देश दिए जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करते हुए याचिकाकर्ता का मेडिकल एसएमएस अस्पताल से कराने को कहा है।

दुष्कर्म पीडिता को 28 सप्ताह के गर्भपात की अनुमति

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के चलते गर्भवती हुई पीडिता को 28 सप्ताह के गर्भपात की अनुमति दी है। अदालत ने महिला चिकित्सालय, जयपुर की अधीक्षक को निर्देश कि पीडिता की सहमति के बाद उसके गर्भपात के लिए उचित व्यवस्था करे। अदालत ने कहा है कि यदि इस दौरान भ्रूण जीवित मिलता है तो उसकी उचित देखरेख की जाए। इसके अलावा अन्य स्थिति में साक्ष्य सुरक्षित रखने के लिए कार्रवाई की जाए। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश बीस वर्षीय दुष्कर्म पीडिता की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को कहा है कि वह आर्थिक सहित अन्य आवश्यक सहायता याचिकाकर्ता को उपलब्ध कराए।

चुनाव परिणाम पर लगी रोक जारी

जयपुर। अग्रवाल समाज समिति के गत 19 मई को हुए चुनाव परिणाम पर निचली अदालत की ओर से 21 मई को लगाई रोक जारी है। वहीं सिविल न्यायालय में मूल दावे और एडीजे क्रम-9 अदालत में अपील पर मंगलवार को सुनवाई होगी।

सुनवाई के दौरान सोमवार को राजेन्द्र अग्रवाल की ओर से अधिवक्ता प्रेमचंद देवंदा ने कहा कि चुनाव में मतदान की अधिसूचना जारी करने के दिन से ही लखदातार ग्रुप की ओर से चुनाव समिति के साथ मिलीभगत कर अनियमिता की गई। चुनाव के लिए बनाई गए पांच सदस्यीय समिति ने अपने स्तर पर एक अन्य व्यक्ति को चुनाव समिति का अध्यक्ष बना लिया। जिससे पूरी चुनाव प्रक्रिया में धांधली की जा सके। उसने भी चुनाव लडा है। ऐसे में उसके हित भी प्रभावित हुए हैं। इसलिए दावे और अपील में उसे भी पक्षकार बनाया जाए। गौरतलब है कि आनंद गुप्ता व अन्य ने निचली अदालत में दावा पेश कर चुनाव में फर्जीवाडा होने का आरोप लगाया है। जिस पर सुनवाई करते हुए निचली अदालत ने गत 21 मई को चुनाव परिणाम पर रोक लगा दी थी।

राजस्थान विवि.में प्रवेश प्रक्रिया 1 जून से

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश की ऑनलाइन प्रक्रिया एक जून से शुरू होगी। विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर अल्पना कटेजा ने बताया कि राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड और केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के 12वीं के परिणाम जारी हो चुके हैं। विद्यार्थियों की मार्कशीट भी स्कूलों में आनी शुरू हो गईं हैं। ऐसे में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए राजस्थान विश्वविद्यालय में एक से दस जून तक ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इसके बाद पंद्रह जून को सभी करीब सात हजार सीटों के लिए एक साथ कटऑफ लिस्ट जारी की जाएगी।

9 माह के बच्चे का अपहरण

जयपुर। एयरपोर्ट इलाके में सोमवार को 9 महीने के बच्चे का अपहरण करने का मामला सामने आया है। पुलिस जानकारी में सामने आया है कि मजदूरी करने आए माता-पिता ने मासूम को पुलिया के नीचे बैठा रखा था। मासूम के गायब मिलने पर परिजनों ने बाइक सवार के उठा ले जाने का शक जताया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी लेकर शहरभर में अपहरण हुए मासूम को ढूंढने के लिए नाकाबंदी करवाई है। फिलहाल पुलिस की जांच पड़ताल चल रही है।

पुलिस ने बताया कि थाना इलाके से स्थित सांगानेर चौराहा के पास पुलिया निर्माण का काम चल रहा है। जहां एक दंपती अपने नौ महीने के बच्चे को लेकर मजदूरी करने आए थे। काम के दौरान दंपती ने बेलागास होटल के पास पुलिया के नीचे मासूम को खेलने छोड़ दिया। पति-पत्नी दोनों पुलिया निर्माण में मजदूरी का काम करने लगे। सोमवार शाम साढ़े चार बजे मासूम को संभालने पर गायब मिला। काफी ढूंढने के बाद भी बच्चे का पता नहीं चला। रोते-बिलखते परिजनों ने तुरंत पुलिस को नौ महीने के बेटे के अपहरण होने की सूचना दी। मासूम के अपहरण की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। परिजनों ने पुलिस को बताया कि बच्चे के गायब होने से पहले बाइक सवार को घूमते देखा था। शक है कि बाइक सवार ही मासूम बेटे का अपहरण कर ले गया है। पुलिस ने शहरभर में ए-श्रेणी की नाकाबंदी करवाई है। इसके अलावा पुलिस वारदात स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालते हुए बच्चे की तलाश में जुटी है।

2 फर्जी ड्रग्स इंस्पेक्टर गिरफ्तार

जयपुर। राजधानी की गलता गेट थाना पुलिस ने ड्रग्स इंस्पेक्टर बनकर लोगों से वसूली करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। मेडिकल शॉप पर कार्रवाई करने की धमकी देकर संचालकों को धमकाते थे। कार्रवाई नहीं कर छोड़ने के बदले रुपए वसूल लेते थे। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

डीसीपी नॉर्थ राशि डोगरा डूडी ने बताया कि फर्जी ड्रग्स इंस्पेक्टर चेतन शर्मा (24) और अरुण शर्मा उर्फ सुनील शर्मा (30) निवासी रामगढ़ मोड़ कागदीवाड़ा ब्रह्मपुरी को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपी मेडिकल स्टोर पर ड्रग्स इंस्पेक्टर बनकर संचालकों को कार्रवाई का डर दिखाकर वसूली करते थे।

■ **मेडिकल शॉप पर कार्रवाई की धमकी देते थे, छोड़ने के बदले रुपए की डिमांड करते थे**

26 मई की शाम करीब 7:30 बजे दोनों आरोपी वसूली के लिए गलता गेट स्थित मेडिकल स्टोर पर पहुंचे थे। संचालक को धमकाकर दुकान पर कार्रवाई नहीं करने के बदले 25 हजार रुपए की डिमांड की। इस संबंध में पीड़ित मेडिकल संचालक ने गलता गेट थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर दोनों आरोपियों को चिह्नित कर ढूंढ निकाला। पूछताछ में दोनों ने रुपए वसूलने के लिए धमकाना स्वीकार कर लिया।

एडिशनल डीसीपी नॉर्थ रानू शर्मा ने बताया कि वसूली के लिए पहले दोनों आरोपी मेडिकल स्टोर को चिह्नित करते थे। मेडिकल स्टोर पर इनमें से एक कस्टमर बनाकर जाता। दुकान पर मौजूद व्यक्ति से एमटीपी किट मांगता। एमटीपी किट मिलने पर मेडिकल स्टोर पर गया हुआ आरोपी अपने दूसरे साथी को इशारा कर बुला लेता। मेडिकल स्टोर पर पहुंचकर दूसरा आरोपी अपने आप को ड्रग्स इंस्पेक्टर बताता और मेडिकल स्टोर पर कार्रवाई करने का डर दिखाता। कार्रवाई नहीं करने के बदले हजारों रुपए की डिमांड रखता। मेडिकल संचालक रुपए नहीं देने तक और अधिक डराने के लिए अपनी गाड़ी में बैठाकर अलग-अलग जगहों पर घुमाते रहते थे।

ग्रामीण क्षेत्र में 9071 तथा शहरी क्षेत्र में 3667 टैंकरों से रोजाना नि:शुल्क पानी दे रहे : कन्हैयालाल

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जलदाय मंत्री कन्हैया लाल ने कहा कि प्रदेश में भीषण गर्मी के दौरान आमजन को राहत देने और पेयजल व्यवस्था को सुदढ़ बनाये रखने के लिए बेहतर प्रबंधन किया जा रहा है, ताकि आमजन को पेयजल संबंधी किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पडे। उन्होने कहा कि जलदाय विभाग द्वारा स्वीकृत किये गये कार्यो में धीमी प्रगति करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी। समस्याग्रस्त क्षेत्रों में पानी उपलब्ध करवाये जाने के लिए विभाग द्वारा नि:शुल्क पेयजल परिवहन के उद्देश्य से टैंकरों का संचालन किया जा रहा है। टैंकरों द्वारा जल परिवहन की सुदढ़ मॉनिटरिंग जी.पी.एस., ओ.टी.पी. और तीन कूपन के माध्यम से की जा रही है।

जलदाय मंत्री कन्हैयालाल ने यह बातें सोमवार को शासन सचिवालय में प्रेस कॉन्फ्रेन्स में कही। उन्होने कहा कि आकस्मिक कार्यो के तहत ग्रामीण क्षेत्र के 48 जिलों व शहरी क्षेत्र के 201 कस्बों में जल परिवहन के लिए पेयजल

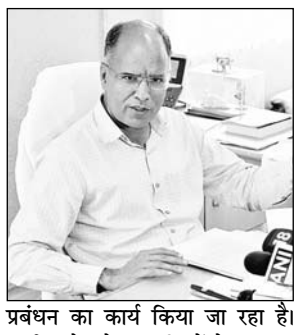

प्रबंधन का कार्य किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र के 40 जिलों के 7970 हैबीटेशन में 9071 टैंकर द्वारा प्रतिदिन पेयजन की आपूर्ति की जा रही है। इसी तरह शहरी क्षेत्र के 56 शहरों में 3667 टैंकरों द्वारा प्रतिदिन पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। मंत्री कन्हैयालाल ने बताया कि जिला कलक्टर को अधिकृत आकस्मिक कार्यो के लिए प्रत्येक जिले को 50 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गयी है, जिसके तहत विभाग द्वारा 362 कार्य प्रारम्भ कर 303 कार्य पूर्ण कर दिये गये है।

मंत्री ने कहा कि ग्रीष्म ऋतु में पेयजल व्यवस्था सुदृढ बनाये रखने के

■ **'विभाग द्वारा स्वीकृत कार्यों में धीमी प्रगति वाले अधिकारियों पर कठोर कार्यवाही की जायेगी'**

■ **'प्रदेशभर में सुचारू पेयजल आपूर्ति के लिए 5244 कनेक्शन काटे, 30 लोगों के खिलाफ एफ.आई.आर.दर्ज करवाकर 536 अवैध बूस्टर भी जब्त किये'**

लिए समस्याग्रस्त क्षेत्रों में नलकूप एवं हैण्डपम्प स्वीकृत किए गए है तथा इनके समयवद्ध निर्माण सुनिश्चित करने के लिए विभागीय ड्रिलिंग एवं जी.डब्लू.डी की रिंग मशीनों को तैनात कर दिया है एवं सभी रिंग मशीनों को आवंटित कार्यभार की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। प्रतिदिन फील्ड अधिकारियों द्वारा सप्लाई के समय उपभोक्ताओं के घर से फील्ड टेस्टिंग किट द्वारा पानी की गुणवत्ता की जांच की जा रही है। साथ ही हर जिले में स्थित लेबोरेटरी द्वारा भी लगातार सैम्पल लेकर पानी की गुणवत्ता को सुनिश्चित किया जा रहा है।

जलदाय मंत्री ने बताया कि अवैध कनेक्शनों को चिन्हित कर इन्हें अभियान के रूप में काटा जा रहा है, जिससे अन्तिम छोर पर पानी उपलब्ध हो सके। इस दौरान 5802 अवैध जल संबंध चिन्हित कर 5244 अवैध जल संबंध विच्छेद किए गए तथा 546 अवैध जल संबंधों को नियमित किया गया। अवैध जल सम्बन्धों के विरूद्ध 30 एफ.आई.आर.दर्ज कराई गई। अभियान के दौरान 536 अवैध बूस्टर भी जब्त किये गये। राज्य स्तरीय नियत्रंण कक्ष से प्रतिदिन पेयजल से संबंधित प्राप्त शिकायतों को रजिस्टर में संधारित कर संबंधित जिलों के नियत्रंण कक्ष को समाधान के लिए प्रेषित किया जा रहा है। जिला स्तरीय नियत्रंण कक्ष द्वारा 56 प्रतिशत शिकायतो का निस्तारण किया जा चुका है।

16 हजार लीटर खाद्य तेल सीज

जयपुर। प्रदेश में मिलावट के खिलाफ अभियान के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त इकबाल खान के नेतृत्व में सोमवार को जयपुर में सरना डूंगर स्थित एक फर्म पर कार्रवाई कर करीब 16 हजार लीटर खाद्य तेज सीज किया गया।

सेन्ट्रल गौरव टॉवर में 'हाउस ऑफ डेथ' सीज

जयपुर। ग्रेटर नगर निगम आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देश पर अग्निशमन टीम ने लगातार दूसरे दिन कार्रवाई कर मालवीय नगर स्थित (गौरव टॉवर) जी.टी. सेन्ट्रल स्थित "हाउस ऑफ डेथ" पर सीज की कार्यवाही की। जीटी सेन्ट्रल स्थित हाउस ऑफ डेथ गेंमिग जोन पर टीम ने एंन्ट्री, एग्जिट, फायर एनओसी है या नहीं, अग्निशमन उपकरण काम कर रहे है या नहीं सहित बिन्दुओं पर बारीकी से जांच की। इसके साथ ही अग्निशमन सुरक्षा के मानकों को भी परखा गया। गेम जोन में प्लाईवुड, कपड़ा, प्लास्टिक, रबड़ आदि के साथ ज्वलनशील पदार्थ का भी उपयोग किया जा रहा था। इसके साथ ही सुरक्षा उपकरणों में भी कमी पाई गई। टीम ने अग्निशमन यंत्र की भी जांच की गई, यह भी दुरूस्त नहीं मिला। आयुक्त रूकमणि रियाड़ ने बताया कि जीवन महत्वपूर्ण है।

क्षेमा की फसल बीमा योजना 20 राज्यों में

जयपुर, (का.सं.)। क्षेमा जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड ने आज अपने प्रमुख फसल बीमा उत्पाद सुकृति के साथ-साथ प्रकृति को भारत के 20 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में उपलब्ध कराने की घोषणा की।

अब, भारत की जीडीपी में लगभग 15 फीसदी योगदान देने वाले किसान अपनी फसलों का बीमा करवा सकते हैं क्योंकि मानसून के आगमन के साथ ही खरीफ की बुवाई का महत्वपूर्ण समय आरंभ होता है।

सार-समाचार

पुस्तक का लोकार्पण

उदयपुर, 27 मई। लोक साहित्य मनीषी डॉ. महेंद्र भानावत का मत है कि मेवाड में वाचिक और कंठ आधारित साहित्य की सुदीर्घ परंपरा रही है जो अभी भी सुरक्षित है और शोध के योग्य हैं। डॉ. भानावत ने यह बात डॉ. चम्पादास कामड की नवीन पुस्तक 'सिद्धों के जाप सबद और कामड लोकगाथाएं' का लोकार्पण करते हुए कही। अपने आवास पर एक संक्षिप्त आयोजन में उन्होंने मेवाड की सिद्ध, योगी, संत और साधकों की परंपराओं को रेखांकित किया। उनका कहना था कि बदलती परिस्थितियों के कारण वाचिक परम्परा में प्रचलित बातों का विलुप्त होने का खतरा अधिक होता है। उनका दस्तावेजीकरण महत्वपूर्ण कार्य है। सिद्ध समुदाय के जाप शब्दों का संग्रह एवं प्रकाशन लोकसाहित्य का एक अतुल्य कार्य सम्पादन हुआ है। डॉ. श्रीकृष्ण 'जुगनू' ने स्पष्ट किया कि तिब्बत से लेकर गांधार तक और हिमालय से गिरणार तक सिद्धों की समृद्ध विरासत रही है। लेखक डॉ. चंपादास कामड ने कहा कि पिछले लगभग 35 वर्षों के श्रम सहित संगति, विश्वास और भेंट उपचार के बाद ऐसे जाप सबदों का संग्रह और संपादन उनके आनुष्ठानिक विधान समेत संभव हो सका है। डॉ. तुक्तक भानावत ने पुस्तक की उपयोगिता बताई और कहा कि लंबे अध्ययन और विश्लेषण की सुन्दर अनुभूतियां इस पुस्तक में देखी जा सकती हैं। यह आने वाले समय में अनेक शोध कार्यों की प्रस्थान बिंदु सिद्ध होगी। आयोजन में जिनेन्द्र दास, अर्थाक भानावत आदि ने भी भागीदारी की।

परिण्डों का रखरखाव जरूरी

उदयपुर। पशु पक्षियों को गर्मी से राहत देने के लिए वर्तमान में कई संस्थाओं द्वारा परिण्डों का वितरण किया जा रहा है। इन परिण्डों का उचित प्रबंधन व संरक्षण नितान्त आवश्यक है। राजकीय पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित संगोष्ठी में उपनिदेशक डॉ. सुरेन्द्र छंगाणी ने कहा कि परिण्डों में पानी रहने से एक उनमे शैवाल (काई) जम जाती है एवं साथ ही पक्षियों की विष्ठा पानी में गिरने से कई बीमारियों का कारक बन जाती है। उन्होंने समय-समय पर परिण्डों को साफ करने एवं दोपहर के समय एक बार परिण्डों का पानी अवश्य बदलने का आह्वान किया। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ प्रशिक्षण अधिकारी डॉ. पद्मामील, डॉ.सुरेश शर्मा एवं पशुपालन डिप्लोमा में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने भी अपने विचार रखे।

चार आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, 27 मई। कुराबड थाना पुलिस ने अवेध हफ्ता वसूली करने के लिए मारपीट करने वाले चार आरोपियों को कुराबड़ थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक गजेन्द्रसिंह के सुपरविजन में कुराबड़ थानाधिकारी चेलसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने 26 मई को पीडित इरफान काटात पुत्र अजमल काटात निवासी ब्यावर द्वारा आरोपियों द्वारा अवैध वसूली नहीं देने पर मारपीट करने की पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाने पर जांच शुरू की। इस मामले में महिपालसिंह पुत्र महेन्द्र सिंह निवासी कुराबड़ हॉल नाकोड़ा नगर रकमपुरा, शैतानसिंह पुत्र कल्याणसिंह निवासी आसावरा डबोक,महेन्द्र साहु पुत्र बाल कृष्ण निवासी आजाद मोहल्ला कुराब एवं हिमांशु पंवार पुत्र अशांक निवासी गांधीनगर मल्लातलाई अम्बामाता डिटेन कर पूछताछ बाद गिरफ्तार किया।

ऑर्थोग्नेथिक वर्कशाप सम्पन्न

उदयपुर, 27 मई। पेसिफिक दंत महाविद्यालय देबारी में दो दिवसीय ऑर्थोग्नेथिक वर्कशाप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ भगवानदास रॉय व सचिव डॉ हिमांशु गुप्ता थे। डॉ. हिमांशु गुप्ता ने बताया कि इस वर्कशॉप का मुख्य उदेश्य डॉक्टर्स द्वारा जबडे की विकृति को ऑपरेशन द्वारा सही स्थिति में व्यवस्थित करना था। कार्यशाला में सम्पूर्ण भारत से 70 डॉक्टर्स ने भाग लिया। चेन्नई से आए डॉ. थीरूनिलकन्दन, डॉ. अरूण व डॉ. जिमसन ने पेपर प्रस्तुत किया। एक मरीज को ऑपरेट कर उसकी फोटो कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी डॉक्टर्स को साझा की गई। ऑपरेशन बैंगलुरू से आए डॉ. दीपेश रॉव एवं डॉ. काननबालारमन ने किया। एनेस्थीसिया डॉ. दीपक शाह ने दिया। ऑपरेशन थियटर में डॉ. जिब्रान, डॉ. प्रियका, डॉ. भौतिक, डॉ. आयूषि, डॉ. मानसी एवं हिमांशु व्यास उपस्थित थे।

विद्या वाचस्पति की उपाधि मिली

उदयपुर, 27 मई। मरू और मेरू की सिरमौर शेखावाटी धरा की प्रख्यात कवयित्री, साहित्यकार, समाजशास्त्री, समीक्षक एवं शिक्षाविद् विमला महरिया को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा उनके द्वारा समाजशास्त्र विषय में किए गये शोध कार्य के लिए विद्या वाचस्पति की उपाधि से विभूषित किया गया है। इस अवसर पर शोध निर्देशिका डॉ. आशा गुप्ता, विभागाध्यक्ष डॉ. पूरनमल यादव, प्रोफेसर राजू सिंह, प्रोफेसर ज्योति उपाध्याय (एक्टर्नल), डॉ. कामिनी व्यास सहित अन्य विभागीय अधिकारी और शोधार्थी उपस्थित रहे।ज्ञातव्य है कि विमला महरिया साहित्य जगत में निरंतर सक्रिय हैं और इनकी लगभग दो दर्जन से अधिक पुस्तकें तथा आधा दर्जन शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। अपने बहुआयामी और उपयोगितावादी लेखन क्षमता के कारण विभिन्न राज्य स्तरीय व राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं से सम्मानित हो चुकी हैं।

नर्सिंग स्टाफ से चर्चा की

उदयपुर, 27 मई। गीतांजली में नर्सिंग स्टाफ के साथ गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के चीफ नर्सिंग ऑफिसर विजेंद्र सिंह राठौड ने सेशन लिया। जिसके अंतर्गत रोगी के उपचार में नर्सिंग केयर का महत्व,रोगी के लाभ के लिए जानकारी, रोगी के लाभ के लिए सही समय पर सही निर्णय,रोगी बडी मीटिंग प्रोग्राम,एक्मो क्या है और उसके क्या फायदे हैं, पेलीएटिव केयर व अभी के समय को देखते हुए नर्सिंग के क्षेत्र में आ रहे बदलावों पर भी चर्चा की गया।

पी.एम.सी.एच. में हेपैटिक एन्सेफैलोपैथी के मरीज़ का सफल इलाज

उदयपुर, 27 मई। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में लिवर से जुडी एक बीमारी हेपैटिक एन्सेफैलोपैथी के मरीज का सफल उपचार कर नया जीवन दिया। दरअसल 52 वर्षीय मरीज को परिजन बुखार,भूख न लगने,कमज़ोरी एवं विहोशी की हालत मे पीएमसीएच के इमरजेन्सी मे लेकर आए। जहॉ मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ.वी.के.गोयल एवं उनकी टीम ने

■ **22 दिन तक आईसीयू में मरीज रहा भर्ती**

मरीज की गंभीर हालत को देखतें हुए तुरन्त आईसीयू में भर्ती कियातो पता चला की मरीज को लिवर से जुड़ी गंभीर बीमारी हेपैटिक एन्सेफैलोपैथी है। जिसका अगर समय पर इलाज न किया जाए तो यह सीधे दिमाग पर असर करती है। मरीज के परिजनो ने बताया कि मरीज 20 साल से अधिक समय से शराब का सेवन रोज़ाना करता था एवं पिछले 15 दिन से बुखार आना व अनियमित आहार, पेशाब कम आना जैसी शिकायत कर रहा था।मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ.वी.के.गोयल ने बताया कि मरीज की जांच करने पर पता पड़ा की मरीज़ के लिवर में सूजन है साथ ही उसकी गुर्दे पर भी असर पड़ा है। बेहोशी के कारण मरीज़ को खाना भी नाक के रास्ते से ही दिया। मरीज़ एन्सेफैलोपैथी ग्रेड 3 में था। धीरे धीरे

पीएमसीएच में हेपैटिक एन्सेफैलोपैथी के मरीज़ का सफल इलाज करने वाली डाक्टर्स टीम व मरीज।

मरीज़ की स्थिति सुधरी,पहले गुर्दे की स्तिथि ठीक हुई फिर खून में इन्फेक्शन, और फिर धीरे धीरे होश आना शुरू हुआ। करीब 22 दिन आईसीयू, 8 दिन एचडीयू और 5 दिन प्राइवेट वार्ड में रहने के बाद मरीज़ को होश आया। डॉ.गोयल ने बताया लिवर का काम हमारे शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालना होता है। अगर लिवर ठीक से काम न कर पाए तो रक्त में विषाक्त पदार्थ जमा होने लगते हैं और इसका सीधा असर दिमाग पर पड़ता है। यह बीमारी उन लोगों में होती है जो लम्बे समय से शराब पीने की वजह से लिवर कमज़ोर हो जाता है। जिसके चलते लिवर की खून को फिल्टर करने की क्षमता कम हो जाती है। इस वजह से खून में गन्दगी (अमोनिया) का असर दिमाग पे पड़ता है और मरीज़ कोमा जैसी स्तिथि में पहुँच सकता है। लिवर में दर्द होना हेपैटिक एन्सेफैलोपैथी का शुरुआती लक्षण होता है और इसके अलावा अगर आपको लिवर में दर्द के साथ-साथ कब्ज जैसी समस्याएं भी हो रही है, तो आपको जल्द से जल्द डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए। मरीज का मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में नि:शुल्क इलाज किया। रोगी अब पूर्ण रूप से स्वस्थ है एवं उसे छुट्टी दे दी गई है। परिजनों ने पीएमसीएच के चेयरमेन राहुल अग्रवाल,एक्जीक्यूटिव डॉयरेक्टर अमन अग्रवाल, सभी चिकित्सकों, मैनेजमेंट, नर्सिंग कर्मियों एवं स्टाफ का आभार जताया।

कनिका बैरवा ने साझा किए सफलता के मंत्र

उदयपुर, 27 मई। मेहनत का फल अच्छा होता है यह साबित कर दिया कनिका बैरवा ने । कनिका ने एन एल यू, गांधीनगर में स्थान पाकर न सिर्फ अपना अपितु संस्थान एवं उदयपुर शहर का भी नाम रोशन किया है। इस दौरान अनुष्का ग्रुप में उनके परीक्षा से जुडी रणनीति और एग्जाम के स्ट्रेस का कैसे प्रबंधन करे जैसे विषयो पर सेमिनार आयोजित किया गया । संस्थान के निदेशक राजीव सुराणा ने कनिका का सम्मान कर उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। सुराणा ने बताया कि यदि किसी भी कार्य को तन्मयता एवं एकाग्रता के किया जाए तो मंजिल पाना मुश्किल नहीं है और यही सिद्ध किया है कनिका ने। अनुष्का के संस्थापक डॉ. एस. एस. सुराणा ने भी क्लैट की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों का मनोबल बढाया।

महाराज शक्ति सिंह जी जयन्ती महोत्सव का हुआ आयोजन

भीण्डर। महाराणा प्रताप के अनुज महाराज शक्ति सिंह जी की 482 वीं जयन्ती सोमवार को राजमहल भीण्डर में मनाई गई। महाराज शक्ति सिंह जी जयन्ती महोत्सव के शुभारंभ पर सभी लोगों ने महाराजा शक्ति सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय क्षित्रय महासभा प्रदेश अध्यक्ष रणधीर सिंह भींडर, मुख्य अतिथि मेवाड़ क्षित्रय महासभा के केन्द्रीय अध्यक्ष अशोक सिंह मेतवाला ,विशिष्ट अतिथि रावत भूपेंद्र सिंह बानसी ,रावत विक्रम सिंह बोहेड़ा, ठ्राप कैप्टन गजेंद्र सिंह बानसी, भूपेंद्र सिंह सावर, पूर्व प्रधान शक्तिसिंह मुरलिया, दिग्विजय सिंह पिपलिया, ऋतुराज सिह ओछ्ड़ी रहे।

इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि महाराणा प्रताप से उम्र में दो वर्ष छोटे महाराज शक्ति सिंह जी जिन्होंने 1567-68 में अकबर के चितौड़ पर आक्रमण की सर्वप्रथम सूचना महाराणा उदय सिंह जी को दी थी जिसके कारण ही सम्पूर्ण राज परिवार सुरक्षित रह पाया।

हल्दीघाटी युद्ध में महाराणा प्रताप का पीछा कर रहे खुरासान व मुल्तान सैनिकों को मारकर प्रताप की रक्षा की। फिर स्वयं का घोड़ा प्रताप को भेंटकर युद्ध क्षेत्र से सकुशल निकलने में मदद करने वाले भी महाराज शक्ति सिंह जी ही थे। शक्तावतों की बीरदावली दूणा दातार चौगुणा जुझार, खुरासाण मुलताण रा आगल है।

महाराज शक्तिसिंह जी के वंशज शक्तावत कहलाये जिनका सम्पूर्ण क्षैत्र में काफ़ी मान सम्मान रहा है। शक्तावतों को दो बड़े ठिकाने भीण्डर व बान्सी को मेवाड़ में उमराव की पदवी दी गई थी व और कई ठिकाने मेवाड़ में हुए जिनको उनकी बहादुरी के लिए महाराणा मेवाड़ ने स्वयं ने जागीरें प्रदान की थी।ये जागीरें ज़्यादातर मेवाड़ की सीमाओं पर दी गई थी ताकि बाहरी आक्रमण को सँभाला जा सके। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि आने वाले समय में इस कार्यक्रम को विस्तृत रूप से मनाया जाये। महाराजा शक्ति सिंह की पनोरमा बनाई जाये, महाराजा शक्ति सिंह की छतरी का जिर्णोद्धार किया जाये। महाराजा शक्ति सिंह के जीवन परिचय को जन जन तक पहुंचाने के साथ ही जो भी साहित्य में उनके जीवन परिचय को लेकर जो भ्रांतियां हैं उनको दुर किया जाये।

15 दिवसीय खुदरा उर्वरक विक्रेता प्राधिकार पत्र प्रशिक्षण का समापन

उदयपुर, 27 मई। एमपीयूएटी शिक्षा, शोध व प्रसार के साथ-साथ ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगारपरक पाठ्यक्रम भी संचालित करता है ताकि स्थानीय स्तर पर ही उन्हें रोजगार मिल सके। प्रसार शिक्षा निदेशालय की ओर से खुदरा उर्वरक विक्रेता का यह प्रशिक्षण सतत् रूप से संचालित है और अब तक सैकडो युवा अपने गांवों में सफल उर्वरक विक्रेता के रूप में अपनी साख जमा चुके है। कार्यवाहक प्रसार शिक्षा निदेशक एवं प्राध्यापक डॉ. लतिका व्यास ने सोमवार का यह बात कही। डॉ. लतिका निदेशालय की ओर से आयोजित 15 दिवसीय खुदरा उर्वरक विक्रेता प्राधिकार पत्र प्रशिक्षण के समापन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रही थीं। 13 से 27 मई तक आयोजित प्रशिक्षण में उदयपुर, राजसंमन्द, बांसवाड़ा, सलूम्बर और भीलवाडा जिलों से 36 ग्रामीण युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। डॉ. लतिका व्यास ने कहा कि प्रशिक्षणोपरांत ग्रामीण युवा विवि और किसानों के बीच एक मजबूत सेतु की भूमिका भी अदा करते हैं क्योंकि फसलों में कोई भी समस्या आने पर किसान स्थानीय उर्वरक विक्रेता से भी अवश्य सम्पर्क साधता है ऐसे में उर्वरक विक्रेता को विवि के वैज्ञानिकों, कृषि विभाग से सतत् सम्पर्क बनाये रखना चाहिए ।

अवैध गांजा बरामद

उदयपुर, 27 मई। बैकरिया थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान बाइक सवार दो बदमाशों के कब्जे से अवैध गांजा जब्त कर प्रकरण दर्ज किया।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक राजेन्द्रसिंह राठौड़ के सुपरविजन में बैकरिया थाना इंचार्ज उत्तमसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने अवैध मादक पदार्थो के खिलाफ कार्यवाही करते हुए 5 किलों 50 ग्राम अवैध गांजा जब्त कर दोनों ओरापियों को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया।

सार-समाचार

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस

उदयपुर, 27 मई। भूपाल नोबल्स स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रसायन विभाग द्वारा इमर्जिंग ट्रेंड्स इन केमिकल साइंसेज फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट विषय पर 28 एवं 29 मई को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। हाइब्रिड मोड पर आधारित कॉन्फ्रेंस में देश-विदेश से प्राप्त 170 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। मुख्य संरक्षक एवं विवि चेयरपर्सन प्रो.कर्नल शिवसिंह सारंगदेवोत, संरक्षक एवं विवि अध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह राठौड, सह संरक्षक एवं विवि कुल सचिव मोहब्बत सिंह राठौड के अनुसारआयोजन से शोधार्थियों द्वारा प्राप्त निष्कर्ष से नये आयाम एवं चिंतन की नई दिशाएं तय होगीं। कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष डॉ. रेणू राठौड एवं कॉन्फ्रेंस निदेशक डॉ. रितु तोमर ने बताया कांफ्रेंस में पांच तकनीकी सत्र होंगे साथ ही ओरल प्रेजेंटेशन एवं पोस्टर प्रेजेंटेशन भी इसी के तहत होंगे। आयोजन सचिव, विभागाध्यक्ष डॉ.नरेंद्र सिंह चुंडावत,भू.नो.वि. एवं डॉ.जय सिंह जोधा,ज.रा.ना.रा.वि.ने विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि कार्यक्रम में देश-विदेश के प्रसिद्ध विषय विशेषज्ञ सम्मिलित होंगे साथ ही उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. अजय कुमार शर्मा, वाइस चांसलर एमबीएम यूनिवर्सिटी, जोधपुर अतिथि के रूप में प्रो. अनामिक शाह, पूर्व वाइस चांसलर, गुजरात विद्यापीठ अहमदाबाद एवं कीनोट स्पीकर के रूप में डॉ.सतीश चंद्र तिवारी, पूर्व डायरेक्टर प्रोसेस केमिस्ट्री आरओटीएएम एग्रोकेमिकल हॉन्ग कोंग, डॉ एलेसेंड्रॉ बासों, ग्लोबल डायरेक्टर सेल्स एंड मार्केटिंग लाइफ साइंस, चीन एवं समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. सुनीता मिश्रा,वाइस चांसलर मो.सु.वि. उदयपुर तथा सम्मानीय अतिथि प्रो.बी एल चौधरी, पूर्व वाइस चांसलर मो.सु.वि.उदयपुर भी उपस्थित होंगे।

साहित्यिक आयोजन रिदम शुरू

उदयपुर, 27 मई। मोहनलाल सुखाडिया विवि के शिक्षा संकाय में तीन दिवसीय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रतियोगिताएं रिदम की शुरुआत हुई । कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो. सुनीता मिश्रा, कुलपति मोहनलाल सुविवि, डॉ प्रभा बाजपेयी , प्राचार्य , राजस्थान महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, प्रो. दिग्विजय भटनागर अध्यक्ष, शिक्षा संकाय, डॉ. अल्पना सिंह ,प्रमुख शिक्षा संकाय के द्वारा दीप प्रज्वलन से किया गया । कार्यक्रम में शिक्षा संकाय के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति का आयोजन किया गया। प्रथम दिवस मेहंदी प्रतियोगिता ,पोस्टर मेकिंग (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) एवं एकल गीत का आयोजन किया गया । विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रभा वाजपेयी ने कहा कि यह मंच आपके लिए उपयोगी होगा और आपकी प्रतिभाएं सामने आएगी। अतिथियों को शिक्षा संकाय अध्यक्ष एवं शिक्षा संकाय प्रमुख द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किए ।

हमले में युवक घायल

उदयपुर, 27 मई। आपसी रंजिश के चलते हमलावर चाकू से हमला कर युवक को गंभीर घायल कर फरार हो गए।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित मो. कलाम पुत्र अब्दुल रहमान निवासी गोसिया कॉलोनी गलीनं. 3 पर आरोपी ईरफान उर्फ भैया, मोगरी, चिकु ने आपसी रंजिश के चलते मारपीट की इस दौरान इरफान चाकू से हमला कर फरार हो गया। कलाम ने पूर्व में आरोपियों के साथ मारपीट की थी। इसी रंजिश के चलते 26मई को मौका देख आरोपी हमला करफरार हो गए। हमले में घायल कलाम को उपचार के लिए चिकित्सालय में भर्ती करवाया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जिसकी जांच एएसआई चन्द्रभान सिंह को सौंपी है।

अज्ञात युवक की अकाल मौत

उदयपुर, 27 मई। शहर के प्रताप नगर थाना क्षैत्र में व्यक्ति की अकाल मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार सांय प्रतापगर थाना क्षैत्र ठोकर चोराहा पर अज्ञात व्यक्ति की अकाल मौत हो गई। सांय साईकिल के साथ आया व्यक्ति साईकिल खड़ी कर कुछ देर सीढीयों पर बैठा और नीचे गिर पड़ा। इसको देख वहां मौजूद लोगों ने 108 एम्बुलेंस को सूचित किया जो उसे चिकित्सालय ले गई जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हॉक 3 पर तैनात कांस्टेबल भारमल एवं सिग्मा 5 पर तैनात राहुल मौके पर पहुंचे। जब तक एम्बुलेन्स उसे ले जा चुकी थी। इस पर पुलिस ने मृतक की साईकिल को कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्तगी के प्रयास शुरू किए।

जेवरात व नकदी चोरी

उदयपुर, 27 मई। अम्बामाता थाना क्षैत्र में सूने मकान से चोर जेवरात व नकदी चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसर पीडित नरेन्द्र कुमार पुत्र चुन्नीलाल निवासी महात्मा गांधी सरकारी विद्यालय के पिछे एकलव्य कॉलोनी गलीनं. 2 ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमेंपीडित ने बताया कि मैं 22 मई को ड्यूटी पर गया था एवं परिजन गांव गए थे। इस दौरान मकान सूना था। जिसका अज्ञात चोर ताला तोड़ कर सोने का नैकलेस, चांदी के जेवरात एवं करीब 3 हजार रूपये नकदी चुरा ले गए। ड्यूटी बाद घर पहुंचने पर ताला टूटा हुआ एवं कमरोंमें सामान बिखरा पड़ा था। इस दौरान तलाशी लेने पर जेवर व नकदी गायब थी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। जिसकी जांच एएसआई ललितसिंह कर रहे है।

अधिकारियों को बैठक आज

उदयपुर, 27 मई। उदयपुर जिले की प्रभारी सचिव व खान एवं पेट्रोलियम विभाग की शासन सचिव श्रीमती आनन्दी की अध्यक्षता में मंगलवार 28 मई को शाम 5.30 बजे जिला सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के सभागार में जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की बैठक आयोजित होगी। अतिरिक्त जिला कलक्टर राजीव द्विवेदी ने जिला स्तरीय अधिकारियों को राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट के साथ बैठक में उपस्थित रहने एवं सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को वीसी के माध्यम से बैठक में भाग लेने के निर्देश दिए है।

खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

राजसमंद, 27 मई। अखिल भारतीय हरिवंशीय कीर समाज, कीर समाज भीलवाडा, शाहपुरा और केकडी के संयुक्त तत्वावधान में यहां पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोग्यता का समापन हरिवंशीय कीर समाज धर्मशाला धनोप माताजी शक्तिपीठ में वीरांगना मां पूरी बाई कीर कल्याण बोर्ड मध्य प्रदेश के अध्यक्ष गया प्रसाद दायमा के मुख्य अतिथ्य में हुआ। विशिष्ट अतिथि मध्य प्रदेश कीर समाज सेवा संगठन के अध्यक्ष व राष्ट्रीय नशा मुक्ति अभियान के संयोजक कोमल सिंह बानिया, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी भीलवाडा बंशीलाल कीर, शिक्षाविद् सत्यनारायण कीर, टेक्सटाइल मिल के मैनेजर माधवलाल कीर कोटडी, हिंगोनिया सरपंच घीसालाल कीर, पूर्व सरपंच कैलाशचंद्र कीर नपावली चित्तौडगढ, त्रिवेणी चोखला के भोजाराम कीर, बागुदार कीर समाज सीहोर जिलाध्यक्ष भगवतसिंह कीर, भाजपा नेता सुरेंद्र कीर मध्य प्रदेश, बद्रीलाल कीर, आर्जियां कीर समाज प्रदेश उपाध्यक्ष नानूराम कीर, कीर समाज के प्रथम आईपीएस के पिता प्रहलाद कीर अलांबु, नारायणलाल सरस डेयरी भीलवाडा, मध्य प्रदेश कीर समाज के युवा नेता केवल कीर, बंटी कीर, समाजसेवी चंद्रसेन कीर, भाजपा विस्तारक एवं युवा नेता धर्माराम कीर, बर बिलाडा हरिवंशीय कीर समाज कीर प्रदेश सचिव कैलाश चंद्र कीर मोही, बडा चौखला हरिवंशीय कीर समाज के सचिव जगदीश चंद्र कीर, कीर समाज भीलवाडा अध्यक्ष देवीलाल कीरसहित अन्य विशिष्टजनों की मौजूदगी में तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता का समापन हुआ।

पर्यटकों को उदयपुर की जैव विविधता की ओर करें आकर्षित: संभागीय आयुक्त

उदयपुर, 27 मई। उदयपुर जन्तुआलय विकास ट्रस्ट की बैठक सोमवार को संभागीय आयुक्त व ट्रस्ट अध्यक्ष राजेंद्र भट्ट की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय सभागार में हुई। बैठक में जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल, नगर निगम के महापौर गोविन्दसिंह टांक तथा मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एस आर वी मूर्थी भी मंचासीन रहे।

बैठक में संभागीय आयुक्त भट्ट ने कहा कि उदयपुर में प्रति वर्ष जितने देशी-विदेशी पर्यटक आते हैं उनमें से बहुत कम सज्जनगढ़ वन्यजीव अभ्यारण्य और

■ **अभ्यारण्य और बायोलॉजिकल पार्क में सुविधाएं बढ़ाने एवं व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश**

■ **बाघदर्रा क्रोकोडाइल संरक्षित क्षेत्र के समुचित विकास पर भी मंथन**

बायॉलोजिकल पार्क में पहुंचते हैं। इसका मुख्य कारण यही है कि लोगों को इसकी जानकारी ही नहीं हैं। इसलिए जरूरी है कि जैव विविधता के बारे में अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने वन विभाग को नगर निगम से समन्वय कर शहर के प्रमुख स्थलों पर होर्डिंग्स लगवाने के निर्देश दिए। होटल्स

जन्तुआलय विकास ट्रस्ट की बैठक लेते संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट तथा उपस्थित अधिकारीगण।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों को भी अपने वहां आने वाले गेस्ट को जैव विविधता स्थलों जैसे सज्जनगढ़ अभ्यारण्य, बॉयोलॉजिकल पार्क, बाघदर्रा क्रोकोडाइट कंजर्वेशन, बटरफ्लाई पार्क, बर्ड पार्क आदि के बारे में बताते के लिए पर्याप्त फ्लेक्स, स्टैण्डीज लगवाने के निर्देश दिए। गाइड एसोसिएशन पदाधिकारियों को भी पर्यटकों को इन स्थलों पर ले जाकर उदयपुर की समृद्ध प्राकृतिक धरोधरों से रूबरू कराने को कहा।

बैठक के प्रारंभ में सदस्य सचिव उप वन संरक्षक वन्यजीव डीके तिवारी ने आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। इसमें उन्होंने बताया कि अभ्यारण्य और बॉयोलॉजिकल पार्क के लिए निर्धारित टिकट से में ट्रस्ट को प्रति टिकट 20 रूपए प्राप्त होते हैं। वर्ष 2023-24 में ट्रस्ट की कुल आय तकरीबन डेढ़ करोड़ रही। रखरखाव सहित अन्य कार्यों पर कुल 3.22 करोड़ रूपए व्यय हुए। ट्रस्ट के पास अब तक की कुल बचत 5.37 करोड़ है तथा आगामी सत्र में 5.26 करोड़ के कार्य प्रस्तावित हैं। इस पर संभागीय आयुक्त ने आय बढ़ाने पर जोर दिया।। बैठक में पीडब्ल्यूडी के अतिरिक्त मुख्य अभियंता अशोककुमार शर्मा, उपनिदेशक पर्यटन शिखा सक्सेना, संयुक्त निदेशक पशुपालन डॉ शरद अरोड़ा, आरएसआरडीसी के परियोजना निदेशक शशांक शर्मा सहित अन्य अधिकारीगण, होटल एसोसिएशन तथा गाइड एसोसिएशन के पदाधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

बैठक में ग्रीन पीपुल्स सोसायटी के अध्यक्ष राहुल भटनागर, पर्यावरणविद् डॉ तेज राजदान, ट्रस्टी अरविन्द सिंघल आदि ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

वीडियो कांफ्रेस के माध्यम से ली बैठक

उदयपुर, 27 मई। आगामी वर्षा ऋतु में प्रदेश में प्रारंभ होने वाले सघन पौधरोपण अभियान की तैयारियों की समीक्षा को लेकर अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज अभयकुमार ने वीडियो कांफ्रेन्स के माध्यम से बैठक ली।

एसीएस ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में भीषण गर्मी का आलम है। इसे देखते हुए पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन की और अधिक आवश्यकता है। राज्य सरकार की ओर से प्रारंभ किया जा रहा पौधरोपण अभियान इसमें सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने प्रदेशव्यापी अभियान को सफल बनाने के लिए सभी विभागों को समन्वित प्रयास की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि पौधरोपण के साथ ही पौधों की देखभाल भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने जिले एवं विभाग वार पौधरोपण लक्ष्यों तथा उनके अनुरूप की जा रही तैयारियों की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वीसी के पश्चात अभियान की नोडल प्रभारी व सीईओ जिला परिषद कीर्ति राठौड़ ने विभागवार लक्ष्यों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि उदयपुर जिले में वन विभाग की ओर से तकरीबन 9 लाख, ग्रामीण विकास पंचायतीराज विभाग की ओर से 3 लाख, शिक्षा विभाग की ओर से करीब साढ़े 6 लाख, जलग्रहण की ओर से 14 हजार, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से 25 हजार, हिन्दूस्तान जिंक की ओर से 15 हजार, खान विभाग की ओर से 9 हजार, महिला एवं बाल विकास की ओर से 6 हजार, राजीविका की ओर से साढ़े 6 हजार पौधे लगाएं जाएंगे।

प्रकृति-मानव केंद्रित जन आंदोलन की बैठक सम्पन्न

राजसमंद, 27 मई। प्रकृति-मानव केंद्रित जन आंदोलन तथा प्रकृति-मानव हितैषी खेती किसानी अभियान उदयपुर संभाग के कार्यकर्ताओं की एक दिवसीय संयुक्त बैठक एडवोकेट अध्यक्ष मंडल बलवंत सिंह राठौड की अध्यक्षता में हुई। बैठक में एडवोकेट मन्नाराम डांगी ने प्रकृति-मानव केंद्रित जन आंदोलन के एजेंडे तथा प्रकृति-मानव हितैषी खेती किसानी अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्तमान समय में धन, सत्ता और ताकत केंद्रित भारत सहित विश्व की कॉर्पोरेट व्यवस्था से उत्पन्न और तीव्र गति से बढ रही ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन से मानव सहित संपूर्ण जीव जगत के अस्तित्व को बचाने के लिए प्रकृति और मानव हितेषी प्राकृतिक, जैविक खेती की व्यवस्था बनाने तथा देश के बीच विवादों का हल युद्ध और टकराहट की बजाय संबंधित पक्षों में बातचीत,सहमति से कराकर युद्ध और हथियारों की होड से बचाने तथा उचित समता वाली, जन सशक्तिकरण वाली व्यवस्था बनाने की जरूरत है। इससे पर्यावरण शुद्ध होगा, सभी बेरोजगारों को रोजगार दिया जा सकेगा तथा भूमि, मानव, पशु सहित सभी जीव जंतुओं का स्वास्

पिछले नौ साल मैंने ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट को दिए हैं। जब क्रिकेट से समय मिलता था, तब मैं वह समय अपनी पत्नी और परिवार को देता था लेकिन अब मैं अपने करियर के आख़िरी पड़ाव पर हूं और फ्रैंचाइज़ी क्रिकेट खेलना चाहता हूं। **– मिचेल स्टार्क**

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज, भविष्य में वनडे क्रिकेट से संन्यास लेने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अंकुशिता बोरो

पेरिस ओलंपिक के लिए बॉक्सिंग वर्ल्ड क्वालीफायर में पूर्व विश्व युवा चैंपियन अंकुशिता बोरो ने सोमवार को 60 किठा वर्ग में मंगोलिया की नामुन मोनखोर पर जीत हासिल की, जबकि 80 किठा भार वर्ग में अभिमन्यु लौरा आयरलैंड के केलिन कैसिडी से हार गये। बोरो ने अपने युवा मंगोलियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ मजबूत शुरुआत की। उसने तीन मैचों के बाद 4-1 से जीत हासिल करने के लिए रणनीतिक रूप से गियर बदलकर मोनखोर की तेज चाल को प्रभावी ढंग से कुंद कर दिया। हालाँकि, लौरा के लिए यह सफर निराशाजनक रहा।

क्या आप जानते हैं ?... जिम्माब्वे के तातेन्द्रा तेबु ने मई, 2004 में श्रीलंका के विरुद्ध अपनी टीम की कप्तानी करके सबसे कम उम्र का टैस्ट कप्तान बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

दीपा करमाकर ने इतिहास रचते हुए एशियन चैम्पियनशिप में जीता स्वर्ण

नई दिल्ली, 27 मई। भारत की स्टार जिम्नास्ट दीपा करमाकर ने इतिहास रच दिया है। दरअसल, उन्होंने जिम्नास्टिक में देश को एशियन सीनियर चैंपियशिप में गोल्ड मेडल दिलाया है। दीपा ये कारनामा करने वाली देश की पहली खिलाड़ी बन गई हैं। रविवार को उन्होंने वुमेन वॉल्ट में ये मेडल अपने नाम किया। दिपा करमानकर का वॉल्ट फाइनल में फाइनल के आखिरी दिन औसत 13.566 का था। ये टूर्नामेंट उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में खेला गया। वहीं दीपा की सफलता पर भारतीय बिजनेसमैन आनंद महिंद्रा ने भी रिएक्शन दिया है। 30 वर्षीय दीपा ने फाइनल में नॉर्थ कोरिया की किम सोन ह्यांग और जो क्योंग ब्योल को मात दी। ह्यांग का औसत स्कोर 13.466 था और ब्योल का स्कोर 12.966 का। दोनों ने क्रमश: सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। 2016 रियो ओलंपिक खेलों में वॉल्ट फाइनल में चौथे स्थान पर रहीं दीपा ने इससे पहले 2015 में इसी प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। हालांकि, पहली बार किसी ने गोल्ड मेडल जीता है।

धोनी ने फिर बदला हेयरस्टाइल, अब नए लुक में आ रहे हैं नजर

नई दिल्ली, 27 मई। एमएस धोनी ने फिर से अपना लुक चेंज किया है। इसके लिए धोनी मशहूर हेयरस्टाइलिस्ट आलिम हकीम के यहां पहुंचे थे। जहां, सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट ने धोनी की तस्वीर शेयर

की। साथ ही ये भी बताया कि हेयर सेशन के दौरान धोनी ने सैलून में क्या-क्या एक्टिविटीज कीं। आलिम हकीन ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने लिखा है कि सिक्रेटली धोनी हमारे सैलून पहुंचे जो कि अपने आप में एक बड़ा सरप्राइज था। बता दें कि, आईपीएल 2024 में चेन्नई प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाई थी। जिसके बाद चेन्नई को टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा। उसके बाद एमएस धोनी आईपीएल से टीम के बाहर होने के बाद अपने घर रांची पहुंचे, कुछ वक्त बिताने के बाद वह मुंबई पहुंचे थे। आलिम हकीम ने एमएस धोनी की अपने सैलून में फोटो शेयर की है। इसमें धोनी गॉगल्स पहने हुए नए लुक में नजर आ रहे हैं। आलिम ने आगे लिखा है कि हेयर-सेशन के दौरान धोनी ने कुछ विंटेज म्यूजिक प्ले की और उसका जमकर लुत्फ उठाया। इसने हमारे दिन को और शानदार बना दिया। उन्होंने लिखा कि जिंदगी में कुछ दिन होते हैं जो हमेशा के लिए यादगार बन जाते हैं। इसके आगे हकीम ने लिखा कि इन तमाम चीजों के लिए आपको ढेर सारा प्यार माही सर। आईपीएल 2024 शुरू होने से पहले ही एमएस धोनी ने अपना हेयरस्टाइल बदला था। उस दौरान वह लंबे बालों में नजर आए थे। लंबे बालों में धोनी ने अपनी जबरदस्त धाक जमाई थी।

केकेआर की जीत पर ममता बनर्जी ने दी बधाई

कोलकाता, 27 मई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आईपीएल ट्रॉफी जीतने पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम को बधाई दी है और आने वाले वर्षों में और अधिक ट्रॉफी की कामना की है। बनर्जी ने रविवार देर रात एक्स पर पोस्ट किया कोलकाता नाइट राइडर्स की जीत से पूरे बंगाल में जश्न का माहौल है। मैं आईपीएल के इस सीजन में रिकॉर्ड तोड़ने वाले प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और फ्रेंचाइजी को व्यक्तिगत रूप से बधाई देना चाहती हूं और आने वाले वर्षों में ऐसी और आकर्षक जीत की कामना करती हूं। केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर ने एक संदेश में कहा, हमने इस क्षण के लिए अथक प्रयास किया है। हमने एक-दूसरे के लिए खेला है, हमने एक-दूसरे के लिए बहुत त्याग किया है, और यह इस बेशकीमती ट्रॉफी पर हमारा हाथ है। मालिकों, प्रबंधन, कोचिंग स्टाफ, मेरे साथियों और प्रशंसकों को तहे दिल से धन्यवाद। गौरतलब है कि आईपीएल 2024 के फाइनल में रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद को आसानी से हरा कर तीसरी बार ट्राफी पर कब्जा किया था।

अतिका मीर ने बनाया नया लैप रिकॉर्ड

संयुक्त अरब अमीरात, 27 मई। यूरोपीय ट्रैक में प्रतिस्पर्धा करने के बाद, अतिक़ा मीर ने संयुक्त अरब अमीरात में आरएके ट्रैक पर आयोजित आईएएमई समर सीरीज़ कप राउंड 1 में मिनी श्रेणी में समग्र रूप से तीसरा और मिनी आर श्रेणी में दूसरा स्थान हासिल किया। कश्मीर की नौ साल की कार्टिंग सनसनी अतिक़ा मीर ने शानदार क्वालीफाइंग सत्र के बाद, कुल मिलाकर दूसरा स्थान हासिल किया, अतिक़ा को एक चुनौतीपूर्ण प्री-फ़ाइनल दौड़ का सामना करना पड़ा, जहाँ वह छठे स्थान पर रहीं। हालाँकि, उसने फ़ाइनल रेस में उल्लेखनीय वापसी की और तेज़ी से मैदान में आगे बढ़ी। 39 डिग्री की भीषण गर्मी के बावजूद, अतीक़ा ने तेज़ गति से आगे बढ़ीं, और रेस का समापन एक रोमांचक अंत में हुआ, जहां शीर्ष तीन कारों ने केवल 0.20 सेकंड के अंतर पर लाइन पार किया। रेस के दौरान, उसने इवेंट का सबसे तेज़ लैप समय और आरएके ट्रैक एल ऑप्शन लेआउट के लिए एक नया लैप रिकॉर्ड भी बनाया। अतिका ने कहा, मेरे पास जीतने की गति थी, इसलिए मैं थोड़ा निराश हूं, लेकिन यह एक अच्छी रेस थी और मैंने इसका भरपूर आनंद लिया।

भारत ने उज्बेकिस्तान के खिलाफ मैचों के लिए 23 सदस्यीय महिला फुटबॉल टीम घोषित की

नई दिल्ली, 27 मई। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने उज्बेकिस्तान के खिलाफ 31 मई और चार जून को ताशकंद में खेले जाने वाले दो अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैचों के लिए सोमवार को 23 सदस्यीय सीनियर महिला टीम की घोषणा की। टीम की 30 संभावित खिलाड़ियों ने हैदराबाद में श्रीनिधि डेक्कन एफसी के घरेलू मैदान पर दो सप्ताह तक प्रशिक्षण लिया जिसके बाद मुख्य कोच एल चाओबा देवी ने 23 सदस्यीय टीम का चयन किया। भारतीय दल बुधवार को ताशकंद रवाना होगा।भारत ने इस साल की शुरुआत में चार देशों के 'तर्किश विमेंस कप' में हिस्सा लिया था। टीम इसमें कोसोवो के बाद दूसरे स्थान पर रही थी। इस टूर्नामेंट में एस्टोनिया और हांगकांग भी टीमें भी शामिल थी। भारतीय महिला फुटबॉल टीम: गोलकीपर: श्रेया हुडा, मैबाम लिनथोइनगांबी देवी, एम मोनालिसा देवी। डिफेंडर: एल आशालता देवी, संजू, हेमम शिल्की देवी, जूली किशन, अस्तम ओरांव, अरुणा बैग, सोरोखैबम रंजना चानू, वांगखेम लिन्थोइंगंबी देवी। मिडफील्डर: कार्तिका अंगमुथु, कविया, नाओरेम प्रियंगका देवी, नेहा, संध्या रंगनाथन, संगीता बासफोर, सौम्या गुगुलोथ, अंजू तमांग। फॉरवर्ड: काजोल डिसूजा, करिश्मा शिरवोइकर, प्यारी खाखा, सेर्टो लिंडा कॉम।

ऑस्ट्रेलिया टीम पर मंडराया संकट

नई दिल्ली, 27 मई। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 शुरू होने में अब बस कुछ ही दिन शेष है। इससे पहले वॉर्म अप मैच खेले जाने हैं, जिसकी शुरुआत आज यानी 27 मई से होने वाली है। एक जून को आखिरी वॉर्मअप मैच खेला जाएगा, जो भारत और बांग्लादेश के बीच है। हालांकि, इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम पर एक संकट मंडरा रहा है। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया टीम ने दो वॉर्मअप मैच खेलने हैं, लेकिन इसमें से पहले मैच के लिए उनके पास पर्याप्त 11 खिलाड़ी उपलब्ध नहीं हैं। दरअसल, 28 मई को ऑस्ट्रेलिया की टीम अपना पहला वॉर्मअप मैच खेलने उतरेगी। इस मैच में टीम को अपने सपोर्ट स्टाफ के सदस्यों से फील्डिंग करानी पड़ सकती है। हालांकि, वे बल्लेबाजी या गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे। यहां तक कि जो खिलाड़ी रिजर्व के तौर पर टीम में शामिल हैं, वह भी वॉर्मअप मैच में उपलब्ध नहीं हो सकते हैं। यहीं कारण है कि ऑस्ट्रेलिया की टीम को अपने सपोर्ट स्टाफ की जरूरत होगी। वहीं, रिपोर्ट्स की मानें तो पहले वॉर्मअप मैच के लिए सिर्फ 8 खिलाड़ी ही उपलब्ध होंगे, क्योंकि कुछ खिलाड़ी अभी त्रिनिदाद पहुंचे हैं हैं और कई खिलाड़ी आईपीएल 2024 के फाइनल में खेले थे। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया पर संकट है कि वॉर्मअप मैच के लिए सभी खिलाड़ी उपलब्ध होंगे और वहां किसी भई तरह से सपोर्ट स्टाफ को यूज करने की जरूरत नहीं होगी। बता दें कि, ऑस्ट्रेलिया की फाइनल फिफ्टी के 3 खिलाड़ी आईपीएल 2024 फाइनल में खेले थे। इनमें ट्रैविस हेड, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क का नाम शामिल है। ये खिलाड़ी 30 मई को होने वाले मैच में ही खेल पाएंगे। इसके अलावा अभी मिचेल मार्श कप्तानी करेंगे, लेकिन फील्ड पर नजर नहीं आएंगे। हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण वे सिर्फ बल्लेबाजी करेंगे। आईपीएल खेलने वाले खिलाड़ी पहले ऑस्ट्रेलिया रवाना होंगे।

टी-20 विश्वकप के लिये मिस मार्श ने खुद को बताया फिट

सिडनी, 27 मई। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप अभियान के लिये खुद को फिट घोषित किया है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शुरुआती चरण के दौरान अप्रैल में ऑलराउंडर की हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी और इसके बाद उन्होंने कोई मैच नहीं खेला है। टी20 विश्व कप शुरू होने में अब जब एक सप्ताह से भी कम समय बचा है, रविवार को त्रिनिदाद में प्रशिक्षण के दौरान मार्श अच्छी लय में दिखे । पांच जून को बारबाडोस में टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में ओमान से मुकाबला करने के लिए वह मैदान में उतरने के लिये तैयार हैं।

मार्श ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को बताया, एक बार जब मैं आईपीएल से बाहर हो गया था, तो हमने निश्चित रूप से सही होने में अपना समय लिया और मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे खुद को तरोताजा होने के लिये थोड़ा अतिरिक्त समय मिला। मार्श के मंगलवार को नामीबिया के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के अभ्यास मैच में भाग लेने की संभावना है। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पूरी तरह से एक बल्लेबाज के रूप में खेलेंगे और अभी कुछ समय तक गेंदबाजी में वापसी नहीं करेंगे।

मार्श ने कहा अभी मैं बल्लेबाजी पर पूरा ध्यान दूंगा और उम्मीद है कि मैं जल्द ही गेंदबाजी करना शुरू कर दूंगा। उन्होने कहा ''हम भाग्यशाली हैं कि हमारे पास गेंद के साथ इतने सारे विकल्प और इतनी प्रतिभा है। स्टोइन (मार्कस स्टोइनिस) और ग्रीनी (कैमरून ग्रीन) के तौर पर हमारे पास बहुत सारे विकल्प हैं। इसके बावजूद जब मुझे गेंदबाजी करने की जरूरत होगी तब मैं गेंदबाजी करूंगा।

मंगलवार को त्रिनिदाद में नामीबिया के खिलाफ अभ्यास मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया की एकादश में मार्श के साथ कौन शामिल होता है, यह देखना अभी बाकी है, क्योंकि कंगारु टीम के कई खिलाड़ी वेस्ट इंडीज नहीं पहुंचे हैं। सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड और तेज गेंदबाज पैट कमिंस और मिच स्टार्क सभी उस आईपीएल खिताब के निर्णायक मैच में शामिल हुए थे और अपने साथियों के साथ जुड़ने से पहले कुछ आराम के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएंगे। कैरेबियन द्वीप समूह की यात्रा के लिये रिजर्व जेक फ्रेजर-मैकगर्क और मैट शॉर्ट का भी आना अभी बाकी है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम: मिशेल मार्श (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, ग्लेन मैक्सवेल, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वार्नर, एडम ज़म्पा . ट्रैवलिंग रिजर्व: जेक फ्रेजर-मैकगर्क, मैट शॉर्ट।

हरमनप्रीत की हैट्रिक से भारत ने अर्जेंटीना को 5-4 से हराया

नई दिल्ली, 27 मई। बेल्जियम के एंटवर्प में जारी एफआईएच हॉकी प्रो लीग में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने अर्जेंटीना को 5-4 से हरा दिया। इस दौरान कप्तान हरमनप्रीत सिंह की शानदार हैट्रिक की मदद से भारत ने ये जीत हासिल की।हरमनप्रीत (29वें, 50वें और 52वें मिनट) के अलावा अराइजीत सिंह हुंदल (सातवें मिनट) और गुरजंत सिंह (18वें मिनट) ने भी भारत के लिए गोल किए।

बेल्जियम के एंटवर्प में जारी एफआईएच हॉकी प्रो लीग में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने अर्जेंटीना को 5-4 से हरा दिया। इस दौरान कप्तान हरमनप्रीत सिंह की शानदार हैट्रिक की मदद से भारत ने ये जीत हासिल की।हरमनप्रीत (29वें, 50वें और 52वें मिनट) के अलावा अराइजीत सिंह हुंदल (सातवें मिनट) और गुरजंत सिंह (18वें मिनट) ने भी भारत के लिए गोल किए।

वहीं अर्जेन्टीना के लिए फेडेरिको मोंजा (तीसरे मिनट), निकोलस कीनन (24वेंमिनट), तादेओ मारुची (54वें मिनट) और लुकास मार्टिनेज (57वें मिनट) ने एक-एक गोल दागा। भारत ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले क्वार्टर में अधिकांश समय गेंद पर कब्जा बनाए रखा और सटीक पास देकर अर्जेंटीना के सर्कल में घुसे। हालांकि पहला गोल अर्जेंटीना ने दागा जब फेडरिको ने करीब से गोल करके टीम को 1-0 से आगे किया।

भारत ने जल्द ही बराबरी हासिल कर ली जब अराइजीत ने शानदार मैदानी गोल किया। भारत को पेनल्टी कॉर्नर भी मिला लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सका और पहला क्वार्टर 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ। भारत ने दूसरे क्वार्टर की शानदार शुरुआत की। गुरजंत ने बेहतरीन मैदानी गोल दागकर टीम को 2-1 से बढ़त दिलाई। कीनन ने इसके बाद भारतीय रक्षापंक्ति की चूक का फायदा उठाते हुए सर्कल में प्रवेश किया और गेंद को गोल में पहुंचाकर स्कोर 2-2 कर दिया।

एकदिवसीय क्रिकेट को अलविदा कह सकते हैं मिचेल स्टार्क

कोलकाता, 27 मई। आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क निकट भविष्य में एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से सन्यास ले सकते हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के सदस्य स्टार्क ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 का ख़िताब जीतने के बाद कहा पिछले नौ साल मैंने ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट को दिए हैं। जब क्रिकेट से समय मिलता था, तब मैं वह समय अपनी पत्नी और परिवार को देता था लेकिन अब मैं अपने करियर के आख़िरी पड़ाव पर हूं और फ्रैंचाइज़ी क्रिकेट खेलना चाहता हूं। वनडे विश्व कप अभी बहुत दूर है, तो मैं एक फ़ॉर्मैट को छोड़ भी सकता हूं। स्टार्क इससे पहले 2014 और 2015 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के लिए खेल चुके है। हालांकि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को तवज्जो देते हुये उन्होने आईपीएल के पिछले कुछ संस्करणों में रुचि नहीं दिखलायी थी। आस्ट्रेलियाई गेंदबाज ने कहा सच कहूं तो मैंने इस आईपीएल सीज़न का पूरा लुत्फ़ उठाया। इसके बाद हमें विश्व कप खेलना है, जिसका अपना लाभ है। इस लीग में दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ और ख़िलाफ़ खेलने के बाद आप विश्व कप के लिए भी तैयार होते हैं।

मैं वर्ल्ड कप ट्रॉफी भी उठाऊंगा... केकेआर की जीत के बाद रिंकू सिंह ने कर डाली बड़ी भविष्यवाणी

नई दिल्ली, 27 मई। केकेआर ने रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर आईपीएल 2024 का खिताब अपने नाम किया। कोलकाता ने 10 साल बाद इतिहास दोहराया है। हालांकि, इससे पहले भी दो बार केकेआर आईपीएल का खिताब अपने नाम करने में कामयाब हुई थी। वहीं टीम के स्टार बल्लेबाज रिंकू सिंह ने आईपीएल 2024 के फाइनल में जीत के बाद वर्ल्ड कप ट्रॉफी उठाने की उम्मीद भी जताई है। वहीं जीत के बाद रिंकू ने 'जियो सिनेमा' से कहा, " मैं यहां से पहले नोएडा जाऊंगा और फिर अमेरिका के लिए रवाना होना है। आप लोग देखना, मैं विश्व कप ट्रॉफी भी

उठाऊंगा।" हालांकि, रिंकू को भारत की 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिली है,जो चर्चा का विषय है।

वह शुभमन गिल के साथ उन चार खिलाड़ियों में शामिल हैं जो टीम के साथ रिजर्व के तौर पर यात्रा करेंगे। इस सत्र में केकेआर के प्रदर्शन के बारे मे पूछे जाने पर रिंकू ने पूरी टीम को श्रेय दिया। उन्होंने सात साल बाद टीम में वापसी करने वाले टीम 'मेंटोर' गौतम गंभीर की भी सराहना की। रिंकू ने कहा, "आप सिर्फ एक व्यक्ति को श्रेय नहीं दे सकते क्योंकि हर किसी ने कड़ी मेहनत की है। जब से जीजी (गौतम गंभीर) सर आए हैं, बहुत सारी चीजें बदल गई हैं। सुनील (नारायण) को पारी का आगाज करने के लिए कहा गया और उन्होंने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की।" साथ ही उन्होंने कहा कि, बल्लेबाजों ने अच्छा खेला और गेंदबाजी शानदार रही।

भारतीय जूनियर महिला टीम को जर्मनी से मिली हार

ब्रेडा, 27 मई। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को यूरोप दौरे के चौथे मैच में रविवार को जर्मनी के खिलाफ एकमात्र गोल से हार का सामना करना पड़ा। नीदरलैंड के ब्रेडा में भारत के लिए पहला क्वार्टर चुनौतीपूर्ण रहा जब जर्मनी ने खेल की शुरुआत में ही गतिरोध तोड़कर 1-0 की बढ़त बना ली। खराब मौसम के बावजूद दोनों टीमें कड़े मुकाबले के इरादे में थीं। दूसरा और तीसरा क्वार्टर गोल रहित रहा, जिससे जर्मनी आगे बना रहा, जबकि भारत ने बराबरी का स्कोर बनाने के लिए कड़ी मेहनत की। अंतिम क्वार्टर में जर्मनी ने अपनी बढ़त लगभग दोगुनी कर दी, लेकिन उनके पेनल्टी स्ट्रोक को भारत के गोलकीपर ने नकार दिया। जब कुछ मिनट बचे थे, भारत के पास मैच का अंतिम अवसर पेनल्टी कॉर्नर के रूप में आया, लेकिन वे इसे भुनाने में असफल रहे और जर्मनी से 0-1 से हार मान ली। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अपना अगला मैच 27 मई को डसेलडोर्फ में जर्मनी के खिलाफ खेलेगी।

आईपीएल में ट्रैविस हेड चमके, वार्नर ने किया निराश

नई दिल्ली, 27 मई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने के लिये दिलचस्पी दिखाने वाले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का प्रदर्शन रविवार को संपन्न हुये सत्र में मिला जुला रहा है। आईपीएल में ऑस्ट्रेलियाई टी20 विश्व कप टीम के कई नियमित खिलाड़ी शामिल हुए।ट्रैविस हेड जैसे खिलाड़ियों ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से टूर्नामेंट में आग लगा दी, वहीं डेविड वार्नर और मिशेल मार्श जैसे अन्य खिलाड़ियों का टूर्नामेंट के अधिकांश समय में प्रदर्शन उदासीन रहा, जबकि मिशेल स्टार्क ने शुरुआत में निरंतरता के लिए संघर्ष किया।

ऑस्ट्रेलियाई टीम के लंबे समय तक सदस्य रहे डेविड वार्नर का प्रदर्शन भूलने लायक था। उन्होंने पोंटिंग की दिल्ली कैपिटल्स के लिए चोटों से भरे सीज़न में 21 की औसत से केवल 168 रन बनाए। अपनी हालिया वापसी के बावजूद, पोंटिंग ने वार्नर को टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करने का समर्थन किया।

आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पोंटिंग इस बात से निराश थे कि वार्नर ने अच्छी शुरुआत के बाद अपना फॉर्म खो दिया। पोटिंग ने कहा उन्होंने वास्तव में टूर्नामेंट की बहुत अच्छी शुरुआत की। उनका रन औसत वास्तव में अच्छा था। मिशेल मार्श के साथ वह हमारे लिए बल्लेबाजी की शुरुआत कर रहे थे और यह संयोजन वास्तव में अच्छा काम कर रहा था। हालाँकि, यह साझेदारी तब टूट गई जब मार्श को चोट के कारण स्वदेश लौटना पड़ा और वार्नर ने अपना लय खो दिया, जबकि बाद में उनके हाथ में भी चोट लग गई। स्टार्क ने कहा उसने (वार्नर) वास्तव में स्कोर नहीं बनाया, और फिर उसके हाथ पर एक गंभीर चोट लगी।

पीवी सिंधु की अगुवाई में भारतीय खिलाड़ियों से सिंगापुर ओपन में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

नई दिल्ली, 27 मई। मंगलवार यानी 28 मई से शुरू हो रहे सिंगापुर ओपन 2024 में पीवी सिंधू, एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन सहित शीर्ष भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी दमदार प्रदर्शन करके पेरिस ओलंपिक के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता करने की कोशिश करेंगे।

इस ओपन में विजेता को 850,000 डॉलर (लगभग सात करोड़) पुरस्कार राशि मिलेगी। पेरिस ओलंपिक में दो महीने ही बचे हैं और चार वर्षों में होने वाले इन खेलों में भाग लेने से पहले खिलाड़ियों को खुद के खेल में सुधार करने के लिए सिंगापुर ओपन 750 के अलावा ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500, इंडोनेशिया सुपर 1000, कनाडा ओपन सुपर 500 में

भाग लेने का मौका मिलेगा। थाईलैंड ओपन में हाल ही में चैंपियन बनी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष जोड़ी ओलंपिक के लिए बेहतरीन लय में दिख रही हैं, जबकि सिंधू ने भी रविवार को मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहने के बाद अपना दावा मजबूत किया है। लक्ष्य और प्रणय पिछले कुछ समय से चली आ रही खराब लय को पीछे छोड़ पेरिस खेलों से पहले लय हासिल करने की पूरी कोशिश करेंगे।

टी-20 विश्वकप का मंच तैयार भारत-पाकिस्तान को मिलेगी कड़ी टक्कर

नई दिल्ली, 27 मई। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 शुरू होने के लिए तैयार है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में खिताब की तलाश में 20 टीमें एक साथ आएंगी। ग्रुप-ए में एशियाई ताकतवर भारत और पाकिस्तान शामिल हैं, जिन्हे सह-मेजबान अमेरिका और कनाडा के साथ-साथ आयरलैंड से भी कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी।

रोहित शर्मा के नेतृत्व में भारत का लक्ष्य हाल की विश्व प्रतियोगिताओं में लगातार हार का सिलसिला तोड़ना है। यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत और संजू सैमसन समेत स्टार-स्टडेड लाइनअप के साथ, भारत की बल्लेबाजी की गहराई जबरदस्त है। हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पंड्या, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल और शिवम दुबे बहुमुखी प्रतिभा जोड़ते हैं, जबकि जसप्रित बुमरा के नेतृत्व में गेंदबाजी आक्रमण हावी होने के लिए तैयार है। चोट से वापसी करते हुए, बुमराह भारत के अभियान के लिए महत्वपूर्ण हैं, जिन्होंने हाल के मैचों में असाधारण फॉर्म दिखाया है। बाबर आज़म के नेतृत्व में, पाकिस्तान हालिया करीबी कॉल के बाद आईसीसी ट्रॉफी सुरक्षित करने के मिशन के साथ टूर्नामेंट में प्रवेश कर रहा है। टीम की बल्लेबाजी बाबर, मोहम्मद रिजवान और फखर जमान पर निर्भर है, जबकि गेंदबाजी का नेतृत्व शाहीन अफरीदी करेंगे।

आजम की बल्लेबाजी में निरंतरता पाकिस्तान के लिए महत्वपूर्ण होगी, खासकर टीम का नेतृत्व करने के दबाव में। पॉल स्टर्लिंग आयरलैंड की कप्तानी कर रहे हैं। वे प्रभाव छोड़ना चाहते हैं। हैरी टेक्टर, मार्क अडायर और जोश लिटिल जैसे खिलाड़ियों वाली संतुलित टीम के साथ, आयरलैंड का लक्ष्य पहली बार ग्रुप चरण से आगे बढ़ना है।

टूर्नामेंट में आयरलैंड की महत्वाकांक्षाओं के लिए पॉल स्टर्लिंग का नेतृत्व और बल्लेबाजी कौशल महत्वपूर्ण है। टी20 विश्व कप में पदार्पण करते हुए, अमेरिका का नेतृत्व मोनांक पटेल कर रहे हैं, जिसमें कोरी एंडरसन और अली खान जैसे प्रमुख खिलाड़ी टीम को मजबूत कर रहे हैं। टीम 2004 के बाद अपने पहले बड़े आईसीसी आयोजन में एक मजबूत छाप छोड़ना चाहती है।

अली खान की गति और अनुभव के यूएसए के अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। कप्तान साद बिन जफर अपने पहले टी20 विश्व कप में कनाडा का नेतृत्व कर रहे हैं। टीम में अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं, जिसमें कंवरपाल ताथगुर जैसे कुछ नए चेहरों के साथ नई प्रतिभाएं शामिल हैं।

जिला प्रभारी सचिव 28 एवं 29 मई को प्रभार वाले जिले का भ्रमण करेंगे

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी जिला प्रभारियों को 31 मई तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया

जयपुर, 27 मई (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार सभी जिलों के प्रभारी सचिव 28 एवं 29 मई को अपने प्रभार वाले जिले का दौरा करेंगे। इस दौरान विभिन्न कार्यों का निरीक्षण एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा करेंगे। इसके बाद 31 मई को जयपुर में आयोजित होने वाली वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग के संयुक्त शासन सचिव की ओर से जारी 'आज्ञा' के मुताबिक प्रभारी सचिव जिले में पेयजल एवं बिजली आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा कर इसके अन्तर्गत जिला प्रशासन के अधिकारियों जिला कलेक्टर, अति. जिला कलेक्टर, उप खण्ड अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं विभाग के फील्ड स्तर के अधिकारियों की सक्रियता का आंकलन करेंगे।

प्रभारी सचिवों को हीट वेव एवं मौसमी बीमारियों से सम्बन्धित स्थिति की समीक्षा कर इससे सम्बन्धित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा

- **जिला प्रभारी दो दिन अपने प्रचार वाले जिलों में रूकेंगे तथा विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा करेंगे।**

जिला प्रशासन एवं फील्ड स्तर के अधिकारियों की इस सम्बंध में सक्रियता का आंकलन कर आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, गौशाला एवं अन्य पशु-पक्षियों के लिये पेयजल, दवाईयों आदि की व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करवाने के लिए निर्देशित किया गया है।

प्रभारी सचिव इस दौरान सभी राजकीय विभागों के ई-फाइल डिस्पोजल समय एवं अधिकारियों-कार्मिकों की कार्यक्षमता एवं समय पालन की समीक्षा भी करेंगे। लम्बित भू-हस्तान्तरण, भू-रूपान्तरण एवं भू-आवंटन की स्थिति तथा लम्बित औद्योगिक भू आवंटन प्रस्तावों की जांच भी करेंगे।

साथ ही, जिला प्रशासन एवं अन्य विभाग के अधिकारियों द्वारा भ्रमण, रात्रि विश्राम एवं चौपाल आदि आयोजित करने की समीक्षा करेंगे। प्रभारी सचिव अवैध खनन, ड्रग्स एवं महिला अपराध की स्थिति तथा खाद्य पदार्थों में मिलावट एवं अवधि पार उत्पादों की स्थिति की भी समीक्षा करेंगे और उसकी रिपोर्ट राज्य सरकार को प्रस्तुत करेंगे। प्रभारी सचिवों को मानसून प्रारम्भ होने से पूर्व जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन संरचनाओं एवं अन्य किये जाने वाले ठोस उपाय तथा वृहद स्तर पर पौधरोपण अभियान तैयार कर इसे जन आन्दोलन के रूप में क्रियान्वित करने के भी निर्देश दिए गए हैं। प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग की 'आज्ञा' के अनुसार प्रभारी सचिव दौरे की रिपोर्ट तीन दिन में राजस्थान सम्पर्क पोर्टल के ट्यूर मॉड्यूल पर अपलोड करेंगे।

तृणमूल के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करने वाले हैं। उन्होंने कहा, इस मुद्दे को और अधिक तूल नहीं दे, हमारी इस मामले में दखल देने की इच्छा नहीं हैं।''

कोर्ट की बैंच ने याचिका को वापस लेने के बाद याचिका को खारिज़ करते हुए कहा कि ''याचिकाकर्ता इस बात के लिए स्वतंत्र है कि वह नोटिस को चुनौती दे और उन पर अपना जवाबी हलफनामा पेश करे जिन कानून के प्रावधानानुसार विचार किया जएगा।''

न्यायाधीश ने कहा कि ''आपका चुनावी प्रतिद्वंदी आपका दुश्मन नहीं है।'' तृणमूल कांग्रेस की ओर से इस केस की पैरवी करने के लिए वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी और उनके सहयोगी अमित आनन्द तिवारी भी उपस्थित थे।

केजरीवाल के पी.ए. बिभव कुमार की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली, 27 मई। स्वाति मालीवाल मारपीट मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार की जमानत याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी है। उन्होंने तीस हजारी कोर्ट में याचिका दायर की थी लेकिन जज ने उन्हें राहत देने से इनकार कर दिया। बिभव कुमार पर बीती 13 मई को दिल्ली में मुख्यमंत्री आवास पर स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट करने का आरोप है। दिल्ली की

- **बिभव कुमार पर बीती 13 मई को दिल्ली में मुख्यमंत्री आवास पर स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट करने के मामले में सुनवाई हुई।**

एक अदालत की ओर से बिभव की अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद दिल्ली पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था।

कोर्ट के एक आदेश बाद उन्हें 24 मई को चार दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था।

बिभव कुमार, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने 13 मई को सीएम आवास में स्वाति मालीवाल के साथ बदसलूकी और मारपीट की है।

एक जून को इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल नहीं होंगी ममता बनर्जी

ममता बनर्जी ने लोकसभा चुनाव की व्यस्तता के चलते बैठक में शामिल होने से असमर्थता जताई

कोलकाता, 27 मई। तृणमूल कांग्रेस आगामी 1 जून को विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस की बैठक से दूर रहेगी। ऐसा कहा गया कि मीटिंग वाले दिन ही लोकसभा चुनाव के 7वें और अंतिम चरण का मतदान है, जिसको देखते हुए पार्टी के प्रमुख नेता व्यस्त रहेंगे। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक जून की दोपहर को इंडिया गठबंधन के घटक दलों के नेताओं की बैठक बुलाई है। टीएमसी के सूत्रों ने कहा कि बैठक वाले दिन पश्चिम बंगाल में 9 सीट पर मतदान होगा, जिनमें कोलकाता की 2 सीट (कोलकाता दक्षिण और कोलकाता उत्तर) शामिल हैं, जो पार्टी के लिए महत्वपूर्ण हैं।

टी.एम.सी. के सूत्रों ने कहा, राज्य में उस दिन जिन अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होना है, उनमें यादवपुर, दमदम, बारासात, बशीरहाट, जयनगर, मथुरापुर और डायमंड हार्बर शामिल

- **कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक जून की दोपहर को इंडिया गठबंधन के घटक दलों के नेताओं की बैठक बुलाई है। टी.एम.सी. के सूत्रों ने कहा कि, बैठक वाले दिन बंगाल में 9 सीटों पर मतदान होगा, जिनमें कोलकाता की 2 सीट (कोलकाता दक्षिण और कोलकाता उत्तर) शामिल हैं, जो तृणमूल के लिए महत्वपूर्ण हैं।**

हैं। तृणमूल कांग्रेस चीफ ममता बनर्जी, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और अन्य शीर्ष नेता उस दिन मतदान करेंगे और इसलिए बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे। सूत्र ने इस बात का उल्लेख किया कि पार्टी अब तक विपक्षी गठबंधन की सभी बैठकों में शामिल हुई है। सूत्र के अनुसार, टीएमसी ने बैठक के आयोजकों को शामिल होने में असमर्थता के बारे में जानकारी दे दी है।

इंडिया गठबंधन की पहली बैठक पिछले साल 23 जून को पटना में हुई थी। इसके बाद 17-18 जुलाई, 2023 को बेंगलुरु में और फिर 31 अगस्त से 1 सितंबर के बीच मुंबई में बैठक हुई। विपक्षी गठबंधन की चौथी बैठक 19 दिसंबर को दिल्ली में हुई। इसके बाद अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के विरोध में दिल्ली में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ' रैली में 31 मार्च को विपक्षी नेता शामिल हुए थे। टीएमसी इन सभी बैठकों और जनसभाओं का हिस्सा रही है। दिल्ली में 31 मार्च की रैली में टीएमसी के नेता डेरेक ओब्रायन ने घोषणा की थी कि वे इंडिया ब्लॉक का हिस्सा बने रहेंगे।

भारत पाक सीमा पर हीट स्ट्रोक से जवान की मौत

जैसलमेर, 27 मई (नि.सं.)। भारत-पाक सरहद पर तैनात बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बी.एस.एफ.) के एक जवान की हीट स्ट्रोक के कारण मौत हो गई। इन दिनों बॉर्डर पर तापमान 50 डिग्री के पार हो गया है।

बी.एस.एफ. सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार बी.एस.एफ. की 173वीं बटालियन में तैनात कांस्टेबल अजय कुमार पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के सारू गांव का निवासी था। रविवार को वह सीमा चौकी भानु पर तैनात था। वहां भीषण गर्मी की वजह से उसकी तबियत खराब हो गई। उपचार के दौरान जवान ने दम तोड़ दिया। सोमवार सुबह रामगढ़ अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कर शव बी.एस.एफ. के अधिकारियों को सुपुर्द किया गया। शव को रामगढ़ से सड़क मार्ग द्वारा जोधपुर ले जाया गया है और जोधपुर से हवाई जहाज से उसके पैतृक

- **बॉर्डर सिक्युरिटी फोर्स की 173वीं बटालियन का यह कांस्टेबल अजय कुमार प. बंगाल का रहने वाला था और भानू चौकी पर तैनात था, सरहद पर तापमान 50 डिग्री से भी अधिक है।**

गांव ले जाया जाएगा।

शाहगढ़ पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। रामगढ़ अस्पताल परिसर में शहीद जवान को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। बाद में 173वीं वाहिनी सीमा सुरक्षा बल के अधिकारियों ने जवान के शव पर पुष्प चक्र अर्पित कर उसे श्रद्धांजलि भी दी।

'यू.पी.ए. सरकार ने बजट घाटे को देश और जनता से छुपाने की प्रथा अपना रखी थी'

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि, यू.पी.ए. सरकार ने इसके लिए कट ऑफ बजट तथा ऑयल बॉण्ड्स का सहारा ले रखा था, जिससे यह बोझ चोरी छुपे आने वाली पीढ़ियों पर ट्रांसफर हो गया

नई दिल्ली 27 मई (वार्ता)। भाजपा की वरिष्ठ नेता एवं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि, मोदी सरकार ने अपनी बजट प्रथाओं और संख्याओं में पारदर्शिता को प्राथमिकता दी है जबकि पूर्ववर्ती संप्रग सरकार ने ऑफ-बजट उधार और तेल बांड के माध्यम से घाटे को छुपाने की प्रथा अपनाई, जिसने कुछ हद तक राजकोषीय बोझ को भविष्य की पीढ़ियों पर स्थानांतरित कर दिया गया।

सीतारमण ने एक्स पर एक के बाद एक कुल पांच पोस्ट कर बजट के बारे विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि संप्रग सरकार के नेतृत्व वाली सरकार ने ऑफ-बजट उधार और तेल बांड जारी करने के माध्यम से घाटे को छुपाने की दोहराई प्रथा, जिसने कुछ हद तक राजकोषीय बोझ को भविष्य की पीढ़ियों पर स्थानांतरित कर दिया। संप्रग के तहत, बजट संख्या को अनुकूल बनाने के लिए मानक राजकोषीय प्रथाओं को नियमित रूप से बदला गया था। पारदर्शी बजट वाले देशों को अक्सर इंटरनैशनल मोनेटरी फंड (आई.एम.एफ.) और वर्ल्ड बैंक जैसे अंतरराष्ट्रीय निकायों द्वारा अधिक अनुकूल रूप से देखा जाता है। इससे वैश्विक विश्वास में सुधार हो सकता है। उन्होंने कहा कि, मोदी सरकार के पिछले दशक के कार्यकाल में पिछली बाधाओं और पुरानी प्रथाओं को पीछे छोड़ते हुए केंद्रीय बजट की पवित्रता और विश्वसनीयता में पर्याप्त सुधार होने का

- **वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि, हमारी सरकार ने पूरे पारदर्शी तरीके से बजट एवं राजकोषीय घाटे को उजागर किया है। इससे भारत के प्रति आई.एम.एफ. एवं वित्तीय संस्थाओं के नजरिये में सकारात्मक परिवर्तन आया है।**
- **सीतारमण ने कहा कि, वित्त वर्ष 2017-18 से बजट प्रस्तुति फरवरी के आखिरी कार्य दिवस के बजाय 1 फरवरी को कर दी गई है। इसने व्यय चक्र को प्रभावी ढंग से 2 महीने आगे बढ़ा दिया।**

दावा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्देशित शासन में पारदर्शिता, दक्षता और प्रभावशीलता की दृष्टि से सरकार ने बजट को केवल व्यय के रिकॉर्ड से बदलकर समान विकास के रणनीतिक खाका में बदल दिया है। मोदी सरकार के पिछले दशक के कार्यकाल में पिछली बाधाओं और पुरानी प्रथाओं को पीछे छोड़ते हुए केंद्रीय बजट की पवित्रता और विश्वसनीयता में पर्याप्त सुधार होने का दावा करते हुए उन्होंने कहा " हमारे बजट की विशेषता राजकोषीय विवेक, पारदर्शिता और समावेशिता है, जो सामाजिक विकास और बुनियादी ढांचे में निवेश सुनिश्चित करता है। हम अपने करदाताओं से एकत्र किए गए प्रत्येक रुपये का विवेकपूर्ण और कुशल उपयोग करते हैं और उन्हें सार्वजनिक वित्त की पारदर्शी तस्वीर देते हैं। हमारी सरकार द्वारा बजटीय प्रक्रिया और प्रथाओं को मजबूत करने और पारदर्शिता लाने के लिए कई ऐतिहासिक निर्णय और सुधार किए गए हैं।''

सीतारमण ने कहा कि, वित्त वर्ष 2017-18 से बजट प्रस्तुति फरवरी के आखिरी कार्य दिवस के बजाय 1 फरवरी को कर दी गई है। इसने व्यय चक्र को प्रभावी ढंग से 2 महीने आगे बढ़ा दिया। इस सुधार से पहले, लेखानुदान के माध्यम से संसद से प्राधिकरण केवल वित्तीय वर्ष के पहले 2 महीनों के लिए उपलब्ध था।

बंगाल में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संकट में हैं। यद्यपि, राज्य सरकार ने इन बांधों को बनाने में बहुत ज्यादा खर्चा होना दिखाया है।

राज्य सरकार, राहत संबंधी जरूरतों को पूरा करने में सक्षम नज़र नहीं आ रही है। यह जिला प्रशासन का कर्तव्य था कि वो प्रभावित लोगों की राहत संबंधी जरूरतों को पूरा करें।

31 मई को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करेंगे। ज्ञातव्य है कि रैवन्ना के खिलाफ अनेक महिलाओं द्वारा यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने के बाद उनके विरुद्ध केस दर्ज कर दिया गया था इसके चलते वे 26 अप्रेल को जर्मनी भाग गए थे। स्पष्ट है कि इस मामले में कर्नाटक में तथा अन्यत्र राजनीति दबाव बनाया जा रहा था। कर्नाटक सरकार और कांग्रेस पार्टी केन्द्र सरकार और भाजपा पर आरोप लगा रही है तथा रैवन्ना को एक यौन शिकारी के रुप में चित्रित कर रही है पार्टी का आरोप है कि केन्द्र सरकार में उच्च पदों पर बैठे लोग रैवन्ना को बचा रहे हैं।

इस मुद्दे के कारण भाजपा व प्रधानमंत्री की छवि पर भी असर पड़ा है संभावना यह भी है कि भाजपा अपने गठबंधन के सहयोगी दलों पर रैवन्ना को वापस देश में बुलाने पर दबाव बना रही हैं और आम चुनावों के बीच की अवधि में पार्टी को नुकसान पहुंचाने के बजाए यहां आकर उन पर लगे आरोपों का सामना करें।

परंतु, सात चरणों में चल रहे आम चुनावों के अंतिम चरण से ठीक एक दिन पूर्व अब रैवन्ना ने घोषणा की है कि उनका इरादा 31 मई को विशेष जांच दल के समक्ष स्वयं को समर्पण करने का है। इस तथ्य को मद्देनजर रखते हुए भाजपा को मतदान पर इसके प्रभाव को ध्यान में रखना होगा और यह भी कि देश का मीडिया भी इस घटना की कहानी को प्रसारित करने के लिए विवश होगा और जब भी वह भारत में जांच का सामना करने देश की धरती पर उतरेंगे, डिजिटल मीडिया इस घटना को जोरदार तरीके से अपनी खबरों में पेश करेगा।

इण्डिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जगन मोहन रेड्डी की पार्टी शामिल है।

त्रिशंकू संसद बनने की दशा में राजनैतिक समीकरणों का पुनर्गठन होगा, नए गठबंधन बनेंगे और कुछ टूट भी सकते है इन हालात में इंडिया गठबंधन पूरी तरह से सजग रहना चाहता है।

वकीलों के काला कोट पहनने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका

याचिका में मांग की गई है कि, गर्मी में काले कोट के कारण वकीलों की सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है

नई दिल्ली, 27 मई। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल की गई है, जिसमें गर्मियों के दौरान वकीलों के ड्रेस कोड में राहत देने की अपील की गई है। इसके तहत मांग गई है कि वकीलों को गर्मियों के दिनों काला कोट न पहनने की छूट दी जाए। याचिका में अदालत से मांग की गई है कि, एडवोकेट ऐक्ट, 1961 के नियमों में संशोधन किया जाए। इससे वकीलों को गर्मी के दिनों में काला कोट पहनने से राहत मिल सकेगी।

याचिका में कहा गया है कि, अदालत सभी राज्यों के बार काउंसिल को इस संबंध में आदेश दे। इसके तहत उन महीनों की सूची तैयार की जाए, जब काला कोट पहनना गर्मी के चलते मुश्किल भरा हो सकता है। अर्जी में कहा गया है कि गर्मी के दिनों में भी काला कोट पहनने से होने वाले नुकसान के अध्ययन के लिए एक कमेटी का भी गठन किया जाए, जिसमें मेडिकल एक्सपर्ट्स हों। याची ने कहा कि इस बात की स्टडी तो होनी ही चाहिए कि कैसे गर्मी के दिनों में काला कोट पहनने से सेहत, कार्य क्षमता पर विपरीत असर पड़ सकता है।

एडवोकेट शैलेंद्र मणि त्रिपाठी ने बेंच से अपील की है कि परंपरागत ड्रेस कोड के नियमों में छूट दी जाए। इसकी वजह यह है कि, देश के मैदानी इलाकों में गर्मी के दिनों में तापमान बहुत ऊपर चला जाता है। ऐसा लगातार कई महीनों तक होता है और उस स्थिति में काला कोट पहनना मुश्किल भरा होता है। याची ने कहा कि काला कोट पहनने की परंपरा ब्रिटिश दौर से जुड़ी हुई है, लेकिन यह हमारे लिए सही नहीं है। याची ने कहा कि ब्रिटेन के मौसम की परिस्थिति अलग थी और हमारे यहां माहौल दूसरा होता है। इसलिए गर्मी के दिनों में ऐसी ड्रेस पहनना ठीक नहं है।

याची ने कहा कि काला रंग गर्मी को आकर्षित करता है। इसकी वजह से गर्मी से वकीलों को तपना पड़ता है और उससे उनकी कार्यक्षमता पर भी असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि सभी को अधिकार है कि वह सुरक्षित माहौल में काम कर सके। वकीलों को मोटे काले कोटों का पहनना मुश्किल भरा होता है। इससे उनके लिए कामकाज की स्थिति असुरक्षित और मुश्किल भरी होती है। यह असुविधाजनक है। इससे सुरक्षित वर्कप्लेस का अधिकार भी प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि जो लोग पहले ही किसी बीमारी का शिकार हैं, उनके लिए तो यह और मुश्किल भरा हो सकता है।

दो गर्दन वाले हंस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शुरू के पांच-छः महीनों में ही कुछ ताबड़-तोड़ तरीके से गहलोत सरकार के ''स्कैण्डल्स'' और अन्य कुकर्मों की जांच कराना शुरू न कर सके। या फिर यह, व्यक्ति प्रधान (गहलोत प्रधान) व्यवस्था का ''नैच्युरल फॉल आऊट'' (स्वाभाविक परिणाम) है। इस प्रश्न का उत्तर व विवेचना फिर कभी की जा सकती है, पर, एक निष्कर्ष तो बिना किसी हिचकिचाहट के निकलता है कि, व्यक्ति प्रधान सरकार में प्रजातंत्र के, प्रशासन के मजबूत स्तम्भ खोखले हो गये मु.मंत्री गहलोत को यह विश्वास था कि, जब तक प्रशासन पुरानी सरकार के ''स्कैण्डल्स'' की ओर गंभीरता से देखेगी, उन ''स्कैण्डल्स'' की स्मृतियां कुछ लोप सी हो जायेंगी जनता के ज़हन से और मुंह धोकर वे फिर, नयी ''इनिंग्स'' (पारी) खेलने को तैयार हो जायेंगे और ''गहलोत वाद'' कभी मरेगा नहीं। तो क्या जनता और समाज सदा छोटी-छोटी चालों व चालाकियां करने वाले राजनीतिज्ञों की कैद में रहेगा और विकास, जन कल्याण, समृद्धि, शांति केवल नारों तक सीमित रहेंगे, जिनका उपयोग राजनीतिज्ञ, जनता को लुभाने के लिये समय-समय पर करते रहेंगे।

क्या गहलोत की सरकार का उदाहरण ही व्यक्तिवादी, व्यक्ति प्रमुख राजनीति का विकराल रूप ही एक मात्र सत्य है, या, गहलोत सरकार व्यक्ति प्रमुख राजनीति का गंदा अपवाद थी?

(क्रमशः)

'गुरू गोविन्द सिंह...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे थे। भाई मोखम सिंह वर्ष 1685 में आनंदपुर साहिब आए। वे जल्द ही युद्ध कला में प्रशिक्षित हो गए और फिर गुरू गोबिन्द सिंह की सेना को प्रशिक्षण देने लगे।

वर्ष 1699 में, दसवें सिख गुरू गोबिन्द सिंह ने आनंदपुर साहिब में एक ऐतिहासिक सम्मेलन किया, जिसमें उन्होंने ऐसे पाँच लोगों से उनके शीश मांगे, जो पाँच काकड़ (या वस्तुओं- केश, कंघा, कड़, कचेरा और किरपान) का सम्मान करना चाहते हैं। गुरू ने खालसा सिखों को आदेशित किया थ कि व यह पाँच चीज़ें हमेशा धारण करें। मुण्डन संस्कार को मानने वाले ऊंची जातियों के अधिकांश लोगों ने उक्त पाँच आदेशों में से एक, लम्बे बाल रखने से इंकार कर दिया था, इसलिए पाँच लोगों ने एक उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए गुरू को अपने शीश अर्पित कर दिए थे।

फिर, गुरू गोबिन्द सिंह पहले व्यक्ति को एक टैन्ट के भीतर लेकर गए, जहाँ उन्होंने एक बकरी रखी थी। बाद में वे एक तलवार लेकर बाहर आए जो खून से सनी थी। ''बावजूद इसके चार अन्य जनों ने अपने शीश चढ़ाने का प्रस्ताव दिया। बाद में गुरू गोबिन्द सिंह ने ''पंज प्यारे'' कहकर संबोधित किया। अपना शीश चढ़ाने का प्रस्ताव देने वाले भाई मोखम सिंह चौथे पंज प्यारे थे।

पंज प्यारों को गुरू गोबिन्द सिंह का अतिप्रिय माना जाता था। मोखम सिंह के अलावा अन्य पंज प्यारे थे- लाहौर के भाई दया सिंह, हस्तिनापुर के भाई धरम सिंह, जगन्नाथपुरी के भाई हिम्मत सिंह और बीदर के भाई साहिब सिंह। पंज प्यारों के प्रति सिखों की अगाध श्रद्धा है। वे इन्हें दृढ़ता और समर्पण के प्रतीक के रूप में देखते हैं।

भाई मोखम सिंह वर्ष 1705 में हुए चमकौर युद्ध में वीरगति को प्राप्त हुए थे।

सीनियर पत्रकार योगेश दीक्षित के अनुसार ''प्रधानमंत्री को तथ्यों की सटीकता अथवा ऐतिहासिक तथ्यों की परवाह कभी नहीं रही है क्योंकि वे अपनी राजनीतिक सुविधा के अनुसार तथ्य प्रस्तुत करना पसंद करते हैं।

आशंकित व अचंभित क्यों हैं हाईकोर्ट के वकील, जॉर्ज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तकनीकी विभाग' की ओर से पैरवी कर रहे हैं उल्लेखनीय है कि अनूप जॉर्ज पूर्व में ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (ए.आई.सी.सी.) के सचिव भी रह चुके हैं। वे मध्यप्रदेश में कांग्रेस की दिग्विजय सरकार में महाधिवक्ता रह चुके हैं। यही नहीं ज्योतिरादित्य सिंधिया के राज्यसभा में चयन के खिलाफ दायर याचिका में वे पैरवी कर चुके हैं, तथा साथ ही कांग्रेस सांसद गोविंद सिंह के पक्ष में भी पैरवी के लिये अदालत में पेश हुए हैं।

इन तथ्यों से यह तो स्पष्ट होता है कि अनूप जॉर्ज चौधरी पूर्व में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के समीप रहे हैं, पर क्या यह तथ्य उनकी वकालत के प्रति सत्यनिष्ठा पर अंकुश लगा सकता है? अगर राज्य सरकार के फैसलों को देखा जाये तो नहीं।

भारतीय न्याय प्रणाली और सुप्रीम कोर्ट का आदर्श वाक्य है, ''यतो धर्मस्ततो जयः'', जिसका अर्थ है सत्य और धर्म की ही जीत हो। इसीलिये राज्य सरकारों में महाधिवक्ता व समकक्ष सरकारी वकीलों की ईमानदारी ही उनकी सबसे बड़ी योग्यता मानी जाती है। वे अदालत के समक्ष वैसे तो सरकार की तरफ से पैरवी करते हैं, परंतु उनसे आशा होती है कि वे न्याय और सत्य की ही पैरवी करें और किसी के साथ अन्याय ना होने दें। सरकार के 'पब्लिक प्रोसीक्यूटर' (लोक अभियोजक) भी सरकार की ओर से कानून की अवहेलना करने वाले के खिलाफ 'प्रोसीक्यूशन' (मुकदमा दायर कर पैरवी करते हैं) करते ना कि ''परसीक्यूट' (आमजन को सताने) का कार्य करते हैं। इन्हीं आदर्शों के कारण आमजन का न्याय प्रणाली पर भरोसा रहता है और सरकारी वकीलों की ईमानदारी भी विवादों से परे रहती है।

भूतकाल में ऐसे उदाहरण देखे जा सकते हैं जहां राज्य सरकारों के बदलने के बाद भी महाधिवक्ता को नहीं बदला गया क्योंकि सरकार उन वकीलों की सत्यनिष्ठा पर सवाल नहीं उठा सकती थी। उल्लेखनीय है कि दूसरी गहलोत सरकार में वरिष्ठ अधिवक्ता जी.एस. बापना महाधिवक्ता थे जिन्हें वसुंधरा सरकार ने भी नियमित रखा था। परंतु यहां पर उल्लेखनीय है कि जी.एस. बापना व्यक्तिगत तौर पर किसी भी पार्टी में सम्मिलित नहीं हुए। वैसे ही वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने भी कांग्रेस पार्टी में अपना पद त्याग देने के बाद ही स्वतंत्र रूप से राज्यसभा का चुनाव लड़ा। वे चाहे कांग्रेस से पूर्व में जुड़े रहे हैं, परंतु कांग्रेस छोड़ने के बाद उन्होंने कांग्रेस की राजनैतिक विपक्षी पार्टी भाजपा के लिये ना तो कभी पैरवी की और ना ही कोई पद स्वीकारा। कपिल सिब्बल का नाम विपक्ष की अन्य पार्टी जैसे सपा और आप के साथ जरूर जोड़ा जाता है, परंतु भाजपा के साथ नहीं, जिसका शायद वैचारिक रूप से कांग्रेस से कभी मेल नही हो सकता।

इन दोनों उदाहरणों के बावजूद यह कहना आवश्यक होगा कि जी.एस.बापना और कपिल सिब्बल का उदाहरण एक अपवाद ही है और नियम नहीं है। इसलिये शायद आमजन, भाजपा कार्यकर्ता, नेताओं व पार्टी से संबंधित कई वकीलों के यह तथ्य गले नहीं उतर रहा कि राज्य सरकार ने उसकी सुप्रीम कोर्ट में पैरवी करने के लिये वरिष्ठ अधिवक्ता अनूप जॉर्ज चौधरी को नियुक्त किया है, जो एक समय पर ए.आई.सी.सी सचिव भी रह चुके हैं। कांग्रेस और भाजपा राष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं बल्कि राज्य स्तर पर भी सबसे बड़ी और सबसे प्रबल विपक्षी पार्टियां हैं, जिनके नेताओं ने राजनैतिक लाभ के लिये भले ही दल बदले हों, परंतु कांग्रेस संगठन में सचिव रहे अधिवक्ता का भाजपा सरकार के लिये अदालत में पैरवी के लिये पेश होना शायद यह पहला उदाहरण है।

इस तथ्य को भी नकारा नहीं जा सकता कि वरिष्ठ अधिवक्ता अनूप जॉर्ज चौधरी ए.आई.सी.सी. में 'ह्यूमन राइट सेल' के अध्यक्ष भी रह चुके हैं, जिनमें उनके अलावा केवल चार अन्य सदस्य थे। यह उनकी योग्यता का ही प्रमाण है कि कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय स्तर की पार्टी में उन्हें ए.आई.सी.सी. की एक विशेष यूनिट का अध्यक्ष बनाया। परंतु इससे पता चलता है कि अनूप जॉर्ज चौधरी कांग्रेस के वरिष्ठ नेतागण के करीब थे और इसीलिये शायद उन्होंने यह पद ग्रहण किया। इसलिये राज्य सरकार द्वारा अनूप जॉर्ज चौधरी को सुबोध कॉलेज और अग्रवाल कॉलेज की मैनेजमेंट कमेटी को सरकारी अनुदान नहीं देने से जुड़े एक अत्यंत ही विवादित मामले में राज्य सरकार की उच्च शिक्षा तकनीकी विभाग की तरफ से पैरवी करने का फैसला और भी अटपटा लगता है।

केजरीवाल ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनका कीटोन लेवल बहुत ज्यादा है, जो किसी गंभीर बीमारी का लक्षण हो सकता है।उन्होंने अपनी याचिका में कहा, ''वर्तमान में उनका इलाज कर रहे मैक्स अस्पताल के संबंधित डॉक्टरों ने कुछ जांच करने की सलाह दी है, जिसके लिए सात दिनों का समय चाहिए।याचिका में कहा गया है कि उन्हें पीईटी-सीटी स्कैन और अन्य जांच करने की सलाह दी गई है।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने 10 मई को केजरीवाल को लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियानों में भाग लेने के लिए एक जून तक अंतरिम जमानत दी थी और दो जून को उन्हें जेल प्रशासन के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया था। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को दिल्ली आबकारी नीति -2021-22 (जो बाद में रद्द कर दी गई थी) में कथित घोटाले में 21 मार्च 24 को गिरफ्तार किया गया था। केजरीवाल को गिरफ्तार करने वाली केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन पर मुख्य साजिशकर्ता होने का आरोप लगाया है। उन पर पूर्व के गोवा विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए 100 करोड़ रुपये गलत तरीके से हासिल करने का आरोप है।

केजरीवाल ने ईडी की ओर से अपनी गिरफ्तारी की वैधता को चुनौती दी है।इस मामले में उन्हें शीर्ष अदालत की ओर से अंतरिम जमानत दे दी गई थी, लेकिन उन्होंने नियमित जमानत के लिए अब तक कोई याचिका दायर नहीं की है। शीर्ष अदालत ने केजरीवाल की गिरफ्तारी और उसके बाद ईडी की हिरासत को चुनौती देने वाली उनकी अपील पर 17 मई को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 17 अगस्त 22 को अबकारी नीति बनाने और उसके कार्यान्वयन में की गई कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए एक आपराधिक मुकदमा दर्ज किया था।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908